वर्ष 73 ▸ अंक 204 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 23 अप्रैल, 2026
वैशाख शुक्ल पक्ष 06, विक्रम संवत् 2083
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"कब्रों पर बहाए गए सबसे कड़वे आंसू उन शब्दों और कर्मों के लिए होते हैं, जो कभी कहे या किए नहीं गए।
- हैरिएट बीचर स्टोव

ऑफ बीट

जाम से परेशानी, मंत्री से कहा- गेट आउट

मुंबई के वर्ली इलाके में भाजपा की रैली के दौरान ट्रैफिक जाम से परेशान एक महिला ने महाराष्ट्र सरकार के मंत्री गिरीश महाजन को खुलेआम फटकार लगा दी। घटना मंगलवार की है, जब महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन में रैली निकाली जा रही थी। इस घटना का वीडियो बुधवार को वायरल हुआ। वायरल वीडियो में महिला मंत्री से कहती नजर आई- 'गेट आउट ऑफ हियर।' आरोप लगाया कि रैली की वजह से सड़क पर भारी जाम लगा है। सवाल उठाया कि रैली सड़क पर क्यों, पास के मैदान में क्यों नहीं? महिला ने गुस्से में कहा, 'आपको समझ नहीं आ रहा है? यहां सैकड़ों लोग फंसे हैं- व्हाट इज रॉन्ग विद यू?' महिला ने बताया कि वह करीब एक घंटे से सड़क पर फंसी हुई थीं। रैली में शामिल लोग रास्ता खाली नहीं कर रहे थे। गुस्से में उसने बोतल उठाकर फेंकने की भी कोशिश की। पुलिस अधिकारी ने महिला को समझाने की कोशिश की लेकिन महिला ने पुलिस से बात करने से इनकार कर दिया। बाद में पुलिस ने उन्हें एक तरफ ले जाकर भरोसा दिलाया कि ट्रैफिक जल्द साफ कराया जाएगा।

प्रदेश में अब जमीन अधिग्रहण पर किसानों को चार गुना मुआवजा

तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है निर्णय | **400 से अधिक हितग्राही संगठनों से लिए गए सुझाव** | **नगरीय क्षेत्रों में यथावत रहेगी मुआवजे की राशि**

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन अधिग्रहण पर बाजार मूल्य से 4 गुना तक मुआवजा देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि यह निर्णय तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया गया है और इससे किसानों को सम्मानजनक प्रतिकर मिलेगा। यह फैसला भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन कानून 2013 के तहत लिया गया है।

सरकार ने इस फैसले से पहले एक उच्च स्तरीय मंत्रिमंडलीय समिति बनाई और 400 से अधिक हितधारकों, किसान संगठनों और उद्योग संस्थाओं जैसे क्रेडाई व फिक्की से चर्चा की गई। इन सुझावों के आधार पर ही ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुआवजा बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

सीएम ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में गुणन कारक 1.0 ही रहेगा। यानी वहां मुआवजे की मौजूदा व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इसके साथ ही सीएम ने कहा कि सरकार किसानों से एमएसपी पर गेहूं खरीदी कर रही है, साथ ही बोनस भी दिया जा रहा है। इस साल फसल उत्पादन बेहतर रहा है और सरकार लगातार खरीद प्रक्रिया जारी रखे हुए है।

कांग्रेस के आरोपों पर जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में एक भी माह ओवरड्राफ्ट की स्थिति नहीं आई। सभी योजनाएं बिना आर्थिक संकट के संचालित की जा रही हैं।

अपने निवास पर पत्रकारों से संवाद करते हुए सीएम ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के विकास के साथ किसानों को सम्मान देने के भाव के साथ लगातार काम कर रही है। हम राज्य के विकास में किसानों को सहभागी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में सरकार ने किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। इससे सरकार के बड़े प्रोजक्ट के लिए यदि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की भूमि का अधिग्रहण करना पड़ा, तो उन्हें बाजार मूल्य से 4 गुना मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने उच्च स्तरीय मंत्रिमंडलीय समिति का गठन किया था। जिसने 400 से अधिक हितग्राही पक्षकारों, किसान संगठनों, सामाजिक संगठनों तथा क्रेडाई व फिक्की सहित विभिन्न संस्थाओं के साथ व्यापक विचार विमर्श किया। सरकार ने मध्यप्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन अधिनियम के अंतर्गत गुणनकारक को 2.0 निर्धारित किया है।

विकास परियोजनाओं को मिलेगी गति

सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में हर साल 70-75 हजार करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है। सड़क, पुल, सिंचाई, रेलवे और बांध जैसी परियोजनाओं के लिए जमीन की जरूरत बढ़ रही है। अब किसानों को उचित मुआवजा मिलने से भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवाद कम होंगे और विकास कार्यों को तेजी मिलेगी।

पहले दोगुना था मुआवजा

- ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गुणन कारक (मल्टीप्लायर) 1.0 से बढ़ाकर 2.0 किया गया है
- इससे जमीन अधिग्रहण पर किसानों को बाजार मूल्य का चार गुना तक मुआवजा मिलेगा
- यह प्रावधान सभी नई और लंबित परियोजनाओं पर लागू होगा (जहां अंतिम अवार्ड जारी नहीं हुआ है)

सिरदर्द-कैंसर की 141 दवाओं के सैंपल फेल

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली/ सोलन, जेएनएन। देशभर में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर बड़ी चिंता सामने आई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की जांच में 141 दवाओं के सैंपल फेल पाए गए हैं। इनमें से सर्वाधिक 46 दवाएं हिमाचल प्रदेश में निर्मित हैं। इन दवाओं का इस्तेमाल सिर दर्द, पेट दर्द, ब्लड प्रेशर, शुगर, अल्सर और विभिन्न संक्रमणों के इलाज में होता है। चौंकाने वाली बात यह है कि कैंसर और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों में उपयोग होने वाली कुछ दवाएं भी मानकों पर खरी नहीं उतरीं।

मार्च महीने के ड्रग अलर्ट में सीडीएससीओ ने इन दवाओं को 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एनएसक्यू)' घोषित किया है। इसके बाद संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं और सभी बैच का स्टॉक बाजार से वापस मंगाने के आदेश दिए गए हैं।

दवाओं के सैंपल फेल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग और ड्रग कंट्रोलर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। कुछ दवाएं जनवरी 2024 में बनी हुई बताई गई हैं, जो अब तक बाजार में थीं। हालांकि, रिपोर्ट आने के बाद संबंधित बैच का पूरा स्टॉक वापस मंगाया जा रहा है। असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर आशीष रैना के अनुसार दवाओं की रैंडम सैंपलिंग की जाती है और हर बैच की जांच पहले से अनिवार्य नहीं होती। यदि सैंपल फेल हो जाए तो पूरा स्टॉक वापस लिया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पूरी तरह निर्माता कंपनी की होती है।

ये दवाएं हुईं फेल

- एंटीबायोटिक्स (अमोक्सिसिलिन, क्लैवुलैनिक एसिड, क्लावोसिल-375)
- पेनकिलर (डाइक्लोफेनाक, पैरासिटामोल)
- एलर्जी और सर्दी की दवाएं (लेवोसेटिरिजिन, सिरप संयोजन)
- ब्लड प्रेशर और दिल की दवाएं (टेल्मिसार्टन, रामिप्रिल)
- एसिडिटी और अल्सर की दवाएं (रैबेप्राजोल, पैंटोप्राजोल)
- किडनी/ट्रांसप्लांट दवाएं (टैक्रोलिमस)

इन दवाओं का इस्तेमाल रोजमर्रा से लेकर गंभीर बीमारियों तक में किया जाता है।

यह कार्रवाई संभव

- संबंधित कंपनियों के खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत कार्रवाई होगी।
- लाइसेंस सस्पेंड या रद्द किया जा सकता है
- जुर्माना भी लगाया जा सकता है

आईपीएल में आज

मुंबई बनाम चैन्नई
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणाम: राजस्थान ने लखनऊ को 40 रनों से हराया।

संक्षिप्त खबरें

एविएशन फ्यूल एथेनॉल मिलाने को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने एविएशन सेक्टर में प्रदूषण कम करने और महंगे कच्चे तेल के आयात को घटाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) में एथेनॉल ब्लेंडिंग को मंजूरी दे दी है। इसके लिए सरकार ने एटीएफ मार्केटिंग नियमों में बदलाव किया है। अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल की परिभाषा को अपडेट किया गया है। एटीएफ में हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ सिंथेसाइज्ड कंपोनेंट्स शामिल किया जा सकेगा।

(विस्तृत खबर पेज 9 पर)

प. बंगाल में पहले चरण के लिए मतदान आज

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को 16 जिलों की 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान होगा। इस चरण में 1478 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। उधर, तमिलनाडु में भी गुरुवार को राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा। यहां 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर एक साथ मतदान होगा। वहीं बंगाल में 152 सीटें के लिए वोटिंग होगी।

(विस्तृत खबर पेज 8 पर)

पश्चिम एशिया संकट: होर्मुज में अमेरिकी नाकेबंदी जारी

ट्रंप ने सीजफायर बढ़ाया ईरान ने तीन जहाज रोके

तेहरान/वॉशिंगटन, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में भारत आ रहे एक कंटेनर जहाज को रोककर अपने कब्जे में ले लिया है। ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने आरोप लगाया है कि जहाज बिना अनुमति जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश कर रहा था। लाइबेरिया के झंडे वाला यह कंटेनर शिप इपामिनोन्डास गुजरात के मुंद्रा पोर्ट की ओर बढ़ रहा था। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक जहाज के नेविगेशन सिस्टम में छेड़छाड़ की गई थी। इससे समुद्री सुरक्षा को खतरा बताया गया। आईआरजीसी ने कार्रवाई करते हुए जहाज को रोककर ईरान के तट की ओर ले जाया।

ईरान ने एमएससी फ्रांसेस्का नाम के एक अन्य जहाज को भी कब्जे में लिया है, जबकि यूफोरिया नाम के तीसरे जहाज पर हमला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक जहाज पर फायरिंग हुई और दूसरा ओमान के तट के पास हमले में क्षतिग्रस्त हुआ।

इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर की अपील पर लिया गया है। हालांकि ईरान पर अमेरिकी नाकेबंदी (ब्लॉकेड) जारी रहेगी और सेना को पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ईरान के साथ चल रहे अस्थायी युद्धविराम को अनिश्चितकाल तक बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ईरान को बातचीत के लिए 'एक संयुक्त प्रस्ताव' तैयार करने का समय दिया जा रहा है। हालांकि, ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहेगी। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने से ईरान आर्थिक रूप से कमजोर हो रहा है और 'नकदी की भारी कमी' झेल रहा है। ईरान की ओर से अभी तक इस युद्धविराम विस्तार पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। वैश्विक तेल और गैस सप्लाई का बड़ा हिस्सा यहीं से गुजरता है। यहां तनाव बढ़ने से ऊर्जा कीमतें और वैश्विक व्यापार प्रभावित हो रहा है।

बीते 24 घंटे के हालात

- ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार हैं
- ब्रिटेन और फ्रांस ने होर्मुज खोलने के लिए 30 देशों की बैठक बुलाई
- अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंसस की पाकिस्तान यात्रा टली
- यमन के हूती विद्रोहियों ने कहा कि संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ
- फ्रांस के राष्ट्रपति ने नाकेबंदी को गलत कदम बताया

ऑनलाइन गेमिंग के नए नियम अधिसूचित, पैसों के लेन देन पर रखी जाएगी नजर

1 मई से ई-स्पोर्ट्स के लिए जरूरी होगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, जेएनएन। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने बुधवार को बहुप्रतीक्षित ऑनलाइन गेमिंग नियमों को अधिसूचित कर दिया। ये नियम ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम को संचालित करने के लिए प्रक्रियात्मक ढांचा मुहैया कराते हैं और इनके आधार पर ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का गठन भी हो सकेगा।

आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि ज्यादातर ऑनलाइन गेम - अगर वे 'रियल मनी गेम' नहीं हैं (पैसे का लेनदेन शामिल नहीं है), को अनिवार्य रूप से पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। निगरानी केवल कुछ विशेष परिस्थितियों में ही शुरू की जाएगी। हालांकि, 'ई-स्पोर्ट्स' के लिए अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकता होगी।

सरकार चाहती है कि प्रक्रिया को कम से कम नियामक हस्तक्षेप वाला रखा जाए। अधिकांश खेल, जो पैसों वाले खेल नहीं हैं, वे बिना किसी अनिवार्य पंजीकरण के संचालित हो सकेंगे। इसलिए पूरी प्रक्रिया वैकल्पिक है। मंत्री ने कहा कि हम किसी को भी यह निर्धारित करने के लिए आवेदन करने के लिए बाध्य नहीं कर रहे हैं कि वह ऑनलाइन मनी गेम है या ऑनलाइन सोशल गेम है या 'ई-स्पोर्ट्स' है।

मांगे गए थे सुझाव

नियमों में उपयोगकर्ता सुरक्षा सुविधाओं को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। यह अधिनियम भारत में ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देते हुए ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगाता है। मंत्रालय ने अक्टूबर 2025 में इन नियमों पर सुझाव आमंत्रित किए थे।

निर्धारण तीन स्थितियों में

- प्राधिकरण खुद संज्ञान लेकर किसी गेम्स को लेकर यह करेगा।
- ई-स्पोर्ट्स गेम शामिल खुद ही इस श्रेणी में रजिस्टर होते हैं।
- केंद्र सरकार सोशल गेम्स की किसी भी विशिष्ट श्रेणी को अधिसूचित कर सकती है।

जेट फ्यूल महंगा, लुफ्थांसा ने रद्द कीं 20 हजार उड़ानें

बर्लिन/ फ्रैंकफर्ट, जेएनएन। जर्मनी की प्रमुख एयरलाइन जुफ्थांसा ने ईंधन संकट के चलते बड़ा फैसला लिया है। कंपनी ने मई से अक्टूबर के बीच 20 हजार शॉर्ट-हॉल फ्लाइट्स रद्द करने की घोषणा की है। ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज में बाधा के कारण जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं। एयरलाइन के मुताबिक इस कदम से करीब 40 हजार टन ईंधन की बचत होगी। कंपनी ने सोमवार से हर दिन करीब 120 उड़ानें घटा दी हैं। फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख से कई घाटे वाले रूट बंद किए जा रहे हैं। वहीं ज्यूरिख, ब्रसेल्स और वियना से कनेक्टिविटी बढ़ाई जाएगी।

यह बदलाव भी

- 6 बड़े विमान अस्थायी रूप से हटाए जाएंगे
- 2 बोइंग 747 सर्दियों में नहीं उड़ेंगे
- 4 एयरबस ए340-600 अक्टूबर में स्थायी रूप से हटाए जाएंगे
- सिटीलाइन बेड़े के 27 विमान भी बंद किए जा रहे हैं

पूरे यूरोप में संकट

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने चेतावनी दी है कि यूरोप के पास महज 6 हफ्तों का जेट फ्यूल स्टॉक बचा है। ईरान संकट के चलते होर्मुज पर तेल आपूर्ति बाधित हुई है। इससे ईंधन और गैस सप्लाई पर भारी असर पड़ा है। यूरोपीय संघ अब अमेरिका से वैकल्पिक जेट फ्यूल और अन्य देशों से सप्लाई बढ़ाने जैसे विकल्पों पर विचार कर रहा है।

एसिड अटैक पीड़ितों के लिए ताउम्र इलाज की सिफारिश

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने एसिड अटैक पीड़ितों के लिए केंद्र सरकार से व्यापक सुधारों की सिफारिश की है। आयोग ने केंद्र सरकार से कहा है कि पीड़ितों को जीवनभर मुफ्त इलाज, जिसमें पुनर्निर्माण सर्जरी, आंख और दांतों का इलाज शामिल हो, उपलब्ध कराया जाए। राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक राष्ट्रीय रजिस्ट्रर बनाने का सुझाव भी दिया है, जिससे एफआईआर, इलाज, मुआवजा और पुनर्वास की ट्रैकिंग हो सके। साथ ही जीरो एफआईआर अनिवार्य, तेज जांच और तय समयसीमा में सुनवाई की भी मांग की गई है। आयोग ने पीड़ितों के लिए मासिक पेंशन, बेहतर मुआवजा, शिक्षा सहायता और रोजगार अवसर बढ़ाने पर भी जोर दिया। साथ ही एसिड की बिक्री पर सख्त नियंत्रण और नियमित जांच की भी सिफारिश की गई है।

यूएन की चेतावनी | **फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन और वैश्विक मौसम संगठन की संयुक्त रिपोर्ट**

भीषण गर्मी से वैश्विक खाद्य प्रणाली संकट में

नई दिल्ली/ जिनेवा, जेएनएन। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि बढ़ती भीषण गर्मी दुनिया की खाद्य प्रणाली को गहरे संकट के 'कगार पर' पहुंचा रही है। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफएओ) और वैश्विक मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, गर्मी के कारण खेती, पशुपालन और मत्स्य पालन तीनों पर गंभीर असर पड़ रहा है, जिससे एक अरब से अधिक लोगों की आजीविका खतरे में है। विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे किसान, मजदूर, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। उन्हें मुआवजा, कर्ज राहत और सुरक्षा नियमों की जरूरत है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत, दक्षिण एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई हिस्सों में साल के 250 दिनों तक बाहर काम करना असुरक्षित हो सकता है। इसका मतलब है कि किसान साल के दो-तिहाई समय खेत में काम नहीं कर पाएंगे, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा।

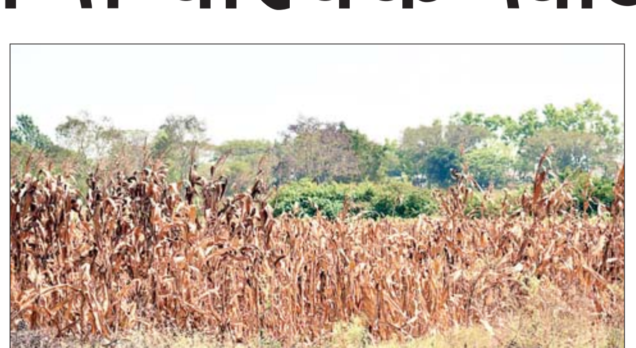

विशेषज्ञों की चेतावनी: अब अनुकूलन जरूरी

विशेषज्ञों का कहना है कि हीटवेव पहले से अनुमानित हो सकती हैं। मोबाइल और मौसम पूर्वानुमान से किसानों को पहले चेतावनी दी जा सकती है। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों के अनुसार, 'अगर अभी कदम नहीं उठाए गए, तो उत्पादन घटेगा और ज्यादा जमीन खेती में लानी पड़ेगी, जिससे जलवायु संकट और बढ़ेगा।

30 डिग्री से ऊपर तापमान

- अधिकांश फसलों की पैदावार घटने लगती है
- मक्का की पैदावार कुछ क्षेत्रों में 10 फीसदी तक घट चुकी है
- गेहूं की पैदावार में भी इसी तरह गिरावट दर्ज की गई
- पौधों की कोशिकाएं कमजोर होती हैं।
- जहरीले तत्व बनने लगते हैं।
- फसल की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित होती हैं
- पशुधन और डेयरी सेक्टर पर खतरा

25 डिग्री के आसपास

- पशुओं में हीट स्ट्रेस शुरू हो जाता है
- डेयरी उत्पादन घटता है और दूध की गुणवत्ता भी खराब होती है
- सूअर और मुर्गियां पसीना नहीं निकाल पाते, जिससे
- अंग फेल होने दिल संबंधी समस्याएं
- मौत का खतरा बढ़ जाता है

समाधान क्या हैं?

- जलवायु अनुकूल खेती अपनाना
- फसलों और पशुपालन में विविधता बढ़ाना
- खेतों में पेड़ और छाया बढ़ाना
- किसानों को तकनीक और शुरुआती चेतावनी देना
- जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम कर नवीकरणीय ऊर्जा बढ़ाना

समुद्र में भी संकट मछलियां मर रहीं

गर्मी का असर समुद्र पर भी दिख रहा है। पानी में ऑक्सीजन की मात्रा घट रही है। इससे मछलियों की संख्या तेजी से कम हो रही है। मत्स्य पालन पर निर्भर समुदायों की आजीविका खतरे में है।

सबरीमाला मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

हम उनके मंदिर नहीं जा सकते वे हमारे नहीं- यह सोच गलत

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला मंदिर और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हिंदू समाज को संप्रदायों में बंटने के बजाय एकजुट रहना चाहिए, क्योंकि आपसी विभाजन समाज को कमजोर करता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, 'वे हमारे मंदिर नहीं आ सकते, हम उनके मंदिर नहीं जा सकते' यह सोच उचित नहीं है। अगर कोई संप्रदाय अपने मंदिर दूसरों के लिए बंद रखता है, तो वह खुद कमजोर हो जाएगा। यह टिप्पणी ट्रावणकोर देवस्वम बोर्ड की ओर से रखे गए तर्कों के संदर्भ में आई, जिसमें विभिन्न संप्रदायों के बीच पूजा-अधिकार पर सवाल उठाया गया था।

इस मामले की सुनवाई 9 जजों की संविधान पीठ कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था से जुड़े 66 अन्य मामले भी जुड़े हैं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर राज्य कब हस्तक्षेप कर सकता है, इस पर कोई एक समान नियम तय करना मुश्किल है। हर मामला अपने तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर तय होगा। संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत राज्य को सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाने का अधिकार है। लेकिन यह तय करना जरूरी होगा कि यह वास्तविक सुधार है या धार्मिक स्वतंत्रता में दखल का मामला है।

नगर निगम रीवा का 18वां विशेष सम्मिलन आज

जागरण, रीवा। नगर निगम रीवा का 18वां विशेष सम्मिलन 23 अप्रैल को पूर्वान्ह 11:30 बजे नगर निगम स्पीकर व्यंकटेश पाण्डेय की अध्यक्षता में परिषद सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। यह जानकारी देते हुए निगम सचिव एमएस सिद्दीकी ने बताया कि विशेष सम्मिलन में 'नारी शक्ति वंदन' पर चर्चा एवं समर्थन प्रस्ताव रखा जावेगा। नगर निगम के सभी पार्षदों को विशेष सम्मिलन के लिए सूचित कर दिया गया है।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

निगम की सर्विस को बनाया जाएगा और आसान स्ववित्तीय प्रोजेक्ट भी तैयार होंगे : निगमायुक्त

शहर से दूर होंगी अतिक्रमण, अवैध निर्माण व जाम जैसी समस्याएं, तैयार किया जाएगा प्लान

जागरण,रीवा

नवागत निगमायुक्त अक्षत जैन ने बुधवार को नगर निगम का कार्यभार संभाल लिया। उनके द्वारा पहले ही दिन कार्यालय भ्रमण के साथ-साथ समीक्षा बैठक कर अब तक चल रहे प्रोजेक्ट व उनके कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। निगमायुक्त ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि यह शहर व कार्य स्थल उनके लिए बिल्कुल नया है, इसलिए वह सबसे पहले प्रयास करेंगे की जल्द से जल्द इस शहर व यहां की आमजन की समस्याओं की जानकारी लें सके। इसके साथ ही वह नगर निगम की वर्किंग को भी देखेंगे, साथ ही जन समस्याओं के निराकरण के लिए ठोस प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका सबसे ज्यादा फोकस निगम द्वारा आमजन को दी जा रही सर्विसेस को और आसान करना होगा। उदाहरण के तौर पर जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, हाउस-वॉटर टैक्स, योजनाओं में पंजीयन सहित उसका लाभ व स्वच्छ पेयजल, सीवरेज इन सबका लाभ आमजन को आसानी से मिल सके। सुविधाओं को और सरल माध्यम से आमजन तक पहुचाने का प्रयास किया जाएगा।

निगम की आय बढ़ाने तैयार होंगे स्ववित्तीय प्रोजेक्ट

निगमायुक्त अक्षत जैन ने कहा कि शहर की समस्याओं की जानकारी के बाद उनके निराकरण के लिए प्लॉन तैयार किया जाएगा, इसके साथ ही निगम की आय बढ़ाने स्ववित्तीय प्रोजेक्ट तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वार्डों में विकास कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी। स्ववित्तीय प्रोजेक्ट से निगम की आय में विस्तार होगा तो शहर में विकास कार्यो की गति बढ़ेगी।

आमजन के बीच पहुंचेंगे

निगमायुक्त ने कहा कि शहर को समझने व जनता की समस्या को जानने वह आमजन तक पहुंचेंगे, इसकेअलावा आमजन को यदि किसी प्रकार की समस्या है तो वह उनके सीधे आकर इस संबंध में बात भी कर सकते हैं। आमजन की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा।

नव नियुक्त निगम आयुक्त अक्षत जैन ने कार्यालय का किया निरीक्षण

जागरण, रीवा। नगर निगम रीवा के नव नियुक्त आयुक्त अक्षत जैन ने बुधवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पश्चात उन्होंने निगम सभागार में बैठक लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत परिचय प्राप्त किया। बैठक में उन्होंने एक-एक अधिकारी से वन-टू-वन संवाद स्थापित करते हुए उनके कार्यक्षेत्र, दायित्वों एवं वर्तमान कार्यप्रणाली की जानकारी ली। बैठक में आयुक्त जैन ने कार्यालयीन अनुशासन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय आएं तथा फील्ड स्टाफ अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करें। उन्होंने टीम वर्क की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि निगम के सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि नागरिकों को बेहतर एवं त्वरित सेवाएं प्रदान की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के उपरांत आयुक्त अक्षत जैन ने निगम कार्यालय परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में संचालित विभिन्न शाखाओं का क्रमवार भ्रमण किया और हर कक्ष में जाकर वहां की कार्यप्रणाली को समझा। उन्होंने अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक सभी से परिचय प्राप्त करते हुए कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्व शाखा, निविदा शाखा, निर्माण शाखा, कैश काउंटर, एकल खिड़की प्रणाली, एनयूएलएम शाखा एवं समग्र पेंशन शाखा सहित अन्य विभागों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं नागरिक हित सर्वोपरि रखा जाए। इस दौरान बैठक में उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एमएस सिद्दीकी, कार्यपालन यंत्री एचके त्रिपाठी, राजेश सिंह, सिद्धार्थ सिंह, सहायक आयुक्त शीतल भलावी, रामनरेश तिवारी, केएन साकेत, लेखाधिकारी अवनीश त्रिपाठी, सहायक यंत्री एसएन द्विवेदी, राजेश मिश्रा, अभिनव चतुर्वेदी, राजेश चतुर्वेदी, कमलेश्वर सिंह, सहायक राजस्व अधिकारी हेमन्त त्रिपाठी, नीलेश चतुर्वेदी, स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार, उपयंत्री, स्वच्छता निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

महिला आरक्षण के नाम पर सिर्फ राजनैतिक लाभ लेना चाहती भाजपा : कविता

कांग्रेस के समर्थन से लोकसभा में 2023 में ही पारित हो चुका था बिल, ढाई साल तक नहीं जारी किया नोटिफिकेशन

जनगणना व परिसीमन का पेच फंसाकर गुमराह कर रही सरकार

जागरण, रीवा। इन दिनों महिला आरक्षण का मुद्दा छाया हुआ है। सत्ता व विपक्ष दोनो देश की आधी आबादी के हिमायती बनने का ढोल पीटकर एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप मढ़ रहे हैं। प्रदेश में भाजपा सरकार की मंत्री कृष्णा गौर ने महिला आरक्षण बिल पास न होने देने का कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों पर आरोप लगाया तो बुधवार को कांग्रेस द्वारा अधिकृत वक्ता व प्रदेश कांग्रेस महासचिव कविता पांडेय ने केंद्र की भाजपा सरकार पर महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित रखने के आरोप मढ़े। कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कविता पांडेय ने कहा कि महिला आरक्षण बिल तो ढाई साल पहले ही कांग्रेस के समर्थन से पारित हो गया था , केंद्र की मोदी सरकार ने नोटीफिकेशन ही नहीं जारी किया। अब जनगणना व परिसीमन के आड़ में महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित रख रही है। प्रदेश महासचिव ने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर सिफ राजनैतिक लाभ लेना चाहती है है। उन्होंने बताया कि ढाई साल पूर्व पारित बिल को 16 अप्रैल को नोटीफिकेशन जारी कर फिर उसमें तुरंत संशोधन लाकर परिसीमन किए जाने और बढ़ी हुई सीटों में महिलाओं को आरक्षण की बात कर भाजपा सरकार बंगाल चुनाव प्रभावित करना चाहती थी, जिसे लोकसभा में कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने उनकी साजिश को कामयाब नहीं होने दिया और परिसीन व जनगणना का असंवैधानिक संशोधन बिल गिर गया। कविता ने कहा कि यदि सरकार महिलाओं को आरक्षण देना चाहती है तो वर्तमान की 543 सीटों में ही क्यो नहीं दे रही। इसके लिए सीटें बढ़ाने की क्या जरूरत है। प्रदेश कांग्रेस महिासचिव ने कहा कि कांग्रेस महिला अरक्षण के पक्ष में पूरी तरह से है लेकिन भाजपा की साजिश में शामिल नहीं होगी। कहा कि महिला आरक्षण के समर्थन में समूचा विपक्ष एकजुट है। कांग्रेस पार्टी एवं विपक्षी दलों ने सितंबर 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन किया था और अब कांग्रेस पार्टी की मांग है कि इस अधिनियम के तहत तत्काल प्रभाव से संसद एवं विधानमंडलों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाए। श्रीमती पाण्डेय ने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार जानबूझकर महिला आरक्षण को परिसीमन और जनगणना की प्रक्रियाओं में उलझाकर महिलाओं को उनका अधिकार देने में देरी कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार परिसीमन के बहाने बिना जातिगत जनगणना के चुनावी समीकरण को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही है। श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि देश की महिलाएं जागरूक हैं और अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं। वे सरकार के कथित भ्रामक दावों को समझ चुकी हैं और अपने अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेंगी।

अपनी मंशा स्पष्ट करे सरकार : जिला अध्यक्ष

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि भाजपा स्वयं को महिलाओं का हितैषी बताने का प्रयास कर रही है, जबकि कांग्रेस पार्टी शुरू से ही महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के पक्ष में रही है। कांग्रेस ने पंचायतों, नगर निगमों एवं अन्य स्थानीय निकायों में महिलाओं को आरक्षण प्रदान करने का कार्य किया है और अब संसद एवं विधानमंडलों में भी आरक्षण लागू करने की मांग कर रही है। श्री शर्मा ने मांग की कि सरकार अपनी मंशा स्पष्ट करे और वर्तमान लोकसभा सीटों के ढांचे में ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करे। साथ ही, इस आरक्षण में ओबीसी वर्ग की महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। पत्रकार वार्ता में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की सचिव एवं पूर्व विधायक डॉ. शीला त्यागी, बबिता साकेत, शहर अध्यक्ष अशोक पटेल 'झब्बू', प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा, शहर संगठन महासचिव सज्जन पटेल, पूर्व शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीमा सिंह, तारा त्रिपाठी, नजमा बेगम, लक्ष्मी सिंह, प्रभा सोहगौरा, प्राची शुक्ला, विजयलक्ष्मी मिश्रा, जी.पी. त्रिपाठी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान चित्रगुप्त प्रकटोत्सव पर शहर में आज निकाली जाएगी विशाल शोभायात्रा

जागरण, रीवा। भगवान चित्रगुप्त प्रकटोत्सव के पावन अवसर पर कायस्थ समाज रीवा द्वारा चित्रांश परिवार समिति के बैनर तले 23 अप्रैल को भव्य शोभायात्रा, संगीत संध्या एवं सामाजिक सहभोज का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कायस्थ समाज रीवा के अध्यक्ष सुशील खरे ने बताया कि सायं 4.00 से 5.00 बजे के मध्य सभी समाजबंधु कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में एकत्रित होकर शोभायात्रा की तैयारी की जाकर सभी को वाहनों द्वारा शोभायात्रा के प्रारंभ स्थल कोठी कंपाउंड पहुंचाया जाएगा। शोभायात्रा सायं 5.30 बजे कोठी शिव मंदिर से प्रारंभ होकर घोड़ा चौराहा, प्रकाश चौराहा, शिल्पी प्लाजा, मानस भवन, कॉलेज चौराहा होते हुए सायं 7.00 बजे पुनः कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम पहुंचेगी, जहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। श्री खरे ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद जनार्दन मिश्रा करेंगे। इसके अतिरिक्त सीधी, सिंगरौली, सतना एवं मऊगंज के जिला अध्यक्षगण तथा प्रयागराज से पधारे अनूप श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। चित्रांश परिवार समिति की सचिव कल्पना श्रीवास्तव ने समाज के सभी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने सभी से निर्धारित समय पर कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम पहुंचने की अपील की है।

तैयारी पूरी, जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव आज

पुराने न्यायालय परिसर में 10 बूथों में होगी वोटिंग

मतदान के लिए अधिवक्ताओं को आईडी कार्ड दिखाना अनिवार्य

जागरण, रीवा। जिला अधिवक्ता संघ रीवा के वर्ष 2026 के चुनाव को लेकर इंतजार की घड़ियां समाप्त हो गई हैं। पुराने न्यायालय परिसर में जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव आज 23 अप्रैल को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपन्न कराये जाएंगे। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों के लिए कुल 74 प्रत्याशियों के लिए मतदान कराया जाएगा। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद हेतु 12 प्रत्याशी, उपाध्यक्ष पद हेतु 08 प्रत्याशी, सचिव पद हेतु 10 प्रत्याशी, सह सचिव पद हेतु प्रत्याशी, कोषाध्यक्ष पद हेतु 04 प्रत्याशी, ग्रन्थपाल पद हेतु 09 प्रत्याशी तथा कार्यकारिणी सदस्य हेतु 19 प्रत्याशियों के भागय का फैसला किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी सूर्यनाथ पाण्डेय ने बताया कि मतदान की व्यवस्था और नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके लिए कुल 10 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुराने न्यायालय परिसर के अंदर बनाये गये मतदान केन्द्रों के सामने मतदाता सूची चस्पा रहेगी। प्रत्येक अधिवक्ता मतदाता को यूनिफॉर्म में रहना होगा और मतदान के लिए मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद द्वारा जारी परिचय पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। ऐसे अधिवक्ता जिन्होंने एआईबीई की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और उनका राज्य अधिवक्ता परिषद द्वारा जारी परिचय पत्र अभी प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन मतदाता सूची में उनका नाम है, ऐसे अधिवक्ता उत्तीर्ण अंकसूची आवश्यक रूप से अपने साथ लाएं और उसे मतदान अधिकारियों को दिखाने के बाद ही मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सूर्यनाथ पाण्डेय ने बताया कि अभ्यर्थी या उनके समर्थक पोलिंग बूथ के 50 फीट के अंदर किसी तरह की प्रचार सामग्री का उपयोग नहीं करेंगे। अधिवक्ताओं के वाहन की पार्किंग हेतु उपभोक्ता फोरम के परिसर में व्यवस्था की गई है। इस चुनाव में मुख्य निर्वाचन अधिकारी सूर्यनाथ पाण्डेय के अलावा निर्वाचन अधिकारियों में आबिद खान, राजेन्द्र सिंह, रेवा शंकर अवस्थी, मार्कण्डेय सिंह, अनिल श्रीवास्तव, कमलेन्द्र पाण्डेय, शब्देन्द्र सिंह और रघुवंश प्रताप सिंह शामिल हैं।

हिन्दू धर्म परिषद और मानस मंडल चित्रगुप्त शोभायात्रा का करेगा स्वागत

रीवा। भगवान श्री त्रिचगुप्त के प्राकट्योत्सव के अवसर पर 23 मार्च को निकाली जा रही शोभायात्रा नगर भ्रमण करेगी। कायस्थ महासभा द्वारा निकाली गई यात्रा का हिन्दू धर्म परिषद और मानस मंडल संयुक्त रूप से मिलकर मानस भवन के सामने सायं 06:00 बजे स्वागत करेगा। यात्रा में शामिल लोगों को रामनामी पट्टा पहनाकर स्वल्पाहार कराया जायेगा। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी के मार्गदर्शन में होने वाले इस गरिमामय कार्यक्रम को परिषद के अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा और मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पाण्डेय के नेतृत्व में कराये जाने की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा चुका है। मानस मण्डल के पियूष त्रिवेदी, डॉ संतोष अवधिया, शिवशंकर मिश्रा, अशोक तिवारी के साथ हिन्दू धर्म परिषद के संयोजक सुमित माँजवानी, सह संयोजक उमेश कुशवाहा, महिला अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह, मार्गदर्शक डॉ सीबी शुक्ला, डॉ केकेपरौहा, डीपी सिंह परिहार, विजय मोहन तिवारी, संरक्षक संजय तिवारी मुन्नू, अवधेश श्रीवास्तव आदि ने सभी सदस्यों के साथ नगर वासियों को शोभायात्रा एवं कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

स्वच्छता सर्वेक्षण: नवागत निगमायुक्त का निर्देश जमीन पर स्पष्ट दिखे सफाई व्यवस्था

निगम की 7 स्टार रेटिंग तथा वाटर प्लस निकाय की स्थिति का लिया जायजा

जागरण, रीवा। नवागत निगमायुक्त अक्षत जैन ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को लेकर बुधवार को निगम सभागार में समीक्षा बैठक ली। बैठक में सर्वेक्षण के विभिन्न बिंदुओं, वर्तमान तैयारियों एवं सामने आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। निगमायुक्त श्री जैन ने अधिकारियों से अब तक की प्रगति की जानकारी लेते हुए निगम की 7 स्टार रेटिंग तथा वाटर प्लस निकाय की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ट्रीटेड वाटर के उपयोग को बढ़ाने और स्काडा रिपोर्ट को दुरुस्त एवं अद्यतन रखने के निर्देश देते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। बैठक में गार्बेज फ्री सिटी (जीएफसी) के 21 घटकों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संबंधित कमियों को चिन्हित करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि सभी बिंदुओं पर सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा एक सप्ताह के भीतर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। निगमायुक्त श्री जैन ने कहा कि सफाई व्यवस्था का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण करने और व्यवस्थाओं की निगरानी करने के निर्देश दिए। साथ ही सफाई कार्यों में आवश्यक सख्ती बरतने को कहा गया। उन्होंने वर्तमान सर्वेक्षण के चरण को ध्यान में रखते हुए डॉक्युमेंट्स अपलोड की प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त शहर में क्षतिग्रस्त डस्टबिन को शीघ्र बदलने तथा सिटी ब्यूटीफिकेशन के कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक के उपरांत आयुक्त श्री जैन ने अर्बन चौलेंज फंड (यूसीएफ) से संबंधित बैठक भी ली।

संकट: शादियों के लिए नहीं मिल रहे सिलेंडर, अफसरों को शासन के आदेश का इंतजार

ठेका ले चुके कैटर्स 2 हजार रुपए तक ब्लैक में खरीद रहे सिलेंडर

जागरण,रीवा। शहनाइयों की गूंज शुरू हो चुकी है। मेहमानों की मेजबानी के लिए तैयार परिवार गैस सिलेंडर के लिए परेशान हो रहे हैं। कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत बनी हुई है। अफसर स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाएं बनाने की जगह शासन के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। पकवान परोसने का ठेका ले चुके कैटर्स 2-2 हजार रुपए में ब्लैक में गैस सिलेंडर खरीदने मजबूर हैं। गौरतलब है कि जिले में शादियों का सीजन शुरु हो चुका है। घरेलू गैस सिलेंडर की डिमांड के एवज में 70 फीसदी ही सप्लाई हो रही है। वहीं कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई महज 30 प्रतिशत है। ऐसे में घरों के चूल्हों से लेकर शादियों के पकवानों तक संकट बना हुआ है। शादियों वाले घरों में गैस सिलेंडर की किल्लत से परिवार परेशान हैं। जिला प्रशासन व आपूर्ति विभाग ऐसे परिवारों व समारोह के लिए कोई व्यवस्था नहीं बना पाया है। खाना खिलाने का आर्डर ले चुके कैटर्स संचालक ब्लैक में सिलेंडर खरीद रहे हैं।

साख दांव पर लगी, क्या मेहमान भूखे जाएंगे

शादी वाले घरों में मेहमानों का जुटना शुरु हो चुका है। रोजाना के पकवान बनाने के लिए बड़ी मुश्किल से गैस सिलेंडर की व्यवस्था हो रही है। मुख्य समारोह में पकवान तैयार कराने के लिए सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। कैटर्स भी बुक कर चुके आर्डर्स के लिए सिलेंडर के जुटाने भटक रहे हैं। हालात यह हैं कि सिलेंडर की व्यवस्थाएं नहीं हुई तो मेहमानों को भूखा भेजकर खुशियों में ग्रहण लग सकता है।

डीजल भट्टी से बिगड़ रहा स्वाद

कैटर्स संचालक का कहना है कि कोयला भट्टी में सभी पकवान तैयार करना मुश्किल है। गैस भट्टी की जगह डीजल भट्टी का विकल्प तो है लेकिन डीजल भट्टी से खाने का स्वाद बिगड़ रहा है। पकवानों में डीजल की गंध से पकवान खराब हो रहे हैं।

इन वजह से बिगड़ रहे हालात

- पैनिक बुकिंग कम हुई लेकिन समय पर डिलीवरी नहीं होने से उपभोक्ता परेशान हैं।
- ब्लैक में सिलेंडर बिक रहा, लेकिन आम उपभोक्ता को समय पर नहीं मिल पा रहा। ऐसी चर्चाएं हैं।
- गैस एजेंसी संचालक होम डिलीवरी का पैसा वसूल रहे लेकिन उपभोक्ताओं को सेवा नहीं दे रहे।
- शादी समारोह व अन्य आयोजन के लिए गैस सिलेंडर देने की कोई व्यवस्था नहीं है।
- कर्मचारी व एजेंसी संचालकों ने फोन उठाना भी बंद कर दिया है, जिससे आक्रोश पनप रहा है।

डॉ. नीरज कुमार दुबे
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ENT)
कान-नाक एवं गला रोग विशेषज्ञ
माइक्रोस्कोपिक एवं एंडोस्कोपिक ई.एन.टी. सर्जन
परामर्श स्थल:
अंशिका मेडिकल्स
सभी प्रकार की दवाइयों के विक्रेता 7089196877
पता:- न्यू बस स्टैण्ड के आगे, फूलमती मन्दिर के पहले, पीटीएस रोड, रीवा (म.प्र.)
कान-नाक एवं गले से संबंधित निम्न बीमारियों के समुचित उपचार के लिए संपर्क करें
कान के पर्दे में छिद्र एवं कान की हड्डी में गलन एवं कान से मवाद आना (CSOM)
कान में सीटी बजना या सनसनाहट (Tinitus) कम सुनाई देना एवं चक्कर आना (Vertigo)
पुरानी सर्दी जुकाम, साइनस की बीमारी (SINUSITIS) ज्यादा, बार-बार छींके आना एवं allergy से नाक बहना। (Allergic Rhinitis)
नाक की हड्डी का टेढ़ापन (DNS), नाक के अंदर गदान, Polyp Mass etc)
बच्चों में बार-बार गले का इंफेक्शन एवं मुंह खोलकर सांस लेना, खर्राटें लेना (Tonsillitis, Adenoid Hypertrophy)
कान-नाक एवं गले से संबंधित अन्य कोई बीमारी या गठान की दूरबीन द्वारा जांचे एवं उपचार
माइक्रोस्कोप एवं एंडोस्कोप (दूरबीन) द्वारा कान,नाक एवं गले से संबंधित ऑपरेशन, (Tympanoplasty, FESS, Septoplasty, Tonsillectomy etc)

SAVVY MOTHER INTERNATIONAL SCHOOL
www.savvyrewa.com
Nursery To 12th
ADMISSION OPEN 2026-27
Data science | Innovation lab
Brainywood | Innovation lab
9329517009, 9630520901
In Front Of Chamadiya Petrol Pump Azad Nagar Urrahat Rewa M.P.

आयुष्मान में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन
हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी
जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी
जबड़े का फ्रैक्चर
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604, 7566831551

मानस भवन के बगल में स्थित डंपिंग यार्ड में ही फूंक दिया गया कचरा

पूर्व निगम आयुक्त ने दिया था 10 मार्च तक इसे शहर से बाहर स्थापित करने के निर्देश

जागरण, रीवा

नगर निगम क्षेत्र से कचरा संग्रह कर उसे वेस्ट टू एनर्जी प्लांट पहड़िया तक पहुंचाने के बजाय उसे डंपिंग यार्ड में ही जलाया जाकर समाप्त किया जा रहा है और नगर निगम से इसके लिए पूरे पैसे वसूले जा रहे हैं। मानस भवन के बगल में स्थित डंपिंग यार्ड में एक बार फिर से कचरा वहीं पर जला दिया गया और इसे दुर्घटना का नाम दे दिया गया। तात्कालीन निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे द्वारा लोगों की मांग पर पिछले माह इसे शहर के बाहर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया था लेकिन उनके आदेश का पालन नहीं किया गया। घर-घर कचरा संग्रह कर उसे मानस भवन के बगल में स्थित डंपिंग यार्ड में एकत्र किया जाता है ताकि उसे पहड़िया प्लांट पहुंच कर उसे बिजली का निर्माण किया जा सके लेकिन रैमकी कंपनी उसे डंपिंग यार्ड में ही फूंके दे रही है और पहड़िया में उत्तर प्रदेश और बिहार से नियम विरुद्ध कचरा लाकर बिजली का निर्माण किया जा रहा है। यह अंधेर लंबे समय से चल रही है। नगर निगम आयुक्त सहित जिले के तमाम प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कंपनी को इसके लिए समय-समय पर फटकार लगाई गई, सख्त निर्देश दिए गए कि बाहर से कचरा नहीं लाया जाए लेकिन उक्त कंपनी ने आज तक किसी ही प्रशासनिक अधिकारी के निर्देश का पालन नहीं किया। इस मामले में वह अपने मनमर्जी चल रही है।

नगर निगम के सहयोग से पहड़िया में वेस्ट तू एनर्जी प्लांट की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि रीवा नगर निगम सहित संभाग के 28 निकायों का कचरा संग्रह कर उससे बिजली का निर्माण किया जा सके लेकिन उक्त कंपनी यहां से जो भी कचरा पहड़िया पहुंचाया जाता है वह वहीं पर डंप कर दिया जाता है। इस मामले में तत्कालीन निगम आयुक्त द्वारा पहड़िया प्लांट का कई बार निरीक्षण किया गया और वहां पर डंप कचरा का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए लेकिन उनके निर्देशन का पालन नहीं किया गया। इसके अलावा पहड़िया प्लांट परिसर में शर्तों के मुताबिक ना तो वृक्षारोपण किया गया है और ना ही कचरे का लीचेड रोकने के लिए तालाब का निर्माण ही किया गया है। कंपनी की इस लापरवाही का दुष्परिणाम आसपास के दर्जनों गांवों को भुगतना पड़ रहा है। कंपनी द्वारा डंपिंग यार्ड में आए दिन कचरा चलाया जाता है और बाद में इसे दुर्घटना का रूप दे दिया जाता है। डंपिंग यार्ड के अलावा लाड़ली लक्ष्मी पथ पर बीहर नदी किनारे भी लगातार कचरा जलाया जा रहा है। इसी लापरवाही के चलते पिछले साल बगल में स्थित सैनिक स्कूल के जंगल में भी आग लग चुकी है, लेकिन कंपनी को इसकी कतई परवाह नहीं है।

रीवा को कई राज्यों के कचरे का हब बनाने पर तुली रैमकी कंपनी

जिला प्रशासन के आदेशों के बाद भी अनुबंध के विपरीत अन्य प्रदेशों से लगातार अवैध रूप से कचरा लाने को लेकर पहड़िया स्थित रैमकी कंपनी द्वारा संचालित रीवा एमएसडब्ल्यू कचरा प्लांट सवालों के घेरे में है। रैमकी कंपनी रीवा को कई राज्यों के कचरे का हब बनाने पर तुली हुई है। स्थानीय ग्रामीणों के लगातार विरोध, प्रशासनिक रोक, जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बावजूद बनारस व प्रयागराज सहित कई राज्यों से अवैध कचरा (आरडीएफ) आने का सिलसिला नहीं रुक रहा है। शासन, प्रशासन, कलेक्टर से लेकर कमिश्नर और महापौर तक सभी ने बाहरी कचरे पर रोक के आदेश जारी किए, लेकिन इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। प्रतिदिन बिना नंबर की दर्जनों गाड़ियां आरडीएफ बाहर से आ रहा है। गांव वालों का आरोप है कि रोक के आदेश सिर्फ कागज़ों में सीमित हैं, जबकि यूपी से रोज़ाना बिना नंबर प्लेट और बिना वैध दस्तावेजों के ट्रकों में कचरा लाया जा रहा है।

लोडिंग चार्ज के नाम पर वाहन चालकों से वसूली, नगर निगम का बता रहे ठेका

ऑटो सहित अन्य वाहन चालकों से शहर के प्रवेश मार्गों पर काटी जा रही रसीद

जागरण, रीवा। लोडिंग चार्ज के नाम पर शहर में प्रवेश करने वाले ऑटो, रिक्शा, जीप, लोडिंग वाहन, ट्रैक्टर, छोटा हाथी, ओवरलोड वाहन चालकों से वसूली की जा रही है। वसूली करने वाले इसे नगर निगम की वसूली बता रहे हैं, जिन्होंने ठेकेदार का नाम सुरेश द्विवेदी बताया। शहर के चोरहटा, रतहरा, बड़ी पुल, गुढ़ चौराहा, ढेकहा बीड़ा मोड़, सिरमौर चौराहा सहित अन्य क्षेत्रों में ठेकेदार के कर्मचारी वाहन चालकों से वसूली कर रहे हैं। वसूली करने वाले वाहन चालकों को जो रसीद दे रहे हैं, उनमें पूर्व में ऑटो, रिक्शा चालकों जो रसीद दी जाती थी उसमें 5 रुपए शुल्क अंकित था, किन्तु 5 रुपए के स्थान पर उनसे 10 रुपए वसूले जा रहे थे। दैनिक जागरण ने जब इस धांधली को उजागर किया तो नई रसीद छप गई, जिसमें से शुल्क का कॉलम नदारद कर दिया गया। अब ऑटो, रिक्शा चालकों से 20 रुपए वसूले जा रहे हैं। वसूली कर्मचारी से जब अन्य वाहनों से कितनी वसूली की जाती है। पूछा गया तो उसने बताया कि वाहन का लोड देखकर पचास, सौ, दो सौ, चार सौ, जबकि उस कर्मचारी के साथ उपस्थित दूसरा कर्मचारी बोला कि नहीं इतनी राशि नहीं वसूलते हैं। लोडिंग चार्ज के नाम पर ठगे जा रहे वाहन चालकों से इस संबंध में बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि सवारी बैठी रहती है, कहीं माल पहुंचाना है, ऐसे में इनसे बहस कौन करे, जो राशि मांगते हैं दे देते हैं, ये तो निगम सहित सरकारी विभागों को देखना चाहिए कि वाहन चालकों से निगम द्वारा काहे का शुल्क वसूला जा रहा है, इन्हें भी राशि देना पड़ रही है और पार्किंग में जाते हैं वहां पर भी उनसे राशि वसूली जाती है। अन्य जिलों में इस प्रकार की कोई वसूली देखने को नहीं मिली, सिर्फ यहीं पर लोडिंग चार्ज वसूला जा रहा है।

जिले में 7 दिन में मात्र 1710 लोगों ने की स्वगणना, इनमें 597 ने प्रक्रिया अधूरी छोड़ी

● पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन सुविधा, घर बैठे दे सकते हैं पूरी जानकारी और यह जरूरी भी

जागरण, रीवा। जनगणना पोर्टल पर स्वगणना की जो ऑनलाइन सुविधा मुहैया कराई गई है, उसका 7 दिन में 1710 लोगों ने उपयोग किया है। इनमें 1113 लोगों ने स्वगणना पूरी कर ली है जबकि 597 लोगों ने प्रक्रिया पूरी नहीं की है। स्वगणना के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करते हुए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने इसमें सहभागिता की अपील की है। उन्होंने प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बताते हुए डिजिटल पोर्टल पर स्वगणना के माध्यम से अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने का आग्रह किया है। नागरिक अपने मोबाइल या कंप्यूटर से जनगणना पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी स्वयं भर सकते हैं। यह समय की बचत करता है और डेटा की सटीकता सुनिश्चित करता है, जो देश के विकास की योजनाएं बनाने में सहायक होगा। स्वगणना प्रक्रिया 30 अप्रैल तक की जा सकती है। 7 दिन में जो आंकड़े सामने आए हैं वह हैरान करने वाले हैं, एक सप्ताह में इतने कम फार्म भरे जाना कई सवाल खड़े कर रहा है, इससे अधिक तो जिले में शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों की संख्या है।

निगमायुक्त ने की अपील

बता दें कि नवागत निगमायुक्त अक्षत जैन ने बुधवार को प्रभार संभालते ही जनगणना को लेकर आमजन से अपील की है, उन्होंने कहा कि आमजन अपने भवनों की जानकारी के साथ-साथ समस्त जानकारी ऑनलाइन भरकर स्वगणना को पूरा करें। इसके साथ ही उन्होंने निगम के सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वह अपने विभाग के सभी कर्मचारियों को स्वगणना हेतु प्रोत्साहित करें व इनके फार्म भरवाएं। उन्होंने अपील की है कि सभी इस सेवा का उपयोग कर स्वगणना करें।

आसान 10 स्टेप में घर बैठे करें स्वगणना

1. **पोर्टल लॉगिन:** सबसे पहले वेबसाइट पर जाएं। यहां अपने राज्य मप्र का चयन करें और कैप्चर कोड भरकर लॉगइन करें।
2. **परिवार पंजीकरण:** परिवार के मुखिया का नाम और 10 अंकों का मोबाइल नंबर दर्ज करें। यहां ई-मेल आईडी वैकल्पिक है।
3. **भाषा चयन व ओटीपी:** भाषा चुनें और पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें। चयनित भाषा को बाद में बदला नहीं जा सकता है।
4. **स्थान का विवरण:** अपने जिले, तहसील, गांव, नगर और वार्ड व मोहल्ला जैसी भौगोलिक जानकारी दर्ज करें।
5. **मानचित्र पर निवास स्थान:** पोर्टल पर दिए गए मानचित्र पर लाल मार्क पॉइंटर को ड्रग करके अपने घर के सटीक स्थान को चिह्नित कर पुष्टि करें।
6. **प्रश्न पूर्ण करना:** मकान सूचीकरण और मकान गणना से संबंधित सभी प्रश्नों के उत्तर सावधानी पूर्वक भरें।
7. **समीक्षा:** फॉर्म सबमिट करने से पहले दर्ज की गई सभी जानकारी की जांच लें। यदि कोई सुधार आवश्यक हो, तो उसे इसी चरण मैं कर लें।
8. **अंतिम प्रस्तुतिकरण:** सबमिट करें बटन पर क्लिक करके अपने डेटा को अंतिम प्रस्तुतिकरण करें। सबमिट करने के बाद डेटा में किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं होगा।
9. **पहचान संख्या:** सफल सबमिशन के बाद 11 अंकों की एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या जनरेट होगी, यह आइडी मोबाइल पर एसएमएस से भेजी जाएगी।
10. **प्रगणक को दिखवाएं:** जब जनगणना प्रगणक आपके घर आएंगे, तो उन्हें अपनी 11 अंकों की स्व-गणना पहचान संख्या दिखवाएं।

दूषित पानी की सप्लाई नहीं रुकी तो रीवा में भी हो सकता है इंदौर जैसा हादसा

सहज कंपनी की लापरवाही से वार्ड 16 में बोरवेल से निकल रहा दूषित एवं मलयुक्त पानी

जागरण रीवा। शहर के वार्ड 16 में कई बोरवेल अचानक मलयुक्त पानी उगलने लगे हैं। यहां के लगभग दर्जन भर बोरवेल से मलयुक्त एवं बदबूदार पानी निकल रहा है। इससे लोग इतना डर गये है कि उन्हें 3 महीने पहले हुई इंदौर की घटना याद आने लगी है। जहां मलयुक्त पानी पीने से लगभग 3 दर्जन लोगों की असमय मौत हो गई थी। डर के मारे किरायेदारों से घर छोड़कर दूसरे मोहल्लों में चले गये हैं। शहर में लगातार प्रदूषण एवं मलयुक्त पानी की सप्लाई की शिकायतें लगातार मिल रही है। दूषित पानी की सप्लाई अगर नहीं रुकी तो रीवा में भी इंदौर जैसा हादसा कभी भी हो सकता है।

शहर में सीवर लाइन का काम सहज कंपनी कर रही है। लेकिन लापरवाही के कारण शहर के हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। नगर निगम के कई वार्डों में प्रदूषित पानी की सप्लाई लोगों के घरों तक पहुंच रही है। शहर में लगभग दर्जन भर ऐसे वार्ड हैं जहां लगातार लोगों को दूषित एवं मलयुक्त पानी मिल रहा है। वर्तमान में वार्ड 16 में रहने वाले लोग दूषित पानी की सप्लाई से परेशान है। शहर के घनी आबादी वाले मोहल्ले में बोरवेल से मलयुक्त पानी निकल रहा है। यह हालात सीवर लाइन को घरों से कनेक्ट करने के बाद पैदा हुए हैं। इसके चलते इस इलाके में रहने वाले लोग बेहद डरे हुए हैं, कई किराएदार घर को छोड़कर, दूसरी जगह रहने के लिए चले गए हैं। शहर के वार्ड 16 की हालत यह हो गई है कि दूषित पानी से परेशान होकर मोहल्ले में रहने वाले किराएदार यहां से अन्यत्र चले गए हैं। किराएदार तो दूसरे वार्ड में चले गए लेकिन मकान मालिकों की मजबूरी है वह अपना घर छोड़कर कहां जाएं। इस वार्ड की कई इमारतें किराएदारों के चले जाने के बाद सूनी हो गई हैं। शहर के वार्ड 16 के लोगों का कहना है कि पिछले 40 सालों से रहने वाले लोगों के घर में कभी भी बदबूदार पानी नहीं आया था, लेकिन अब ऐसा पानी आ रहा है। गौरतलब है कि इंदौर में लगभग 3 महीने पहले एक ऐसा हादसा हो चुका है। इंदौर के भागीरथ में मल युक्त पानी पीने की वजह से लगभग 3 दर्जन लोग अकाल मौत के मुंह में समा चुके हैं। वार्ड 16 के बोरिंग से एक नहीं, दो नहीं, लगभग आधा दर्जन से ज्यादा बोरिंग पंप में मलयुक्त पानी आ रहा है, जिसके चलते मोहल्लेवासी बेहद परेशान हैं। इस मोहल्ले में किराए से रहने वाले किराएदार मकान छोड़कर दूसरी जगह रहने के लिए चले गए हैं। चार से पांच मंजिला इमारतें जहां कल तक आबाद थीं, अब सन्नाटे में तब्दील हो गई हैं।

महापौर ने बंद कराया सीवर कनेक्शन का काम

महापौर अजय मिश्रा बाबा इस मामले को लेकर बेहद चिंतित और गुस्से में हैं। उनका कहना है कि गंदे पानी की वजह से किसी को नहीं मरने दूंगा, मैंने सरकार से 20 करोड़ रुपए गंदे पानी के ट्रीटमेंट के लिए मांगे थे, मुझे मिल गए हैं। सीवर लाइन का कनेक्शन बंद करा दिया है, और पानी का काम देखने वाली कई टीमों को सक्रिय किया गया है, नगर निगम की टीम और काम करने वाली कंपनी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है, एक तरफ से पूरे इलाके का निरीक्षण किया जा रहा है कि आखिर गड़बड़ी कहां पर है। महापौर अजय मिश्रा बाबा कहते हैं कि यह योजना कभी सफल नहीं हो सकती। रीवा में 182 करोड़ की लागत से सीवर लाइन का काम चल रहा है, जिसमें लगभग 90 प्रतिशत कम यानी लगभग 165 करोड़ से ज्यादा का काम पूरा हो चुका है।

रीवा संभाग ई-ऑफिस लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर

रीवा। प्रशासनिक नवाचार के तहत ई-ऑफिस व्यवस्था लागू की गई है। अब कार्यालयों के अंदर तथा अन्य कार्यालयों में फाइलों का संचालन ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। ई-ऑफिस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करके रीवा संभाग में संभागीय रैंकिंग में अक्टूबर माह से लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि रीवा संभाग में कुल 18628 फाइलें ई-ऑफिस में क्रिएट की गईं तथा 71989 फाइलों का मूवमेंट हुआ। प्रदेश में दूसरे स्थान पर नर्मदापुरम संभाग है, जिसमें 6073 फाइलों का क्रिएशन तथा 48750 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। तीसरे स्थान पर ग्वालियर संभाग है। इसमें 3112 फाइलों का क्रिएशन तथा 33766 फाइलों का मूवमेंट हुआ है।कमिश्नर ने बताया कि प्रदेश स्तर में संभाग और जिलों की सामूहिक रैंकिंग में सभी जिले और संभाग शामिल किए गए हैं। इनकी कुल संख्या 65 है। इस रैंकिंग में रीवा जिला 15वें स्थान पर है। रीवा जिले में 7348 फाइलें क्रिएट हुई हैं तथा 50951 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। रैंकिंग में सिंगरौली जिला 40वें, मऊगंज जिला 50वें, सतना जिला 47वें, सीधी जिला 42वें तथा मैहर जिला 51वें स्थान पर है। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को ई-ऑफिस प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने तथा सभी जिला कार्यालयों में इसे दृढ़ता से लागू कराने के निर्देश दिए हैं। ई-ऑफिस के माध्यम से कम श्रम और कम समय में फाइलों का मूवमेंट और निराकरण हो रहा है। यह सुशासन को मजबूत करने के लिए सराहनीय पहल है।

असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बने वीरेंद्र

रीवा। असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस रीवा ग्रामीण के अध्यक्ष पद पर मजदूर नेता वीरेन्द्र प्रताप सिंह की नियुक्ति की है। अपनी नियुक्ति पर श्री सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.उदित राज, कुंवर रणजीत सिंह सत्तावत, जिलाध्यक्ष इन्जी.राजेन्द्र शर्मा, महापौर अजय मिश्रा 'बाबा', संगठन मंत्री रवि तिवारी, शहर अध्यक्ष अशोक पटेल, शहर संगठन महासचिव सज्जन पटेल के प्रति आभार व्यक्त करते कहा है कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है उसका निष्ठा एवं ईमानदारी से पालन करते हुए जिले में संगठन को मजबूती प्रदान करने का प्रयास करूंगा। वीरेन्द्र प्रताप सिंह के जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर जी.पी.त्रिपाठी, रमेश सोनी, विद्याशंकर तिवारी, सत्यनारायण तिवारी, प्रदीप अवस्थी, हर्षलाल शुक्ला, रामराज तिवारी, छोटेलाल शर्मा, बृजकिशोर शुक्ला, पद्म भूषण द्विवेदी, जगदम्बा प्रसाद, मोहनलाल तिवारी, दिलेर खांन, रमाकांत मिश्रा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

दिन के साथ रात में भी गर्म हवा कर रही बेचैन

प्रदेश में पहली बार वॉर्म नाइट का अलर्ट, रीवा में भी आशंका

जागरण,रीवा। इस बार गर्मी का असर सिर्फ दिन तक सीमित नहीं है, बल्कि रातें भी तपने लगी हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश में पहली बार वॉर्म नाइट का अलर्ट जारी किया है। शहर में यह हालात देखने को मिल सकते हैं। अभी प्रदेश के 9 जिले में वॉर्म नाइट का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, जब रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री ज्यादा हो और दिन का तापमान 40 डिग्री या उससे ऊपर रहे, तो उसे वॉर्म नाइट कहा जाता है। अगर यह अंतर 6.4 डिग्री से ज्यादा हो जाए, तो स्थिति सीवियर वॉर्म नाइट बन जाती है। फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं बनी है।

दिन का पारा फिर 41 पार सड़कों पर पसरा सन्नाटा

गर्मी का असर दिन में साफ नजर आने लगा है। दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा पसर रहा है। शहर का अधिकतम तापमान बुधवार को को सामान्य से 2 डिग्री अधिक 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस रहा। गत 24 घंटे में तापमान में कोई खास वृद्धि तो नहीं हुई लेकिन गर्मी से लोग अब परेशान होने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार 23 अप्रैल से फिर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है लेकिन बारिश की संभावना कम है।

हेल्थ एडवायजरी जारी, लू से करें बचाव

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए लू से बचाव के लिए एडवॉयजरी जारी की है। सिरदर्द, बुखार,उल्टी, अत्यधिक पसीना, बेहोशी, कमजोरी, शरीर में ऐंठन तथा नाड़ी का असामान्य होना आदि लक्षण लू के संकेत हैं। लक्षण दिखाई देने पर प्रभावित व्यक्ति को तुरंत छायादार स्थान पर लिटाएं, कपड़े ढीले करें तथा ठंडे पेय पदार्थ जैसे कच्चे आम का पना आदि पिलाएं। शरीर का तापमान कम करने के लिए ठंडे पानी की पट्टियां रखें तथा तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकीय परामर्श लें।

सिर्फ बैठक और प्लान तक कार्रवाई, सड़क जाम कर रहीं बारातें

होटल, लॉन और बारात घर संचालकों की मनमानी पर रोक नहीं, आवाजाही में बन रही समस्या

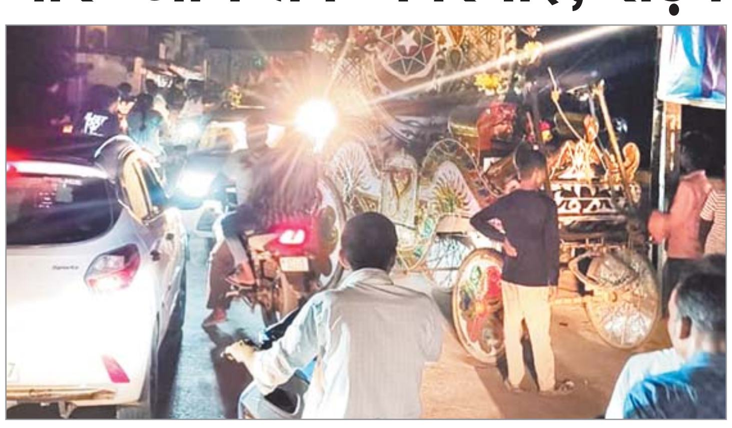

जागरण,रीवा। शहर में संचालित बारात घर, होटल और लॉन की पार्किंग और बारात मुसीबत बनी हुई है। यहां शहरी क्षेत्र में आने वाली बारातें मुख्य सड़कों पर ही धमाल कर रही है। डीजे और बैंड-बाजे के साथ थिरकते बाराती अपने जश्न में दूसरे के लिए तकलीफ बन रहे हैं। बारात से सड़क पर लगने वाले जाम से आम जनता परेशान है लेकिन प्रशासन सिर्फ बैठकों तक सिमटा है। बारात घर संचालकों पर सख्ती नहीं होने के कारण मनमानी से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक शादी-विवाह के सीजन में बारात घर मैरिज गार्डन की बुकिंग फुल है। शहर के प्रयागराज मार्ग, पड़रा-ढेकहा मार्ग, गुढ़ चौराहा मार्ग, पीटीएस मार्ग सहित अन्य मुख्य मार्गो में संचालित बारात घर लॉन और मैरिज गार्डन में द्वारचार के पहले बारात सड़क पर जश्न मना रही हैं। दूल्हा के साथ बैंड-बाज, डीजे के धुन पर बाराती सड़क में नाच रहे हैं। इस दौरान वह आमजनता की तकलीफों को भूलकर सड़क पर जाम लगा रहे हैं। स्थिति यह है कि सभी मार्ग में बारात लगने के लिए घंटों जाम लगता है। इन मार्गो में अस्पताल आने वाले लोगों को भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिससे शहर की जनता परेशान हो चुकी है।

बैठक और चेतावनी तक सिमटी कार्रवाई

देव उठनी एकादशी के बाद सड़क पर बारातों से लगने वाले जाम के नगर निगम अधिकारियों व बाद यातायात पुलिस के अधिकारियों ने बैठक करके बारात घर संचालकों को पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त करने और सड़क पर जाम नहीं लगाने की हिदायत दी थी और नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद खरमास में शादियों पर ब्रेक लग गया। जब दोबारा मुहुर्त आए तो फिर वहीं स्थिति बन रही है। डीजे पर रोक लगाने के लिए भी दिशा निर्देश दिए गए लेकिन इसका पालन नहीं हो पा रहा है। प्रशासन की बैठकें और समझाइश से कार्रवाई बारात घर संचालकों को मनमानी करने की खुली छूट मिल रही है। जिससे समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। नगर निगम भी अवैध बारात घरों पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं कर पा रहा है, इससे नगर निगम को राजस्व का भी नुकसान हो रहा है।

नियमों को दरकिनार कर रहे बारात घर संचालक

बारात घर संचालकों के लिए गाइडलाइन जारी की गई है लेकिन यहां जिला मुख्यालय में बारात घर संचालक नियमों को दरकिनार कर रहे हैं। यहां बारात घरों में रात्रि 10 बजे के बाद भी डीजे से शोर किया जा रहा है। जबकि आसपास रहवासी इलाका है। फायर सेफ्टी के इंतजाम नहीं है और ना ही एनओसी है। आपात कालीन स्थिति में निकासी के लिए एक ही द्वार है। इसके अलावा पार्किंग के लिए 25 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित नहीं है। शहर की मुख्य सड़क में पार्किंग कराई जा रही है। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार रोजाना लग रही है। सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए है, वहीं कचरा निस्तारण और सफाई के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं है। यहां इस सभी जांचे नहीं की जा रही है।

यह नजारा रहता है सड़कों का

- बारात पूरी सड़क को घेरकर चलती है, जिसके कारण आम आदमी को घंटों जाम से गुजरना पड़ता है।
- मैरिज लॉन के बाहर सड़कों तक वाहनों की कतार आवागमन को अवरुद्ध करती है।
- इमर्जेंसी सेवाओं के साथ लोगों की परेशानियों को भी आयोजक नजर अंदाज करते हैं।
- सड़कों पर लापरवाही से चलने, नाचने के कारण हादसों का खतरा बना रहता है।

इन गाइडलाइन का पालन जरूरी

● सड़क पर बारात निकालते समय यातायात अवरुद्ध नहीं किया जाएगा। ● मैरिज लॉन के गेट पर कोई भी रस्मे नहीं निभाई जाएगी। ● लॉन संचालक पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। ● लॉन संचालक व संबंधित परिवार अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। ● हाईवे या मुख्य मार्ग पर बारात निकलने के दौरान सड़क घेरकर बारात नहीं गुजरेगी।

पेट्रोल-डीजल तो नहीं, बढ़ गए सामग्रियों के दाम

थोक व्यापारियों की मनमानी, छोटे दुकानदारों को नहीं कोई लाभ, जनता की जेब पर डाका

जागरण, रीवा। विगत एक अप्रैल को निजी कंपनी शैल इण्डिया व नायरा एनर्जी ने डीजल के दाम में 25 रुपए व पेट्रोल के दामों में 7 रुपए व उससे कुछ अधिक की वृद्धि की है, जबकि सरकारी तेल कंपनियों के दाम इनकी अपेक्षाकृत स्थिर रहे हैं, निजी तेल कंपनियों द्वारा दामों में की गई वृद्धि की आड़ में अन्य सामग्रियों के दाम बढ़ गए हैं, दाम किसके आदेश पर बढ़ाए गए ये कई व्यापारियों को भी ठीक से नहीं पता। डीजल- पेट्रोल के दामों में निजी कंपनियों द्वारा 1 अप्रैल से दाम बढ़ने की सूचना मिलते ही अगले दिन से किराना, कपड़े, रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं सहित अन्य सामग्रियों के दामों में बढ़ोत्री हो गई, बाजार में सामग्री की उपलब्धता भी एकाध दिन बाद ही कम भी हो गई। किराना व्यापारियों से इस संबंध में चर्चा की गई तो व्यापारियों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि दाम तो बढ़े हैं, किसके आदेश से बढ़ाए गए ये नहीं बता सकते, थोक व्यापारी बता सकते हैं। दाल, चावल, तेल, मसाला सहित अन्य सामग्री के दामों में कुछ न कुछ बढ़त की गई है, छोटे दुकानदारों की मानें तो ऐसे समय में थोक व्यापारियों ने सामग्री का स्टॉक जमा कर लिया और बाजार में सप्लाई रोक दी, छोटे दुकानदारों और ग्राहकों को माल आगे से नहीं आ रहा कहकर बाद में स्टॉक की गई पुरानी सामग्री अधिक दामों में बेच दी, ये आज से नहीं हमेशा से हो रहा है। यही स्थिति कपड़ा व्यापारी सहित अन्य व्यापारियों ने भी बताई, लेकिन किस सामग्री में कितने दाम बढ़े हैं ये नहीं बता रहे। व्यापारी भी बढ़े हुए दामों को अलग-अलग बता रहे हैं।

चुनाव के बाद शासकीय तेल कंपनियों के दामों में वृद्धि का अनुमान

शासकीय तेल कंपनी के डीलरों का अनुमान है कि चुनाव के पश्चात पेट्रोल, डीजल के दामों में वृद्धि हो सकती है, फिलहाल दाम बढ़ने के कोई असार नहीं है। निजी कंपनी की आड़ में थोक दुकानदार छोटे दुकानदारों के साथ ही जनता को भी लूट रहे हैं, जिन पर संबंधित विभागों ने तो दाम बढ़ाए जाने का कारण पता किया, न ही मनमानी वृद्धि करने वाले थोक दुकानदारों पर किसी प्रकार की कार्यवाही की। जनता बढ़े दामों में सामग्री खरीदने को मजबूर है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

इंसानियत की खातिर अब युद्ध से तौबा जरूरी

यदि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भीतर कोई 'इंसान' मौजूद है, तो उसे उत्प्रेरक की भूमिका अदा करनी चाहिए और ट्रंप के मानस में इंसानियत के प्रति सोचने का एहसास पैदा करना चाहिए। ईरान युद्ध अब बिल्कुल खत्म होना चाहिए। बहुत विनाश और विध्वंस हो चुका है। बेशक ईरान सार्वजनिक तौर पर कबूल न करे, लेकिन वह कब्रिस्तान-सा हो चुका है। घोर आर्थिक संकट की स्थिति है। दूसरी तरफ अमरीकी कांग्रेस (संसद) का एक मजबूत पक्ष और अमरीका की बहुतायत जनता राष्ट्रपति ट्रंप पर युद्ध खत्म करने का चौतरफा दबाव डाल रहे हैं। ईरान का परिष्कृत यूरेनियम कब्जाने की नाकामी के कारण दुनिया को 'फिरौती' के लिए विवश नहीं किया जा सकता।

गौरतलब यह है कि बीते साल वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 3.4 फीसदी थी। ट्रंप के टैरिफवाद के बावजूद यह बढ़ोतरी साधारण थी। जनवरी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आकलन दिया था कि 2026 में भी कमोबेश विकास-दर 3.4 फीसदी ही रहेगी। अब उसने अपना आकलन संशोधित कर कहा है कि अर्थव्यवस्था घट कर 3.1 फीसदी हो सकती है, लेकिन आईएमएफ के ही मुख्य अर्थशास्त्री का आकलन 2.5 फीसदी तक लुढ़कने का है। आखिर यह गिरावट क्यों है? क्योंकि ईरान युद्ध बुनियादी तौर पर अब भी जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग की तालाबंदी, नाकाबंदी की गई है। नतीजतन सैकड़ों देशों के तेल-गैस, खाद, अन्य उपयोगी सामानों की आवाजाही ठप है। होर्मुज बंद होने के कारण और तेल-गैस ठिकानों के, ईरानी हमलों में, क्षतिग्रस्त होने के कारण खाड़ी देशों ने उत्पादन ही कम कर दिया है। एक अनुमान है कि 50 करोड़ बैरल तेल का उत्पादन कम किया गया है, जिसकी कीमत 50 अरब डॉलर बताई जा रही है। कोई भी देश एलएनजी होर्मुज के पार नहीं भेज पा रहा है, नतीजतन उर्वरक, अल्युमीनियम, हीलियम, सल्फर आदि की घोर कमी सामने आई है। करीब 300 डॉलर प्रति टन महंगी हो गई है। तांबा और निकल (सफेद चांदी जैसी धातु) के उत्पादन भी प्रभावित हुए हैं। निकल का इस्तेमाल स्टेनलेस स्टील और सिक्के बनाने में होता है।

बहरहाल यदि जंग जारी रही, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर मात्र 2 फीसदी हो सकती है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप के भीतर दुनिया के प्रति चिंताएं और सरोकार हैं, तो उन्हें ईरान के साथ सार्थक, ईमानदाराना बातचीत करनी चाहिए। अपने प्रतिनिधिमंडल को ऐसे ही निर्देश देने चाहिए, जिससे समझौता हो सके। ट्रंप को बार-बार ईरान के सभी बिजली संयंत्र, पुल, रेल नेटवर्क को तबाह, बर्बाद करने के बयानों से बचना चाहिए। राष्ट्रपति स्तर का कोई भी व्यक्ति ऐसी भाषा नहीं बोलता। यह साम्राज्यवाद की भाषा है। ट्रंप को शेष दुनिया के विशेषज्ञ और नेतागण 'सनकी', 'मानसिक विक्षिप्त', 'बेवकूफ' मान रहे हैं, तो उसकी बुनियादी वजह यही है कि वह दुनिया को अपना 'गुलाम' बना लेना चाहते हैं। अमरीका और इजरायल ईरान के करीब 90,000 घर मिट्टी-मलबा कर चुके हैं। सैकड़ों अस्पताल और स्कूल जमींदोज कर दिए गए हैं। इजरायल का प्रधानमंत्री तो 'आदमहंता' है। न जाने विनाश और विध्वंस में उसे क्या सुकून मिलता है या कौनसी सुरक्षा निहित है! ईरान कुल 25 लाख करोड़ रुपए का नुकसान आंक रहा है, लिहाजा अमरीका समेत सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर आदि खाड़ी देशों से भी ईरान मुआवजा मांग रहा है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अनुसार युद्ध से करीब 25 लाख लोग गरीबी की चपेट में आ चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि 51 दिन के बाद अब भी युद्ध समाप्त कर दिया जाए, तो भी तेल-गैस के दाम 2030 से पहले सामान्य स्तर पर लौटना मुश्किल है। होर्मुज के सामान्य होने में ही तीन माह लगेंगे। वहां अब भी 128 टैंकर फंसे हैं, जिनमें 16 करोड़ बैरल तेल है। भारत के भी 13-14 जहाज, टैंकर होर्मुज में फंसे हैं। दो जहाजों पर तो गोलीबारी भी हो चुकी है। युद्ध से चौतरफा संकट पैदा हुए हैं। विश्व इतिहास का सबसे घोर ऊर्जा-संकट झेल रहा है। ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप चाहें, तो जंग खत्म हो सकता है।

प्रसंगवश

नागरिकों के लिए प्रभावी बीमा कवर जरूरी

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है।

देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वियन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा

कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं।

यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। वैसे चिकित्सा सेवा में मुनाफा बढ़ते देख निजी स्वास्थ्य सेवाओं का दबदबा भी बढ़ा है। हाल के वर्षों में सरकारी अस्पतालों की बदहाली के चलते ज्यादातर भारतीय निजी अस्पतालों की ओर ही रुख कर रहे हैं। लेकिन वहां सरकारी अस्पतालों से कई गुना अधिक उपचार लागत होती है। कोरोना संकट में हमने देखा कि महंगे उपचार के चलते तमाम लोग गरीबी के दलदल में चले गए। दरअसल, आज हालातवश सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं वाले अस्पतालों में भर्ती होने की हिस्सेदारी घटने के साथ ही मरीजों को अनिवार्य रूप से अधिक महंगे विकल्पों की ओर धकेला जा रहा है, जिससे बीमा सुरक्षा के लाभ कम हो रहे हैं।

आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख योजनाओं का त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन भी एक और बाधा बनी है। वहीं देर से मिलने वाली सरकारी चिकित्सा बीमा राशि भी मरीजों के लिए किफायती सेवाओं को बाधित कर रही है। यदि इन सरकारी योजनाओं में सूचीबद्ध अस्पताल मरीजों के उपचार से पीछे हट जाते हैं तो सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित बीमा की अवधारणा खतरे में पड़ जाती है, जिससे वंचित होने से नागरिकों का उपचार अधर में लटक जाएगा। निस्संदेह, बीमा कवरेज ही काफी नहीं है, देश को अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को भी मजबूत करना होगा। साथ ही सरकारी योजनाओं के तहत समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा। अन्यथा अस्पताल के बिल मजबूर लोगों की आय व बचत को पलीता लगाते रहेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

आपसी रिश्तों को एक नई दिशा दे सकती है ली जे म्युंग की यात्रा

'दूसरी लहर' का फायदा उठाने का समय

शिव सिद्धांत कौल

भारत के विशाल, कुशल मानव संसाधन और बड़े घरेलू बाजार को इस समय ऐसी वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओ से जुड़ने की आवश्यकता है जो किसी भी भू-राजनीतिक झटके का मजबूती से मुकाबला करने में सक्षम हों। हाल ही मे कोरिया गणराज्य के राष्ट्रपति ली जे म्युंग भारत पहुंचे। यह करीब आठ वर्षों के बाद किसी दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की पहली राजकीय यात्रा है। कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण यह यात्रा ऐसे समय में हुई, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अहम मोड़ से गुजर रही है। भारत और कोरिया, दोनों देशों के व्यावसायिक जगत को उम्मीद है कि यह यात्रा आपसी रिश्तों को एक नई दिशा देगी, जहां साझेदारी रणनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग के मजबूत स्तंभों पर आधारित होगी।

भारत और कोरिया के रिश्ते बेहद प्राचीन हैं। मान्यता है कि 48 ईस्वी में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना समुद्र पार कर कोरिया गईं और राजा सुरो से विवाह किया, जिससे 'गाया साम्राज्य' की स्थापना हुई। आधुनिक इतिहास में भी कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की '60वीं पैराशूट फील्ड एंबुलेंस' इकाई ने वहां तैनात होकर सैनिकों और आम नागरिकों को महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता प्रदान की थी। हालांकि, दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग की असली नींव 1990 के दशक में भारत के आर्थिक उदारीकरण के दौरान पड़ी। उस दौर में कोरियाई कंपनियों ने भारत में निवेश करने का साहसिक फैसला लिया। हुंडई मोटर, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी बड़ी कंपनियों ने न सिर्फ अपने उत्पाद भारत में बेचे, बल्कि यहां फैक्टरियां लगाकर रोजगार के अवसर भी पैदा किए। साथ ही, उपभोक्ताओं के बीच विश्वास का एक ऐसा पुल तैयार किया, जिसकी आज भी कोई बराबरी नहीं कर सकता। 2015 में इस रिश्ते को औपचारिक रूप से 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया गया। अब यह साझेदारी रक्षा, सुरक्षा और उन्नत तकनीक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैल चुकी है।

पिछले वित्त वर्ष में 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' (सीईपीए) के दम पर भारत और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुंच गया। दोनों देशों के रिश्तों की मजबूती का सबसे बड़ा संकेत यह है कि अब कोरियाई कंपनियां महज विदेशी कंपनियां नहीं रहीं, बल्कि भारतीय कॉरपोरेट ढांचे का एक अहम हिस्सा बन चुकी हैं। 2024 के अंत में हुंडई मोटर इंडिया का 3.3 अरब डॉलर का आईपीओ और फिर अक्तूबर 2025 में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की 1.4 अरब डॉलर की पब्लिक लिस्टिंग इसका साफ संकेत है कि ये कंपनियां अब अपनी आर्थिक सफलता और बाजार की उपलब्धियों में भारतीय निवेशकों को भी साझेदार बना रही हैं। अगर आर्थिक रिश्ते इस साझेदारी की 'ईंटें' हैं, तो सांस्कृतिक जुड़ाव वह 'गारा' है, जो इन ईंटों को मजबूती से जोड़ता है। आज भारत में कोरियाई संस्कृति की लहर तेजी से फैल चुकी है। कोरियाई पॉप संगीत, ड्रामा, सौंदर्य प्रसाधन और खान-पान भारतीय युवा संस्कृति में व्यापक रूप से फैल गए हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या, छात्रों का आदान-प्रदान, और सियोल में भारतीय स्टार्टअप संस्थापकों तथा भारत में कोरियाई प्रवासियों के गतिशील समुदाय लोगों के बीच ऐसा जुड़ाव पैदा कर रहे हैं, जो व्यावसायिक एकजुटता से कहीं अधिक व्यापक और गहरा होगा।

अब समय आ गया है कि हम इस साझेदारी की 'दूसरी लहर' का लाभ उठाएं। हमारे सामने अवसरों का अंबार है, लेकिन इन्हें भुनाने के लिए हमें एक आधुनिक और उन्नत कार्यप्रणाली की आवश्यकता है। अपने व्यापार की वास्तविक क्षमता को उजागर करने और भारत के संरचनात्मक व्यापार घाटे को दूर करने के लिए, हमें सबसे पहले ऐसे उन्नत सीईपीए की आवश्यकता है, जो संतुलित और न्यायसंगत व्यापार तथा निवेश को बढ़ावा दे। हमें रक्षा उत्पादन, प्रौद्योगिकी आपूर्ति शृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों और हरित ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में रणनीतिक जुड़ाव स्थापित करने होंगे।

दूसरा, भारत कोरियाई उद्योगों को अपने विनिर्माण क्षेत्रों में चल रही नई क्रांति का पूरा फायदा उठाने के लिए आमंत्रित कर सकता है। संरचनात्मक सुधारों, बेहतर नीतियों और 'विकसित भारत' के संकल्प से प्रेरित 'मेक इन इंडिया' पहल

आज ऐतिहासिक अवसर बन चुकी है। दक्षिण कोरिया की सटीक इंजीनियरिंग और हार्डवेयर में विशेषज्ञता, जब भारत के विशाल, कुशल मानव संसाधन और बड़े घरेलू बाजार से जुड़ेगी, तो ऐसी वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएं तैयार हो सकती हैं, जो किसी भी भू-राजनीतिक झटके का मजबूती से मुकाबला कर सकती हैं।

तीसरा, अब समय है कि हम ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ताकत का भी पूरा उपयोग करें। भारत की सॉफ्टवेयर क्षमताएं व दक्षिण कोरिया की हार्डवेयर में पकड़ एक-दूसरे की पूरक हैं। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का विस्तार और एआई तकनीकों का इस्तेमाल विकास की रफ्तार को तेज कर सकता है। इससे भाषा जैसी बाधाएं भी कम होंगी, जिन्होंने अब तक, खासकर एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग को धीमा किया है। जैसे-जैसे कंपनियां इस महत्वपूर्ण सम्मिलन की तैयारी कर रही हैं, उम्मीद है कि एक उन्नत और संतुलित सीईपीए समझौता जल्द ही अंतिम रूप लेगा, जिससे 2030 तक 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य हासिल किया जा सके। यह उद्योगों की अगुवाई में एक साझा प्रौद्योगिकी और विनिर्माण कार्यबल का गठन, रक्षा, सेमीकंडक्टर, उन्नत सामग्री व ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को गति देगा। इसी दिशा में भारतीय उद्योग परिसंघ और उसके कोरियाई साझेदार पहले ही ऐसा मंच तैयार कर चुके हैं, जो एमएसएमई स्तर पर दोनों देशों के व्यवसायों को जोड़ने का काम कर रहा है।

दोनों देश 15 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। यह संकेत है कि किस तरह दोनों ने 20वीं सदी के उपनिवेशवाद के आघात से बचकर खुद को एशिया के मजबूत लोकतंत्रों और उभरती आर्थिक ताकतों के रूप में स्थापित किया है। 1929 में, जब कोरिया औपनिवेशिक शासन के तहत सबसे बुरे दौर से गुजर रहा था, तब गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने ये पंक्तियां लिखी थीं: 'एशिया के स्वर्णिम युग में, कोरिया इसकी मशाल थामने वालों में से एक था, और वह मशाल अब पूरब को रोशन करने के लिए एक बार फिर जलाए जाने का इंतजार कर रही है।' आज, वह मशाल पूरी दीप्ति के साथ जल रही है। अब वक्त भारत के आगे बढ़ने का है, और इस सफर में कोरिया की सफलता एक मजबूत प्रेरणा बनकर सामने आती है। दोनों देशों के 'साझेदारी 2.0' की मजबूत नींव रखने का इससे बेहतर वक्त और क्या हो सकता है। इसलिए, जरूरी है कि दोनों देश यह सुनिश्चित करें कि आने वाला 'एशियाई युग' हमारी साझा समृद्धि और अटूट मित्रता के प्रकाश से जगमगा उठे।

(लेखक कोलकाता में कोरिया गणराज्य के मानद महावाणिज्य दूत हैं)

खुला मंच

बातें तो बहुत हैं आज मगर बातचीत नहीं

शमीम शर्मा

पहले जब बात निकलती थी तो चौपाल तक जाती थी, रास्ते में दो-चार दिलों को छूती थी, किसी का दर्द हल्का करती थी, किसी की हंसी बढ़ा देती थी पर अब बात निकलते ही ग्रुप में गिरती है और वहां से सीन बॉय 72 होकर मर जाती है।

जगजीत सिंह की गाई एक ग़ज़ल है—बात निकलेगी तो दूर तलक जायेगी। पर अब बातचीत और गपबाजी तो दूर की चीज है। गपोड़संखी तो अब रहे ही नहीं। वह भी समय था जब मिलते ही कहा करते और सुना भाई। इन दिनों बातचीत ऐसी गायब है जैसे गांव से पुराना कुआं। और फिर आजकल आपस में बातें नहीं होती बल्कि सीधे फारवर्ड हो जाती हैं। पहले जब बात निकलती थी तो चौपाल तक जाती थी, रास्ते में दो-चार दिलों को छूती थी, किसी का दर्द हल्का करती थी, किसी की हंसी बढ़ा देती थी पर अब बात निकलते ही ग्रुप में गिरती है और वहां से सीन बॉय 72 होकर मर जाती है।

पहले बात में वजन होता था। कुछ बातें मन हल्का-फुल्का करतीं तो कुछ इतनी भारी कि आदमी रातभर करवट बदलता रहता था। क्या बातों का भी कोई तराजू होता है? अब तो इंसान इतना हल्का हो गया है कि उसकी बात का वजन ही खत्म हो गया है। बातों में न ठहराव रहा, न असर न जिम्मेदारी। डोनाल्ड ट्रम्प की बयानबाजी देख लो। बातें ऐसी जैसे पटाखे, तेज आवाज, बड़ा धमाका पर धुआं छंटते ही कुछ हाथ नहीं आता। एक निकट संबंधी की मौत पर हम शोक प्रकट करने गये तो उनकी पत्नी बोली- चुपचाप चले गये और कोई बात भी नहीं की। मुझे लगा कि अब तो सबने चुपचाप ही जाना है। बातचीत तो रही ही नहीं। सबके मुंह पर ताले हैं। और गांठ बांधने लायक बात यह है कि चाहे घर हो या दुनिया, बात बंद तो रिश्ते बंद।

पहले रोटी के साथ बात भी परोसी जाती थी। अब प्लेट में खाना है और साथ में मोबाइल। जैसे बिना मोबाइल के खाना हजम ही न होगा। रोटी ठंडी हो जाए तो गर्म कर ली जाती है पर रिश्ते ठंडे हो जाएं तो कौन गर्म करेगा? पहले के दिन याद करो। चार आदमी बैठते थे तो हंसी की आवाज़ गली पार सुनाई दे जाती थी। अब चार आदमी बैठें हों तो चारों के मुंह नीचे, जैसे कोई मातम चल रहा हो। एक दोस्त ने पूछा बीवी से झगड़ा खत्म हुआ क्या? दूसरा दोस्त सीना चौड़ा करते हुए बोला, हां, हो गया, वो ही घुटनों के बल चलकर आई थी मेरे पास। दोस्त ने पूछा वो क्या बोली? जवाब मिला कि पलंग के नीचे से निकल जाओ, अब नहीं मारूंगी। यही हालत ईरान-अमेरिका की बातचीत की है।

महिला आरक्षण

महिलाओं के लिए अधिक प्रतिनिधित्व और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक जरुरी कदम

महिलाओं के हाथ में होना चाहिए देश के भविष्य का नेतृत्व

डॉ. पी टी ऊषा

मैं ने अपना पूरा जीवन भागदौड़ में ही बिताया है, पहले केरल की कच्ची सड़कों पर, फिर वैश्विक मंचों पर और अब सार्वजनिक जीवन के गलियारों में। हर कदम पर मुझे कई मुश्किलो का सामना करना पड़ा है, कुछ प्रत्यक्ष और कुछ अनकही बाधाओं का भी, जिन्होंने महिलाओं को यह बताया कि उनका यहाँ कोई स्थान नहीं है। मैंने यह भी देखा है कि जब ये बाधाएं टूटने लगती हैं तो क्या होता है। अवसर परिणामों को बदल देता है और इससे भी ज़रुरी बात यह है कि यह लोगों की सोच को बदल देता है।

यही कारण है कि संविधान (एक सौ अट्ठाईसवाँ संशोधन) विधेयक, 2023—नारी शक्ति वंदन अधिनियम—केवल एक विधायी उपलब्धि नहीं है। यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित संरचनात्मक सुधार है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना न तो कोई रियायत है और न ही दिखावा। यह अधिक प्रतिनिधि और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक ज़रुरी कदम है।

खेलों ने हमें क्या सिखाया है : जब मैंने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में हिस्सा लिया और कुछ ही सेकंड के अंतर से पदक से चूक गई, तब बहुत कम भारतीय लड़कियां थीं, जो वैश्विक मंच पर खुद को देख पाती थीं। लेकिन पिछले कई दशकों में यह स्थिति बदली है। प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और पहचान तक पहुंच में सुधार के साथ, भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता हासिल करने लगीं है। पी.वी. सिंधु, मीराबाई चानू, विनेश फोगाट और मैरी कॉम जैसी एथलीटें अकेले नहीं उभरीं। प्रतिनिधित्व आकांक्षाएं पैदा करता है और आकांक्षा, जब समर्थित होती है, तो उपलब्धि दिलाती है।

सबक साफ है। जब महिलाओं को स्थान दिया जाता है, तो वे व्यवस्था में केवल भाग नहीं लेतीं, वे शानदार प्रदर्शन भी कर दिखाती हैं।

हर भारतीय के लिए बेहतर शासन : भारत में जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व का प्रभाव पहले ही देखा जा चुका है। 73वें संवैधानिक संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किए जाने के बाद से, विभिन्न राज्यों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ है।

ये महज़ 'महिलाओं के मुद्दे' नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं। महिला नेता अक्सर सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुचारू रूप से चलने वाले स्कूल, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी शासन से जुड़ी उन रोजमर्रा की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो परिवारों और समुदायों को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं।

प्रतिनिधित्व का आर्थिक महत्व : भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी विश्व में सबसे कम है, जो लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है। यह केवल एक सामाजिक चिंता नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी है। विधानसभाओं में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व उन नीतियों को प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है, जो इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करती हैं, जैसे किफायती बाल देखभाल, सुरक्षित कार्यस्थल, ऋण तक पहुंच और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने से भारत की जीडीपी में 700 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है।

सुरक्षा, गरिमा और भागीदारी : भारत भर में लाखों महिलाओं के लिए, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी अभी भी सुरक्षा, भेदभाव और असमान पहुंच की चिंताओं से प्रभावित है। चाहे खेल हो, शिक्षा हो या कार्यस्थल, ये समस्याएं हमारे समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं।

संसद में अधिक महिलाओं का मतलब है कि कानून और नीतियां महज़ समझ से नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन की हकीकत से आकार लेती हैं। इसका मतलब है प्रवर्तन के लिए मजबूत वकालत, सहायता प्रणालियों के लिए संसाधनों का बेहतर आवंटन और एक न्याय ढांचा, जो उत्तरदायी और सुलभ हो। शासन तभी अधिक प्रभावी होता है, जब वह उन लोगों के अनुभवों को दर्शाता है, जिनकी वह सेवा करता है।

प्रतिनिधित्व और आकांक्षाओं की शक्ति : भारत में सत्ता की छवि लंबे समय से मुख्य रूप से पुरुष प्रधान रही है। उस छवि को बदलना केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह एक बदलावकारी प्रक्रिया है। जब मणिपुर, झारखंड, राजस्थान या भारत के किसी भी हिस्से की कोई युवती अपने जैसी दिखने वाली, अपने जैसी बोलने वाली और समान पृष्ठभूमि से आने वाली किसी महिला को देश के कानूनों को आकार देते हुए देखती है, तो यह सिर्फ प्रेरणा ही नहीं देता, बल्कि यह संभावनाओं के प्रति उसके विश्वास को भी बदल देती है। आकांक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। विधानसभाओं में आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि अवसरों का दायरा बढ़ता है।

अब है कार्यवाही का वक्त : राज्यसभा में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त करने के बाद, मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे विविध दृष्टिकोण बहस और निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं। फिर भी, आज लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल लगभग 15 प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है। अब बस इसे पूरी तरह, निष्ठापूर्वक और बिना देर किए लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की ज़रुरत है।राजनीति भारत अपनी आधी आबादी को सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकायों में कम प्रतिनिधित्व देते हुए, विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा नहीं रख सकता। आधी प्रतिभा को दरकिनार करके विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता, न ही आधी आवाज़ पर सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है। आगे का रास्ता साफ है। सवाल यह है कि क्या हम उस पर चलने का दृढ़ संकल्प रखते हैं।

(लेखक राज्यसभा सांसद, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राष्ट्रमंडल खेल संघ, भारत की अध्यक्ष हैं।)

जीवन दर्शन

खुद से ही शुरू होती है सत्य की खोज

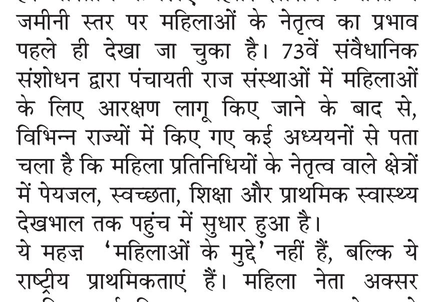

सत्य को खुद अनुभव करना पड़ता है। अनुभव मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान की ओर, बंधन से मुक्ति की ओर तथा सीमितता से अनंतता की ओर ले जाता है। समस्त ज्ञान और शक्ति हमारे भीतर ही निहित है, किंतु मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यह है कि वह अपने भीतर छिपी इस अनंत शक्ति पर विश्वास नहीं करता। जब व्यक्ति यह कहने का साहस करता है कि वह शक्तिशाली है, तभी आत्मविश्वास का उदय होता है। जब यह विश्वास जागृत होता है, तब मनुष्य यह समझने लगता है कि उसका मन ही उसके बंधन और मुक्ति, दोनों का कारण है। मन, जो अस्थिर प्रतीत होता है, वास्तव में एक व्यापक और सार्वभौमिक चेतना का अंश है। इस सत्य का बोध होते ही साधक के भीतर यह प्रेरणा जन्म लेती है कि वह मन को नियंत्रित करे,क्योंकि यही नियंत्रण जीवन को दिशा देने की वास्तविक कुंजी है। इस प्रक्रिया में एकाग्रता का महत्वपूर्ण स्थान है। जब मनुष्य विचारों को एक बिंदु पर केंद्रित करना सीख जाता है, तब वह एकाग्रता की राह पर अग्रसर होने लगता है।

एकाग्रता ही वह शक्ति है, जो बाहरी संसार के रहस्यों को समझने के साथ-साथ आंतरिक सत्य से भी पर्दा उठाती है। किंतु, यह एकाग्रता तभी संभव है, जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं और विकारों पर विजय प्राप्त कर सके। इच्छाएं असीमित होती हैं, और जब वे पूरी नहीं होतीं, तो दुख का कारण भी बनती हैं। इसलिए, जरूरी है कि इन्सान इच्छाओं के इस अंतहीन चक्र से ऊपर उठकर अपने भीतर स्थिरता व संतुलन का विकास करे, क्योंकि यही उसे वास्तविक शांति प्रदान करती है। जब व्यक्ति अपने ज्ञान को व्यवहार में उतारता है, तभी वह उसे अनुभव कर पाता है, और यही अनुभव उसके आत्मविश्वास को दृढ़ बनाता है। जीवन के विभिन्न स्तरों पर संयम, संतुलन और सजगता अपनाते हुए मनुष्य धीरे-धीरे अपने भीतर के विकारों को शांत करता है और आत्मिक जागरण की ओर अग्रसर होता है। यह यात्रा बाहरी नियंत्रण से शुरू होकर अंततः आंतरिक शांति और एकाग्रता की अवस्था तक पहुंचती है, जहां मन पूर्णतः स्थिर हो जाता है। जब मनुष्य इस स्थिति को प्राप्त करता है, तब उसे यह अनुभव होने लगता है कि उसके भीतर एक दिव्य शक्ति विद्यमान है। यह दिव्यता कोई बाहरी वस्तु नहीं, बल्कि उसकी अपनी ही चेतना का उच्चतम स्वरूप है। अंततः यह स्पष्ट हो जाता है कि सत्य किसी बाहरी स्रोत में सीमित नहीं है। उसे न तो केवल पुस्तकों में पाया जा सकता है और न ही केवल विचारों में, बल्कि उसे स्वयं अनुभव करना पड़ता है। यही अनुभव मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान की ओर, बंधन से मुक्ति की ओर और सीमितता से अनंतता की ओर ले जाता है।

इस प्रकार इन्सान एकाग्रता और अभ्यास के माध्यम से अगर ?अपनी चेतना को जागृत करे, और निरंतर आत्म-अनुशासन बनाए रखे, तो वह न केवल अपने जीवन को रूपांतरित कर सकता है, बल्कि उस परम सत्य का साक्षात्कार भी कर सकता है, जो उसके अस्तित्व का वास्तविक आधार है। इच्छाओं और विकारों से ऊपर उठकर संतुलन व स्थिरता विकसित करना ही प्रगति का मार्ग है। अनुभव से प्राप्त ज्ञान आत्मविश्वास को दृढ़ बनाता है और हमें आत्मिक जागरण की ओर ले जाता है। जो अपने भीतर की दिव्यता को पहचान लेता है, वही अज्ञान से ज्ञान और बंधन से मुक्ति की ओर अग्रसर होता है।

स्वामी विवेकानंद

॥ गीता ज्ञान ॥

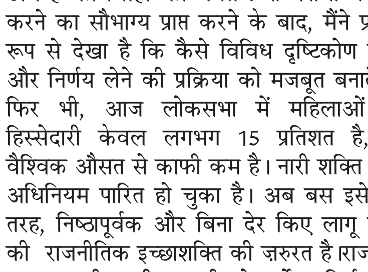

श्लोक

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम् !
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् !!

भावार्थ

यह मेरा है और यह तेरा है, ऐसी सोच छोटे विचारो वाले लोगो की होती है. इसके विपरीत उदार रहने वाले व्यक्ति के लिए यह पूरी धरती एक परिवार की तरह होता है।

डब्ल्यूपीसी मुम्बई स्टेज शो में शौर्य की तीसरी रैंक

रीवा। डब्ल्यूपीसी मुम्बई स्टेज शो में रीवा के शौर्य सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया है। शौर्य कक्षा 2 के छात्र हैं। शौर्य की इस उपलब्धि पर परिजनों सहित स्कूल प्रबंधन व जिला शिक्षा केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

पाठशाला पब्लिक स्कूल में मनाया गया विश्व पृथ्वी दिवस

रीवा। विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन पाठशाला पब्लिक स्कूल में किया गया। स्कूल के संस्थापक ओमप्रकाश गुप्ता, स्कूल की प्राचार्या सारिका गुप्ता के साथ ही स्कूली बच्चे, शिक्षिकाओं ने शपथ लेते हुए पानी बचाने, पॉलिथिन का उपयोग नहीं करने, पक्षियों को दाना-पानी देने, पुरानी किताबों को दान करने, सार्वजनिक स्थल पर पौधा लगाने का संकल्प लिया तो वहीं सप्ताह में एक दिन (नो हॉर्न डे) जन्म दिन, एनवर्सरी में गिफ्ट के रूप में पौधा देने की बात कही गई। इस अवसर पर दीपाली केसरवानी, जितेन्द्र गुप्ता, अमित केसरी, आयुष्मान गुप्ता, मानसी गुप्ता, श्रृति गुप्ता, सृष्टि गुप्ता, आर्यमान गुप्ता, शौर्यमान गुप्ता, गीता द्विवेदी, प्राची मिश्रा, नम्रता तिवारी, खुशी सिंह, नेहा सिंह, अंजली सिंह, आंचल सिंह, सोनू प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में छोटे बच्चों के लिए किड्स गेम जोन बना

रीवा। लायंस क्लब रीवा ग्रेट द्वारा स्थानीय जिला चिकित्सालय के बच्चा वार्ड ओपीडी में छोटे बच्चों के लिए लगभग 15000 रु.की लागत से किड्स गेम जोन बनाया गया जिसमें छोटे बच्चों के लिए फिसल पट्टी छोटी गाड़ियां चेयर इत्यादि लगाई गईं हैं जिससे ओपीडी में आए छोटे बच्चे इंतजार के वक्त खिलौनों का आनंद ले सकें। इस अवसर पर चिकित्सालय के इंचार्ज डॉक्टर के के तिवारी डॉक्टर जूली एवं बच्चा वार्ड के डॉक्टर उपस्थित रहे। लोकार्पण अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन सूर्य प्रकाश अग्निहोत्री रीजन चेयरपर्सन लायन वीरेंद्र वर्मा जोन चेयरपर्सन लायन मानोज्ञा सिंह लायन वीरेंद्र आर्य लायन गायत्री गुप्ता लायन रजनी चमड़िया लायन पूनम दुबे लायन रश्मि पुरवार लायन दीप्ति अग्निहोत्री लायन राजेश्वरी वर्मा लायन मंजू सिंह लायन मीना कुंदर लायन गीता पुरवार आदि सदस्य उपस्थित रहे।

युनाइटेड शातोकान कराटे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने दीपक

रीवा। गत दिवस युनाइटेड शातोकान कराटे फेडरेशन ऑफ इण्डिया की जनरल बॉडी मीटिग रविन्द्र मंच ऑडोटोरियम रायपुर छत्तीसगढ़ में सम्पन्न हुई जिसमें फेडरेशन के सचिव शिहान वरूण पाण्डेय एवं कार्यकारणी समित के सदस्यों की उपस्थित में सर्व सहमति से रीवा के दीपक पटेल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का दाइत्व सौंपा गया। दीपक की इस उपलब्धि पर शान्ति दुबे अध्यक्ष सनातन धर्म यज्ञ सेवा समिति, संजीव पाण्डेय एन.आई.एस. टेक्निकल डायरेक्टर, आकाश झा सचिव मप्र यूनाइटेड सोतोकान, राजू वर्मा विध्य ताइक्वांडो सचिव, डॉ.कौशललेन्द्र मणि त्रिपाठी अध्यक्ष फुनाकोशी सोतोकान, रमेश चौरसिया सचिव फुनाकोशी सोतोकान, आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

राजधानी से जांच करने पहुंचा दल, खंगाले दस्तावेज

डीईओ कार्यालय में भवन अनुरक्षण मद में करोड़ों के फर्जी भुगतान का मामला

जागरण, रीवा

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा भवन अनुरक्षण मद में किए गए कथित फर्जी भुगतान के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। इस गंभीर वित्तीय अनियमितता की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए शासन के निर्देश पर भोपाल से एक उच्च स्तरीय जांच टीम बुधवार को रीवा पहुंची और संबंधित दस्तावेज खंगाले। टीम ने कार्यालय के दस्तावेजों को कब्जे में लेकर भुगतान की प्रक्रियाओं और बंदरबांट की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। इस पूरे मामले की शिकायत कमल सिंह बघेल द्वारा की गई थी। इस मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल में पदस्थ डायरेक्टर एवं डिप्टी डायरेक्टर पीके सिंह को उनके पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। शासन द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित की गई है। आरोप है कि वरिष्ठ स्तर पर पर्याप्त निगरानी न होने या मिलीभगत के चलते रीवा में बड़े पैमाने पर फर्जी देयकों का भुगतान किया गया।

टीम ने की जांच : भोपाल से आई विशेष टीम वर्तमान द्वारा डीईओ कार्यालय में जांच की जा रही है कि किन-किन स्कूलों के नाम पर राशि निकाली गई और क्या वहां वास्तव में मरम्मत कार्य हुआ की नही? भुगतान के लिए अपनाई गई प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ? इस पूरे नेटवर्क में डीईओ कार्यालय के किन-किन अधिकारी-कर्मचारियों की संलिप्तता है।

क्या है पूरा मामला...

शिकायत के अनुसार रीवा जिले में स्कूलों के भवन रखरखाव (भवन अनुरक्षण मद) के नाम पर आवंटित बजट का दुरुपयोग किया गया। बिना वास्तविक कार्य कराए या कागजों पर मरम्मत दिखाकर करोड़ों रुपये की राशि निजी फर्मों और चहेतों को ट्रांसफर कर दी गई। स्थानीय स्तर पर शिकायतें होने के बाद जब प्रारंभिक प्रमाण मिले, तब शासन ने सख्त कदम उठाते हुए जांच दल गठित किया।

मोबाइल के स्थान पर पुस्तकों को दें स्थान

गीतांजलि पब्लिक स्कूल में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित

जागरण, रीवा। गीतांजलि विद्यालय में पुस्तक सहित्य प्रदर्शनी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैलेन्द्र सिंह एवं पुष्कर पांडेय (ब्रांच मैनेजर) रहे। पुस्तक प्रदर्शनी में छात्रों को अलग-अलग भाषा साहित्य की अमूल्य धरोहरों, भारतीय कवियों लेखकों के साथ-साथ विश्व के अन्य देशों एवं भाषाओं के विद्वानों की रचनाओं को पढ़ने समझने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यालय के सभी विद्यार्थी, शिक्षकगण व अभिभावकों ने पठन पाठन कर पुस्तक पढ़ने की रुचि विकसित करने का प्रयास किया। विद्यालय संस्थापक शिव प्रसाद प्रधान एवं अरुणा प्रधान ने सभी को पुस्तकों के महत्व को समझाते हुए पुस्तक पढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यालय संचालक वरुण प्रधान रितिका प्रधान ने आधुनिक मोबाइल के कारण पढ़ने की रुचि कम होने पर गहरी चिंता प्रकट करते हुए बताया कि अपने जीवन में मोबाइल के स्थान पर पुस्तकों को स्थान दें, पढ़े व पढ़ने की समझ का विकास करें। कार्यक्रम में विद्याालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ समस्त शिक्षक व अभिभावकगण उपस्थित रहे।

वेटरनरी कॉलेज में डॉग शो का आयोजन 25 को

जागरण, रीवा। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन महाविद्यालय कुठुलिया में कुलगुरु प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा के संरक्षण एवं अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में पशु प्रेमियों व आमजन के लिए एक आकर्षक एवं ज्ञान वर्धक कार्यक्रम के रूप में आगामी 25 अप्रैल को भव्य डॉग शो का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में महाविद्यालय में आयोजन को सफल बनाने हेतु विभिन्न तैयारियां जोरो-शोरों से चल रहीं हैं। अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह ने तैयारियों का जायजा लेते हुये उचित दिशा- निर्देश दिये। साथ ही सभी श्वान प्रेमियों एवं पशुपालकों को अधिक से अधिक सहभागिता करने हेतु आमन्त्रित करने हेतु निर्देश दिये। इस कार्यक्रम में विभिन्न ब्रीड्स के डॉग्स का प्रदर्शन, कमाण्ड मानने की कला, स्वास्थ्य परीक्षण, ग्रूमिंग प्रतियोगिता तथा आकर्षक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। डॉग शो का उद्देश्य आम जनता में पालतू पशुओं के प्रति जागरुकता बढ़ाना, उनकी उचित देखभाल, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों द्वारा कुत्तों के स्वास्थ्य, मुफ्त टीकाकरण, रोग नियंत्रण एवं आधुनिक प्रबंधन तकनीकों पर परामर्श भी दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। साथ ही पशुपालकों को डॉग्स के संबंध में विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया जायेगा। महाविद्यालय प्रशासन ने क्षेत्र के सभी श्वान प्रेमियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाएं। अधिक जानकारी एवं पंजीयन हेतु महाविद्यालय में अथवा डॉ जीतेन्द्र सिंह राजौरिया (मोबाइल नंबर- 9893695605) से संपर्क किया जा सकता है।

पोस्टर बनाकर दिया भूजल संरक्षण का संदेश

पृथ्वी दिवसः पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में हुआ आयोजन

जागरण, रीवा। पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में विमल प्रकाश गौर उप महानिदेशक भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग (उत्तरी क्षेत्र) लखनऊ तथा मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अतुल तिवारी विभागाध्यक्ष, पर्यावरणीय जीव विज्ञान उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी ने की। अपने संबोधन में प्रो. तिवारी ने कहा कि पृथ्वी दिवस वर्ष 2026 की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' हमें जिम्मेदारी का संदेश देती है। उन्होंने अथर्ववेद के श्लोक के माध्यम से सतत विकास की अवधारणा स्पष्ट करते हुए संसाधनों के संतुलित एवं जिम्मेदार उपयोग पर बल दिया। उन्होंने अथर्ववेद के श्लोक के माध्यम से सतत विकास की अवधारणा समझाते हुए कहा कि संसाधनों का उपयोग संतुलित और पुनर्भरण योग्य होना चाहिए। उन्होंने 'मिशन लाइफ' और 'गंगा समग्र' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि पृथ्वी को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवंत इकाई मानना आवश्यक है। बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर और समुद्री हीटवेव्स गंभीर खतरे हैं। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते प्रयास नहीं किए गए, तो भविष्य संकटपूर्ण होगा। वायु प्रदूषण की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। यद्यपि भारत के 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम' के तहत कुछ सुधार दर्ज किए गए हैं, लेकिन पीएम 2.5 का स्तर अभी भी विश्व स्वास्थ्य संगठन के सुरक्षित मानकों से कई गुना अधिक है। 2025 की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट के अनुसार विश्व के 100 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत के शहरों की संख्या अब भी 80 से ऊपर है, जो हमारे स्वास्थ्य ढांचे पर भारी दबाव डाल रही है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय उसका गहराता जल संकट है। संयुक्त राष्ट्र की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2026 के अनुमानों के अनुसार भारत की लगभग 45 प्रतिशत जनसंख्या 2030 तक गंभीर जल संकट की चपेट में होगी। भारत के पास वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि ताजे जल के संसाधन मात्र 4 प्रतिशत हैं। भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा निष्कर्षक बना हुआ है। मुख्य वक्ता प्रो. अतुल तिवारी ने अपने व्याख्यान में पर्यावरण संरक्षण के भारतीय सांस्कृतिक दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। विशेष वक्ता विमल प्रकाश गौर ने अपने संबोधन में वैश्विक ऊष्मीकरण और हरित ऊर्जा स्रोतों पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ पुष्पेंद्र कुमार तिवारी तथा मंच संचालन डॉ. स्वाति शुक्ला ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लिटिल बैम्बिनोज स्कूल में गूंजा धरती बचाओ का संकल्प

बच्चों ने उल्लास और उमंग के साथ मनाया 'अर्थ डे'

रीवा। विंध्य विहार कॉलोनी स्थित लिटिल बैम्बिनोज स्कूल में 'अर्थ डे' (पृथ्वी दिवस) उत्साह, उमंग और रचनात्मक गतिविधियों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर प्रकृति प्रेम, हरियाली और जागरुकता के संदेशों से गूंज उठा। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की निदेशक डॉ. गायत्री शुक्ल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान 'हरित दिवस' थीम के अंतर्गत बच्चों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और यह संदेश दिया कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन का आधार है। बच्चों द्वारा निकाली गई धरती बचाओ रैली ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें उनकी मासूम आवाजों में पर्यावरण बचाने का संदेश गूंजता रहा। गीतों और लघु नाटकों के माध्यम से बच्चों ने पृथ्वी की सुरक्षा, स्वच्छता और हरियाली के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिनमें नर्सरी कक्षा के अविशा मिश्रा, अर्पण रहांगडाले, आदित्य पुरवार; एल.के.जी. एवं यू.के.जी. के अक्षिता सिंह, अनवी नामदेव, वेदांक सिंह, अविका दुबे, अक्षित सिंह गहरवार, प्रानवी श्रीवास्तव, रूद्रांश तिवारी, रिधिका पटेल; कक्षा पहली के सृष्टि मलाह, दिव्यराज कुशवाहा, अत्रिता दुबे, अनावी सोनेकर, आराध्या पाठक, श्रृतिका गुप्ता, कार्तिक गुप्ता, दिव्यांश पटेल, सारांशमणि पाण्डेय; कक्षा दूसरी एवं तीसरी के अभिनी दुबे, संस्कृति कुशवाहा, शानवी सिंह, आरूष दीक्षित, आदर्श कुशवाहा, अनन्या साहू, प्रज्ञा सिंह, नियति नामदेव, अथर्व पुरवार, प्रियांश द्विवेदी तथा कक्षा पाँचवीं एवं छठवीं के नम्रता पटेल, रोशनी सिंह राठौर, आदित्य सिंह राठौर और वैदिक दुबे शामिल रहे।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षाः प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

जागरण, रीवा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के तत्वाधान में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में किया गया। जिला संयोजक विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि बुधवार को गायत्री शक्तिपीठ में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ जिसके मुख्य अतिथि डॉक्टर आर.एन. तिवारी प्राचार्य पी.एम.श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रहे। अध्यक्षता प्रभाकांत तिवारी उप जोन समन्वयक पड़खुरी तथा सह समन्वयक मध्य प्रदेश जोन भोपाल ने की। कार्यक्रम में एस. पी. मिश्रा उप जोन समन्वयक ने अपने विचार प्रकट किए। जिला संयोजक विनोद कुमार पांडे ने बताया कि गत वर्ष रीवा जिले की 231 शिक्षा संस्थानों के कल 13616 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सहभागिता की। पुरस्कार वितरण समारोह में जिले के कक्षा पांचवी से महाविद्यालय स्तर के अंतर्गत कुल 102 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

विदेश में पढ़ाई के लिए अजा विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

रीवा। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विदेश में उच्च शिक्षा के लिए अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दे रहा है। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने बताया कि पूरे प्रदेश से 50 विद्यार्थियों का चयन विदेशों में स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधि के लिए किया जाता है। राज्य शासन द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर उपाधि अथवा शोध उपाधि प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जनजाति के जो पात्र विद्यार्थी विदेश में किसी मान्य विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते हैं तो उन्हें छात्रवृत्ति के रूप में यूनिवर्सिटी की फीस की वास्तविक व्यय राशि अथवा 40 हजार अमेरिकन डॉलर इनमें से जो कम हो दिया जाता है। इसके साथ-साथ निर्वाह भत्ता के रूप में 9 हजार अमेरिकन डॉलर और आकस्मिक भत्ते के रूप में एक हजार अमेरिकन डॉलर दिए जाते हैं। इसके साथ-साथ शिक्षण शुल्क, मेडिकल, इंश्योरेंस, वीजा शुल्क तथा हवाई यात्रा किराया भी प्रदान किया जाता है। स्नातकोत्तर पढ़ाई के लिए आवेदन करने पर स्नातक में 60 प्रतिशत से अधिक तथा शोध उपाधि के लिए स्नातकोत्तर परीक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करना आवश्यक है। शोध उपाधि के लिए एमफिल की उपाधि अथवा संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष के अध्यापन का अनुभव होना आवश्यक है। आवेदक का मध्यप्रदेश में निवासरत अनुसूचित जनजाति का सदस्य होना आवश्यक है। जिसकी आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। अनुसूचित जनजाति के पात्र विद्यार्थी विभाग की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट ट्राइबल डॉट एमपी डॉट जीओभी डॉट इन पर उपलब्ध आवेदन पत्र के प्रारूप को प्राप्त कर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग 59 आदि भवन अरेरा हिल्स भोपाल अथवा जिला जनजातीय कार्य विभाग में स्वयं भी जमा कर सकते हैं। प्रभारी कलेक्टर ने कहा है कि सभी कालेजों के प्राचार्य पात्र विद्यार्थियों को इस योजना से अवगत कराएं जिससे इच्छुक विद्यार्थी विदेश में उच्च अध्ययन के अवसर का लाभ उठा सकें।

मजदूरों के सम्मान में काव्य गोष्ठी 01 मई को

रीव। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कला संस्कृति प्रभाग रीवा और विन्ध्य काव्य साहित्य परिषद कलम परिवार आगामी 01 मई को सायं 05:00 बजे से शांतिधाम झिरिया में मजदूर दिवस के अवसर पर मजदूरों के सम्मान में काव्य गोष्ठी आयोजित करने जा रहा है। जिसमें उपस्थित कामगारों का सम्मान भी किया जायेगा कार्यक्रम संयोजक बीके प्रकाश एवं कलम परिवार के अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्र मणि महिला संरक्षक डॉ गीता शुक्ला गीत, अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह ने सभी रचनाकार साहित्यकारों, कवियों एवं शायरों के साथ सुधी श्रोताओं को समय पर पधारने का अनुरोध किया है। कलम परिवार संस्थापक नारायण डिगवानी के निर्देशन में आयोजन को सफल बनाने विशिष्ट अतिथियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्याः झॉसी-इन्जी0-सी-2026-86 | **अनुमानित लागत** : ₹ 57545808.95

कार्य का नामः कन्सट्रक्सन ऑफ लूप लाइन टुवर्ड अप लूप लाइन साइड एट झॉसी ईआई - आई केबिन अंडर एडीईएन/ललितपुर।

अमानत राशिः ₹ 1151000.00 | **निविदा बंद होने की तिथिः** 15.05.2026 at 15:00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 12 माह

निविदा दिनांक 15.05.2026 को 15.00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 871/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

CHANGE OF NAME

I, Sunita Devi spouse of late Vishva Mitra Ojha Ex- Rect No-13689158M resident of village jalaiya post bashrehi tehsil-jawa , distt-rewa (M.P) state that my name has been mentioned as Sunita devi in the Army records, which is incorrect. My correct name is Sunita ojha . Now my name write read and known as SUNITA OJHA.

RN- 85248 **Sunita Ojha**

CHANGE OF NAME

I, No 14380639P Gyanendra Kumar Pandey Ex-Naik Resident of house no 23 Vill & Post Amwa, Tehsil-Huzur, District Rewa (M.P) state that name of my spouse in Army Records is Susheela Devi which is incorrect. Her correct name is Sushila devi pandey. Now the name of my spouse write, read and known as Sushila Devi Pandey.

RN- 85247 **Gyanendra Kumar Pandey**

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे के द्वारा **रीवा–छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन** को दिनांक 23.04.2026 से रेगुलर गाड़ी में परिवर्तित कर चलाया जाएगा, जिसका विवरण निम्न हैः–

गाड़ी संख्या 20154/20153 रीवा–सीएसएमटी साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस

परिचालन का दिन एवं दिनांकः गाड़ी सं. 20154 रीवा से **(प्रत्येक गुरूवार)**–दिनांक 23.04.2026 से एवं वापसी में गाड़ी सं. 20153 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से **(प्रत्येक शुक्रवार)** दिनांक 24.04.2026 से:–

गाड़ी सं. 20154 रीवा–छत्रपति शिवाजी टर्मिनस		गाड़ी सं. 20153 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस–रीवा
आगमन–प्रस्थान	स्टेशन	आगमन–प्रस्थान
D.15.50 (Thu)	रीवा	A.09.45(Sat)
16.55-17.00	सतना	07.40-07.45
17.25-17.27	मैहर	07.03-07.05
18.05-18.10	कटनी	06.10-06.15
19.40-19.50	जबलपुर	04.55-05.05
20.48-20.50	नरसिंहपुर	03.23-03.25
21.18-21.20	गाडरवारा	02.48-02.50
21.53-21.55	पिपरिया	02.13-02.15
23.20-23.30	इटारसी	01.15-01.25
00.22-00.24	हरदा	00.03-00.05
02.02-02.05	खंडवा	22.43-22.45
04.05-04.10	भुसावल	20.15-20.20
04.35-04.37	जलगांव	19.38-19.40
06.38-06.40	मनमाड	17.53-17.55
07.42-07.45	नासिक रोड	16.58-17.00
10.57-11.00	कल्याण	14.22-14.25
11.52-11.55	दादर	13.42-13.45
A.12.20(Fri)	सीएसएमटी	D.13.30(Fri)

ठहरावः
सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, नासिक रोड, कल्याण, दादर

कोच संरचना
वातानुकूलित प्रथम श्रेणी–01, वातानुकुलित द्वितीय श्रेणी–01
वातानुकुलित तृतीय श्रेणी–04, द्वितीय श्रेणी शयनयान–12
सामान्य कोच–04, एसएलआर–02

पश्चिम मध्य रेल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

FOLLOW US @wc_railway West Central Railway West Central Railway Official

शिल्पी चैंपियन एकेडमी की टीम ने डब्ल्यूसीए को हराया

रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन की अंतर एकेडमी क्रिकेट प्रतियोगिता

जागरण, रीवा। रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व में खेली जा रही अंतर एकेडमी क्रिकेट प्रतियोगिता (अंडर-18) के अंतर्गत विश्वविद्यालय स्टेडियम में डब्ल्यूसीए एकेडमी एवं शिल्पी चैंपियन एकेडमी के बीच खेले गये 2 दिवसीय मैच के दूसरे दिन के खेल में शिल्पी चैंपियन एकेडमी की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये अपने से कहीं ज्यादा मजबूत टीम डब्ल्यूसीए को पहली पारी की लीड के आधार पर पराजित कर अगले राउंड में प्रवेश किया है। उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए के सह सचिव देवेश शुक्ला के द्वारा बताया गया कि इस दो दिवसीय मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुये डब्ल्यूसीए की टीम की पहली पारी 36 ओवरों मे ही मात्र 81 रनों के योग पर सिमट गयी, जिसमे अरमान खान ने सर्वाधिक 30 रन बनाये जबकि आदित्य श्रीवास्तव ने 16 रन बनाये। शिल्पी चैपियन की ओर से बेहतरीन गेंदबाजी करते हुये उनके वामहस्त स्पिनर निशांत साहू ने 9 ओवरों में 10 रन देकर 5 विकेट लिये जबकि आदर्श विश्वकर्मा को 3 विकेट मिले। इसके पश्चात शिल्पी चैंपियन ने अपनी पहली पारी आरंभ की तथा उनकी टीम भी 52 ओवरों में 100 रन बनाकर आउट हो गयी जिसमें अनेक सिंह ने 28 रन, अभय यादव ने 21 रन बनाये। डब्ल्यूसीए की ओर से उज्ज्वल तिवारी ने जोरदार गेंदबाजी की तथा 26 रन देकर 5 विकेट हासिल किये। इस प्रकार दोनों ही टीमों की पहली पारी अल्प स्कोर पर सिमट गयी परंतु शिल्पी चैंपियन की टीम पहली पारी में 19 रनों की बेहद महत्वपूर्ण लीड लेने में सफल रही जो अंत में निर्णायक साबित हुयी। दूसरे दिन के खेल में डब्ल्यूसीए के बल्लेबाज अच्छी लय में दिखे तथा अपनी दूसरी पारी में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुये 39 ओवरों में 5 विकेट पर 183 रन बनाकर पारी को डिक्लेयर कर दिया तथा दिन के शेष बचे 49 ओवरों के खेल में 164 रन बनाने की चुनौती दी पर शिल्पी चैंपियन के क्रिशू सिंह एवं दिव्यांश सिंह ने विकेट पर टिक कर शानदार बल्लेबाजी जिसके कारण शिल्पी चैंपियन 34 आवेरों में मात्र 1 विकेट खोकर 123 रन बनाने में सफल रही। ऐसी स्थिति में मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया। दिव्यांश सिंह 61 रन एव क्रिशू सिंह 52 रन बनाकर नॉट आउट रहे। पहली पारी में 19 रनों की लीड लेने के कारण शिल्पी चैंपियन की टीम ने ज्यादा अंक हासिल करते हुये अगले दौर में जगह बनाई ।

आधी आबादी की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही भाजपा : राजमणि

जागरण, रीवा। महिला आरक्षण बिल के नाम पर सत्ता मे अपना कब्जा बरकरार रखने के लिये मोदी सरकार देश की आधी आबादी की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। आयोजित पत्रकार वार्ता में उक्त आशय के विचार व्यक्त करते हुये मप्र. शासन के पूर्व मंत्री पूर्व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल ने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण बिल का श्रेय लेना चाहती है, ताकि आधी आबादी को गुमराह कर सत्ता की कुर्सी मे कब्जा बरकरार रह सके। श्री पटेल ने कहा कि महिला आरक्षण बिल तो वर्ष 2023 मे ही सर्व सम्मति से पारित हुआ था, तब भाजपा ने इसे वर्ष 2029 मे लागू करने की घोषणा की थी, पर आज केन्द्र सरकार महिला आरक्षण को परिसीमन के साथ जोड़ कर ऐसा कुचक्र रचना चाहती है, जिससे कि सत्ता की चाबी अपने पास रख सके। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा की नीयत मे खोट नहीं है तो लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या मे ही महिलाओं के लिये आरक्षण देने में सरकार क्यों हिचकिचा रही है। श्री पटेल ने आश्चर्य व्यक्त करते हुये कहा कि यह पहली बार हो रहा है कि सम्पत्ति का बटवारा करने के लिये सम्पत्ति खरीदने की कोशिश की जा रही है, जो कि एक सोची-समझी साजिश है, क्योंकि भाजपा को पता था कि महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन का खेल यदि चल गया तो पौबारा, नहीं चला तो आधी आबादी को गुमराह कर विपक्ष को बदनाम करने का खेल खेलेंगे, ताकि महिलाओं की सहानुभूति भाजपा के पक्ष में रहे। श्री पटेल ने कहा कि समय की आवश्यकता है कि तहसील, ब्लॉक एवं जिलों का परिसीमन हो, ताकि जन समस्याओं का निराकरण सरलता से हो सके, उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण मे जनसंख्या के अनुपात में पिछड़े एवं वंचित वर्ग को भी भागीदारी दी जानी चाहिये।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/ गति शक्ति यूनिट, उ.म.रे, ग्वालियर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा (टू-पैकेट सिस्टम) ऑनलाइन (ई-टेंडरिंग) पद्धति से आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का विवरण: झांसी मण्डल ग्वालियर-धौलपुर रेल सेक्शन के समपार संख्या-437 कि.मी. 1243/7-9 पर RRU-BAO स्टेशन के बीच रेलवे उपरिगामी सेतु के निर्माण के संबंध में।

ई-टेंडर क्रमांक: DYCEGSUGWL0926 | **अनुमानित लागत:** ₹ 41.27 Crore
निविदा बंद होने की तिथि: 09.05.2026 | **कार्य पूरा करने की अवधि:** 18 माह

- ऑनलाइन निविदा दिनांक 09.05.2026 को 11:00 बजे तक जमा की जा सकती है।
- पूर्ण जानकारी तथा निविदा जमा करने के लिए कृपया भारतीय रेल की वेबसाईट www.ireps.gov.in देखें। 855/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
खुली निविदा संख्या : JHS-RCNK-M-TR-26-27-06
ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, झाँसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभवी और इच्छुक ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम : आरएमपीयू के नीचे एफआरपी ट्रफ के स्थान पर एसएस धातु ट्रफ लगाने का प्रावधान।

कार्य की लागत : Rs. 2,85,29,910.00/- (18% जीएसटी सहित) | **अग्रिम राशि :** Rs. 5,70,600.00/-

कार्य पूरा होने का समय : चौबीस महीने / **ऑनलाइन निविदा समापन तिथि एवं समय :** 12.05.2026 समय 11:00 बजे तक

निविदा एवं निविदा प्रारूप के बारे में विस्तृत जानकारी www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। 867/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबंधक /कार्य/ झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई- निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी- 2026-82

कार्य का नाम : मोहासा कन्सट्रक्सन ऑफ लॉगर लूप लाइन ऑन 3rd लाइन एट मोहासा स्टेशन अंडर जूरिडिक्शन ऑफ एडीईएन /ललितपुर।

अनुमानित लागत रू.: 31859195.18 | **अमानत राशि :** 637200.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 11/05/2026 at 15:00 hrs., • निविदा दिनांक 11/05/2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 851/26 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी0-ई-2026-76 | **अनुमानित लागत :** ₹ 12170195.40

कार्य का नाम: इंस्पेक्शन एंड मेंटेनेंस ऑफ ट्रैक (न्यू डबल लाइन) बिटवीन टेहरका-मऊरानीपुर एंड कुलपहाड़-महोबा सेक्शन अंडर एडीईएन/महोबा फॉर 18 माह।

अमानत राशि: ₹ 243400.00 | **निविदा बंद होने की तिथि:** 11.05.2026 at 15:00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 18 माह

निविदा दिनांक 11.05.2026 को 15.00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 847/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना संख्या: JHS-N-W-40-26 — **दिनांक:** 17.04.2026
ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या: JHS-N-W-40-26, **कार्य का नाम:** प्रोविजन ऑफ़ S&T वर्क इन कनेक्शन विथ लोंगर लूप लाइन ओन 3rd लाइन एट करारी, अनन्तपेठ & सिकरौदा क्वानरी स्टेशनस अलोंग विथ शिफ्टिंग ऑफ़ रियर एंड पॉइंट ऑफ़ अप लूप लाइन एट जिरौन स्टेशन टूवार्ड झाँसी एन्ड अपटू 90 मीटर ऑफ़ झाँसी डिवीजन।

कार्य लागत लगभग (₹): ₹ 3,86,85,461.02 | **धरोहर राशि (₹)** ₹ 7,73,700.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य: Nil. | **निविदा खुलने की तिथि:** 11.05.2026 Time 15:00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन की अवधि: 18 माह

निविदा दिनांक **11.05.2026** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें। 857/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म.प्र.)
भवन हस्तानान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हाउसिंग बोर्ड बोदाबाग कालोनी रीवा में आवंटित एल.आई.जी. भवन क्र. 39 के मूल आवंटी रासदा बेगम खान (रासदा खान) पति अब्दुल कलीम खान, पता 7/596 एम.आई.जी. भवन क्र. 24 हाउसिंग बोर्ड बोदाबाग कालोनी रीवा, जिला रीवा (म.प्र.) के द्वारा उक्त आवंटित एल.आई.जी. भवन क्र. 39 को श्री सौरभकुमार गुप्ता पिता श्री रामसुशील गुप्ता को दिनांक 18.02.2026 को पंजीयन कार्यालय रीवा के माध्यम से विक्रय किया गया है। भवन क्रय करने के पश्चात् श्री सौरभ कुमार गुप्ता पिता श्री रामसुशील गुप्ता, निवासी– वार्ड क्र. 15, हाउस नं. 1060/42क, नियर टोल प्लाजा रतहरा तहसील हुजूर, जिला रीवा (म.प्र.) द्वारा भवन अपने नाम नामान्तरण करने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 12.03.2026 को ऑफलाइन आवेदन पत्र संयुक्त शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर निवेदन किया गया हैं। जिसमें दस्तावेजों का सत्यापन दिनांक 12.03.2026 को किया गया, तत्पश्चात् उनके द्वारा दिनांक 22.04.2026 को ऑनलाइन भी आवेदन किया गया है। अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो अथवा उक्त भवन को मूल आवंटी द्वारा किसी व्यक्ति अथवा संस्था को रहन दान विक्रय आदि किया गया हो तो समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित आपत्ति प्रमाण के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा निर्धारण तिथि व्यतीत हो जाने के बाद कोई आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं होगा एवं भवन का हस्तानान्तरण श्री सौरभ कुमार गुप्ता पिता श्री रामसुशील गुप्ता के नाम पर कर दिया जावेगा।

(दीपेश रत्नाकर)
सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल रीवा (म.प्र.)

RN-85388

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना (म.प्र.)

क्र 02 / भण्डार/न.पा.नि./2026-27 — सतना दिनांक 13.04.2026

-: निविदा सूचना :-

निम्नलिखित कार्य / सप्लाई हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है।निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। :-

क्र.	एन.आई.टी क्रमांक व दि	निविदा क्रमांक	सामग्री का प्रकार	अनुमानित व्यय प्राक्कलन	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	सामग्री आपूर्ति की अवधि
1	02/01 13/04/2026	2026_UAD_499980_1	पी.व्ही.सी./जी.आई./एच.डी.पी.ई पाइप की दरें।	40,00,000/-	50,000/-	5,000/-	वित्तीय वर्ष 2026-27
2	02/02 13/04/2026	2026_UAD_499981_1	एनीकेट प्लांट हेतु सहायक सामग्री की दरें।	50,00,000/-	50,000/-	10,000/-	वित्तीय वर्ष 2026-27
3	02/03 13/04/2026	2026_UAD_499982_1	डी.आई./ सी.आई पाइप एवं सहायक सामग्री की दरें।	50,00,000/-	50,000/-	10,000/-	वित्तीय वर्ष 2026-27

शर्तेः- 1. निविदा प्रपत्र की खरीदी ऑनलाइन बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in ऑनलाइन पेमेन्ट एवं पोंटल सर्विस चार्ज के द्वारा दिनांक 14.04.2026 समय 15.30 बजे से दिनांक 15.05.2026 समय 17.30 बजे तक खरीदी जा सकती है।2. निविदा मे संसोधन की सूचना वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी, समाचार पत्र पर संसोधन की सूचना प्रकाशित नही की जावेगी।

भंडार प्रभारी नगर पालिक निगम, सतना म.प्र.

उत्तर मध्य रेलवे
क्रमांकः-झाँसी/डब्ल्यू/टी/टेण्डर जनरल/81 — **दिनांक:** 17.04.2026
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी.-ई-2026-81, **कार्य का नाम:** झाँसी डिवीज़नः- डीवाटरिंग ऑफ एक्मुलेटिड वाटर फ्रॉम वेरियस एलएचएस एंड एज डायरेक्टेड बाय साईट इंजिनियर अंडर सीनियर डीईएन/ईस्ट जूरिडिक्शन फॉर 02 इयर्स।

अनुमानित लागत (₹): ₹ 1,30,74,168.19 | **अमानत राशि (₹)** ₹ 2,61,500.00

निविदा बन्द होने की तिथि : 11.05.2026 at 15:00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन की अवधि: 24 माह

निविदा दिनांक **11.05.2026** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 849/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या	अनुमानित लागत रु.	अमानत राशि
झाँसी-इन्जी0-ई-2026-79	22758328.50	455200.00

कार्य का नाम: वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-खैरार एंड ललितपुर-खजुराहो सेक्शन:- हैवी रिपेयर/इंस्टालेशन ऑफ हाइट गेज एंड अदर एंसीलरी वर्क एट डिफरेंट एलएचएस लोकेशन अंडर जूरिडिक्शन ऑफ एडीईएन/महोबा।

निविदा बन्द होने की तिथि: 11.05.2026 at 15:00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 08 माह

• निविदा दिनांक 11.05.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 845/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी ऐरिया, इन्दौर

विज्ञप्ति क्रमांक 1243/03/2026 / परीक्षा-8, — इन्दौर, दिनांक 21.04. 2026

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा- 2026

संभागीय पर्यवेक्षकों की व्यवस्था

आयोग द्वारा राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा- 2026 आयोजन दिनांक 26.04.2026 को प्रातः 10:00 से 12:00 एवं दोपहर 02:15 से 04:15 बजे तक दो सत्रों में प्रदेश के 54 संभाग / जिला मुख्यालयों पर 365 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है। उक्त परीक्षा हेतु निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण कार्य हेतु आयोग द्वारा 22 संभागीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के निराकरण हेतु संभागीय पर्यवेक्षकों से निम्न दूरभाष नंबर पर संपर्क किया जा सकता है :-

स.क्र.	संभागीय पर्यवेक्षक का नाम	मोबाईल नंबर	नियुक्त संभाग/जिलों का नाम
01	डॉ. देवेन्द्र सिंह मरकाम, से.नि. माननीय सदस्य म.प्र. लोक सेवा आयोग	88271-04693	भोपाल जिला
02	श्री संजीव झा, से.नि. मुख्य वन संरक्षक	94799-75640	भोपाल संभाग के जिले रायसेन राजगढ़, सीहोर, विदिशा
03	श्री भगत सिंह कुलेश, से.नि. आई.ए.एस.	62600-38095	चंबल संभाग के जिले मुरैना, श्योपुर भिण्ड
04	डॉ. कृष्णकांत शर्मा, से.नि. माननीय सदस्य म.प्र. लोक सेवा आयोग	94253-38982	ग्वालियर जिला
05	श्री शेखर वर्मा, से.नि. आई.ए.एस.	99265-81755	ग्वालियर संभाग के जिले अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, गुना
06	श्री रवीन्द्र सक्सेना, से.नि. आई.एफ.एस.	94258-39395	
07	श्री डी.डी. अग्रवाल, से.नि. आई.ए.एस.	94251-65887	इन्दौर जिला
08	श्रीमती रेनु पंत, से.नि. आई.ए.एस.	94250-82088	
09	श्री एन.सी. नागराज, से.नि. उच्च न्यायिक सेवा	97520-76098	इन्दौर संभाग के जिले खण्डवा, खरगौन, बड़वानी, बुरहानपुर
10	श्री शिवनारायण रूपला, से.नि. आई. ए. एस	94251-47740	इन्दौर संभाग के जिल अलीराजपुर, धार, झाबुआ
11	श्री प्रभात पाराशर, पो.नि. आई.ए.एस.	94251-03006	जबलपुर जिला
12	श्री अशोक कुमार भार्गव, से.नि. आई.ए.एस.	94254-27525	जबलपुर संभाग के जिल नरसिंहपुर, कटनी, मण्डला, डिन्दौरी
13	श्री चतुरनुज सिंह, से.नि. आई.ए.एस	94258-99944	जबलपुर संभाग के जिले बालाघाट, छिन्दवाड़ा, सिवनी
14	श्री एस. बी. सिंह, से.नि. आई.ए.एस.	94251-30030	नर्मदापुरम संभाग के जिले नर्मदापुरम्, हरदा, बैतूल
15	श्री राजकुमार पाठक, से.नि. आई.ए.एस.	94254-13561	रीवा जिला व मऊगंज
16	श्री कृष्णमोहन गौतम, से.नि. आई.ए.एस.	94250-47345	रीवा संभाग के जिल सतना, मैहर, सीधी, सिंगरौली
17	श्री महेन्द्र सिंह भिलाला, से.नि. आई.ए.एस.	94250-93588	सागर संभाग के जिल दमोह, पन्ना, सागर,
18	डॉ. अनिल पारे से.नि. न्यायाधीश	94250-66100	सागर संभाग के जिले छतरपुर, टीकमगढ़, निवाडी
19	श्री रामगोपाल प्रजापति, से.नि. जिला न्यायाधीश	94254-72780	शहडोल संभाग के जिले शहडोल, अनूपपुर, उमरिया
20	डॉ. रमनसिंह सिकरवार, से.नि. माननीय सदस्य म.प्र. लोक सेवा आयोग	83055-90776	उज्जैन संभाग व जिले उज्जैन, देवास,
21	श्री अर्जुन सिंह डावर से.नि. अपर कलेक्टर	94250-84964	उज्जैन संभाग के जिले शाजापुर, आगर-मालवा
22	श्री आशुतोष अवस्थी, से.नि. आई.ए.एस.	94250-54358	उज्जैन संभाग के जिले मंदसौर, नीमच, रतलाम,

इसके अतिरिक्त आयोग के सुरक्षा एवं सतर्कता अधिकारी को निम्नांकित नम्बर पर भी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती है :-

श्रीमती भावना भावे — सुरक्षा एवं सतर्कता अधिकारी
सम्पर्क नम्बर 8103929695 — ई-मेल : vigoffpsc@mp.gov.in

आयोग द्वारा नियुक्त संभागीय पर्यवेक्षकों द्वारा परीक्षा तिथि के पूर्व परीक्षा केन्द्रों की व्यवस्था देखी जाएगी तथा आवश्यक सुधार हेतु सुझाव दिए जाएंगे। उनके द्वारा परीक्षा दिवस पर परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण भी किया जाएगा एवं अन्यर्थियों से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

G- 11901/26 — **परीक्षा नियंत्रक**

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना सं0 : JHS-N-W-39-26 — **दिनांक :** 17.04.2026
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : JHS-N-W-39-26 | **कार्य लागत लगभग :** Rs. 6399464.56

कार्य का नाम : प्रोविजन ऑफ़ IP इण्टरकॉम Exchange एट CMLR झाँसी RSK STLI एंड वैगन रिपेयर वर्कशॉप झाँसी एलाँग विथ HQ कनेक्टिविटी।

धरोहर राशि : Rs. 128000/- | **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** Nil.

निविदा खुलने की तिथि : 15.05.2026 Time 15:00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 09 माह

• निविदा **दिनांक 15.05.2026 को 15:00 बजे** तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें। 858/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

Office of Satna Smart City Development Limited (SSCDL)

373/1, ICC Building, Collectorate Campus Dhawari, Satna (M.P.), Pin-485001

e-TENDER NOTICE

Ref. No. SSCDL/2025/Admin/118/222 — Satna, Dated: 22/04/2026
Tender No: 2026_UAD_502132_1

Online tender through e-tendering is invited by Satna Smart City Development Limited (SSCDL), Satna, M.P. for Innova, Scorpio, Bolero and Swift Vehicle for Renting at Satna Smart City Development Limited Satna (M.P.) 2nd Call.

The brief details of the project are as below:
(i) Document Download/Sale Start Date: 22.04.2026, 18:00 Hrs.
(ii) Bid Submission Start Date: 22.04.2026, 18:30 Hrs.
(iii) Bid Submission Closing Date: 21.05.2026, 15:00 Hrs.
For eligibility details, EMD and terms & condition of the tender please visit https://mptenders.gov.in

Chief Executive Officer
Satna Smart City Development Limited
Satna (M.P.)

सार्वजनिक सूचना
न्यायालयः-पन्ना नागेश, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, रीवा, जिला-रीवा, (म0प्र0)

क्रमांक 10 न्याया0/2026 रीवा दिनांक 15.04.2026
व्यवहार वाद कमांक 765ए/2024
पेशी दिनांक 02.07.2026

1 रेवांचल डेवलपर्स प्रा0 लिमि0 द्वारा श्री मनोज उपाध्याय तनय स्व0 श्री रामगोपाल शर्मा उम्र 48 साल निवासी आनंद नगर बोदाबाग वार्ड क0 8 रीवा तहसील हुजूर रीवा म0प्र0--------------------------वादी

बनाम

1 श्रीमती उमा सिंह बघेल पत्नी श्री लाल सिंह बघेल उम्र 51 साल निवासी वार्ड कमांक 9 इंजीनियरिंग हॉस्टल के पीछे सुन्दर निवासी वार्ड कमांक 9 इजीनियरिंग कॉलेज हॉस्टल के पीछे सुन्दर नगर रीवा, तहसील हुजूर जिला रीवा म0प्र0 हाल पत्ता त्रिमूर्ति नगर बद्रिका फार्म हाउस वार्ड कमांक 5 ढेकहा रीवा जिला रीवा म0प्र0

------------------------- प्रतिवादीगण

दावा वावत् वास्ते पालन कराये जाने अनुबंध दिनांक 30.11.2021

वादी रेवांचल डेवलपर्स प्रा0 लिमि0 द्वारा आपके विरूद्ध दावा वावत् वास्ते पालन कराये जाने अनुबंध दिनांक 30.11.2021 का न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिसकी सुनवाई तारीख 02.07.2026 को 11:00 बजे दिन होगी। अगर उस दिन अवकाश घोषित हो जाता है तो आगामी कार्य दिवस में कार्यवाही होगी।

सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से आम जन को सूचित किया जाता है कि यदि वे प्रकरण के संबंध में कोई हक या अधिकार रखते है तो पेशी दिनांक 02.7.2026 को न्यायालय में स्वयं, अभिकर्ता या अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत न करने की स्थित में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 15.4.2026 को न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

(पन्ना नागेश)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड रीवा,
RN. 85389 — **जिला-रीवा, (म.प्र)**

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना संख्या: DY-CE-C-II-JHS-2026-01 — **दिनांक:** 17.04.2026
ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-II/झाँसी, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा, निविदा बंद होने की दिनांक **15.05.2026** को **15.00** बजे तक आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या: DY-CE-C-II-JHS-2026-01

कार्य का नाम: "18 महीने के लिए एडीईएन/एम/लाइन ललितपुर के अंतर्गत जेएलएन-डीयूए और एजीडी-बीना के मध्य ट्रैक (नई लाइन) का रख-रखाव"।

अनुमानित लागत: ₹ 61,62,307.20 | **धरोहर राशि:** ₹ 1,23,300.00
कार्य पूर्ण होने की अवधि: 18 माह हार्वेस्ट एवं मानसून सहित। | **वैद्यता की अवधि:** 60 दिन

निविदा बंद होने का दिनांक व समय : 15.05.2026 को 15.00 बजे

पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। 852/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम मर्यादित
Your host in the heart of India www.mpstdc.com

पर्यटन भवन, भदभदा रोड, भोपाल-462003
फोन नं. : +91 755-4027100, 2774340,42, www.mpstdc.com
क्रमांक : 183/यांत्रिकी/पविनि/26 — **दिनांक : 22.04.2026**

निविदा सूचना 152/2026_STDC_502374_1

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम भोपाल द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा प्रपत्र APPENDIX 2.10 पर म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:- जिला सतना में चित्रकूट परिक्रमा पथ पर जन सुविधाओं की वृद्धि हेतु विकास कार्य आंतरिक विद्युतीकरण सहित। (04 माह) कार्य की लागत राशि रु. 496.00 लाख**

वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्युमेंट) वेबसाइट के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 07.05.2026 समय सायं 05:00 बजे तक** निर्धारित है। कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

म.प्र. माध्यम/125443/2026 — **कार्यपालन यंत्री**

सूचना
जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

अधिवक्ताओं से मिलकर डॉ. श्रद्धा सिंह ने मांगा समर्थन

रीवा। जिला अधिवक्ता संघ के कोषाध्यक्ष पद की प्रत्याशी डॉ. श्रद्धा सिंह अधिवक्ता (मझियार)ने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाते हुए अधिवक्ता साथियों से सीधे संवाद स्थापित किया। जनसंपर्क के दौरान डॉ. श्रद्धा सिंह ने अधिवक्ता साथियों से व्यक्तिगत मुलाकात कर उनका स्नेह, आशीर्वाद एवं समर्थन मांगा। प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल एक पद का नहीं, बल्कि अधिवक्ता साथियों के विश्वास, पारदर्शिता और सम्मान की रक्षा का चुनाव है।उन्होंने विश्वास दिलाया कि यदि उन्हें अवसर मिलता है, तो वे संघ की वित्तीय व्यवस्था को पूर्णतः पारदर्शी, जवाबदेह एवं व्यवस्थित बनाते हुए प्रत्येक अधिवक्ता के हितों को सर्वोपरि रखेंगी।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उनके लिये **मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी** निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी.-ई-2026-83

कार्य का नाम: झाँसी डिवीजनः- जोन नंबर 8: एनुअल सेक्शनल कॉन्ट्रैक्ट फॉर रिपेयर एंड मेंटनेंस वर्क एंड सप्लाई ऑफ़ मटेरियल अंडर एडीईएन/महोबा सब डिवीज़न फ्रॉम झाँसी (एक्सक्लुडिंग) टू बरिपुरा (इन्क्लुडिंग), महोबा (इन्क्लुडिंग) टू खजुराहों (एक्सक्लुडिंग) फॉर दा ईयर 2026-27।

अनुमानित लागत: ₹ 12700000.00 | **अमानत राशि:** ₹ 254000.00
निविदा बन्द होने की तिथि: 15.05.2026 at **15.00** hrs.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी.-ई-2026-84

कार्य का नाम: झाँसी डिवीजनः- जोन नंबर 8ए: एनुअल सेक्शनल कॉन्ट्रैक्ट फॉर रिपेयर एंड मेंटनेंस वर्क एंड सप्लाई ऑफ़ मटेरियल अंडर एडीईएन/महोबा सब डिवीज़न फ्रॉम खुजराहों (इन्क्लुडिंग), टू ललितपुर (एक्सक्लुडिंग) फॉर दा ईयर 2026-27।

अनुमानित लागत: ₹ 17000000.00 | **अमानत राशि:** ₹ 340000.00
निविदा बन्द होने की तिथि: 15.05.2026 at **15.00** hrs.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी.-ई-2026-85

कार्य का नाम: झाँसी डिवीजनः- जोन नंबर 9: एनुअल सेक्शनल कॉन्ट्रैक्ट फॉर रिपेयर एंड मेंटनेंस वर्क एंड सप्लाई ऑफ़ मटेरियल अंडर एडीईएन/बाँदा सब डिवीज़न फ्रॉम बरिपुरा (एक्सक्लुडिंग), मानिकपुर (एक्सक्लुडिंग) एंड खैरार टू भीमसेन (एक्सक्लुडिंग) फॉर दा ईयर 2026-27।

अनुमानित लागत: ₹ 15000000.00 | **अमानत राशि:** ₹ 300000.00
निविदा बन्द होने की तिथि: 15.05.2026 at **15.00** hrs.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह

- निविदा दिनांक **15.05.2026** को **15.00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे।
- पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 868/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

M.P. HOUSING & INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT BOARD

Online percentage rate bids for the following works are invited from Reputed firm/Agency/Manufacturers fulfilling registration criteria :-

S. No.	System Tender No./ No. of Call	Name of Work	Probable Amount		Completion Period	Purchase Start Date and End Date	Date of Bid Submission	Date of Tender Opening
1.	2026_MPHID_501389_1 (1st Call)	Construction of Degree College I/C Development Work at Baikunthpur, Distt. Rewa (M.P.)	PAC	Rs. 889.58 Lacs	18 (Eighteen) Months I/C Rainy Season	23.04.2026 10:30 A.M. To 13.05.2026 17:30 Hrs.	14.05.2026 17:30 Hrs.	15.05.2026 17:30 Hrs.
			Cost of Form	20000/-				
			GST	3600/-				
			Total	23600/-				
			EMD	8,89,580/-				
2.	2026_MPHID_501390_1 (1st Call)	Construction of Boundary Wall at Rewa Engineering College Campus, Rewa (M.P.)	PAC	Rs. 105.52 Lacs	12 (Twelve) Months I/C Rainy Season	23.04.2026 10:30 A.M. To 10.05.2026 17:30 Hrs.	11.05.2026 17:30 Hrs.	12.05.2026 17:30 Hrs.
			Cost of Form	12500/-				
			GST	2250/-				
			Total	14750/-				
			EMD	105520/-				
3.	2026_MPHID_501391_1 (1st Call)	Construction of Boundary Wall 300 Meter Length for Girls Hostel and Repairing of Boundary Wall of 2300 Meter Length at ITI Rewa (M.P.)	PAC	Rs. 37.73 Lacs	09 (Nine) Months I/C Rainy Season	23.04.2026 10:30 A.M. To 10.05.2026 17:30 Hrs.	11.05.2026 17:30 Hrs.	12.05.2026 17:30 Hrs.
			Cost of Form	5000/-				
			GST	900/-				
			Total	5900/-				
			EMD	50000/-				

Note :- Interested bidder can view the detailed NIT on website **www.mptenders.gov.in.** Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Visit us : www.mphousing.in
Email : eednhbrwa@mp.gov.in
M.P. Madhyam/125436/2026
/mphidb /mphidb

EXECUTIVE ENGINEER
MPHIDB, Div. Rewa
Mob. : 9406912003

आवश्यकता है
कर्मचारी की आवश्यकता है।
8770231515
9993634826
R- 85386 (24/4)

लोन
लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - **8962086944**

संक्षिप्त खबरें

हाईकोर्ट की अन्य बेंच करेगी नर्सिंग फर्जीवाड़ा की सुनवाई

जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने बहुचर्चित नर्सिंग कालेज फर्जीवाड़ा मामले की सुनवाई के लिए दूसरी बेंच का निर्धारण कर दिया है। इसे तहत अब यह मामला न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की अध्यक्षता वाली युगलपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए लगेगा। दरअसल, याचिकाकर्ताओं की ओर से त्वरित सुनवाई की मांग की गई थी। कोर्ट को बताया गया था कि सीबीआई द्वारा अयोग्य घोषित किए गए 117 नर्सिंग कालेजों के छात्रों की परीक्षाएं 27 अप्रैल से प्रस्तावित हैं। यदि समय रहते हाई कोर्ट में सुनवाई नहीं हुई तो हजारों छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य न्यायाधीश ने नई व्यवस्था दे दी। मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को होगी। दरअसल, 2022 में ला स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने इस मामले में जनहित याचिका दायर की थी। इसमें प्रदेश के निजी नर्सिंग कालेजों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा, मानकों की अनदेखी और अवैध मान्यता का आरोप लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने पहले सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। बाद में कई कालेजों को अयोग्य घोषित किया गया। नौ अप्रैल को कोर्ट ने वर्ष 2024 में जीएनएम परीक्षा देने वाले करीब 30 हजार छात्रों के परिणाम घोषित करने पर रोक लगा दी थी।

सिंहस्थ-2028, डीजीपी ने जांची सुरक्षा व्यवस्था

मुख्य संवाददाता, भोपाल। आगामी सिंहस्थ-2028 की तैयारी के लिए बुधवार को उच्जैन में डीजीपी कैलाश मकवाणा ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। डीजीपी ने पुलिस ड्यूटी पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहा कि इसके जरिए ड्यूटी के लिए पुलिसकर्मियों का ऑनलाइन पंजीयन, सत्यापन और डेटा प्रबंधन आसानी से हो सकेगा। सिंहस्थ साइबर सुरक्षा योजना के पोस्टर का अनावरण भी किया गया, जिसका मकसद डिजिटल डेटा की सुरक्षा, फेक न्यूज पर नियंत्रण और रियल टाइम साइबर इंटेलिजेंस को मजबूत करना है। बैठक में उज्जैन एसपी ने बताया कि सिंहस्थ-2028 में लगभग 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। प्रबंधन के लिए पुलिस और केंद्रीय बलों का उपयोग किया जाएगा। भीड़ प्रबंधन, घाटों की सुरक्षा और यातायात नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक और रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम का सहारा लिया जाएगा। इस आयोजन के लिए पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए 21 दिवसीय प्रशिक्षण मॉड्यूल का शुभारंभ भी किया गया।

मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब और ऑगर्न ट्रांसप्लांट की मिलेंगी सुविधाएं,अस्पतालों में बनेंगे शेल्टर होम

डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने कई अहम प्रस्तावों पर लगाई मुहर

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार अगले पांच सालों में राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब और ऑगर्न ट्रांसप्लांट जैसी सुविधाएं स्थापित करने की दिशा में काम करेगी। इसके लिए 2 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसी तरह सरकारी अस्पतालों में मरीजों के परिजनों को ठहरने के लिए शेल्टर होम बनाएं जाएंगे। इस निर्णय पर बुधवार को मोहन कैबिनेट ने मुहर लगा दी। यह व्यवस्था निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों पर भी लागू होगी। मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। जिसके बारे में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों में अब भर्ती मरीजों के परिजनों के लिए ठहरने और खाने -पीने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। कैबिनेट ने उस प्रस्ताव पर मुहर लगाई है,जिसमें मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में ठहरने और खाने-पीने की सस्ती व्यवस्था देने की बात कही गई थी। इस प्रस्ताव के तहत यह सुविधा नो प्रॉफिट -नो लॉस आधार पर स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा संचालित की जाएगी। इससे दूर -दराज से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग इसके लिए चरणबद्ध तरीके से वर्तमान में संचालित 20 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए सामाजिक संस्थाओँ से प्रस्ताव आमंत्रित करेगा। इसके लिए सरकार केवल जमीन उपलब्ध कराएगी,जबकि भवन निर्माण से लेकर बिजली-पानी सहित सभी व्यवस्थाएं संबंधित संस्थाओं द्वारा किया जाएगा। इसके एवज में मरीजों के परिजनों से न्यूनतम शुल्क लेने के बारे में समिति द्वारा निर्णय लिया जाएगा। पटेल ने बताया कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत प्रदेश में उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने, चिकित्सा महाविद्यालयों में उन्नयन और मण्डला में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना के लिए 5 हजार 479 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने सीएम केयर योजना 2026 को भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। इस योजना के तहत अगले 5 सालों में 3628 करोड़ की राशि सरकार द्वारा खर्च की जाएगी। इसी तरह सरकार अगले 5 सालों में कक्षा 6वीं और 9 वीं के छात्रों को साइकिल देने के लिए 990 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इस प्रस्ताव पर भी मंत्रिपरिषद ने सहमति जताई है।

सिंचाई परियोजाएं स्वीकृत

कैबिनेट में उज्जैन सहित दूसरे अंचलों के लिए सिंचाई परियोजनाओं के प्रस्तावों पर भी मुहर लगाई गई है।

23 करोड़ 90 लाख किए गए स्वीकृत

मंत्रि-परिषद् द्वारामुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तृतीय चरण को तीन वर्ष के संचालन के लिए 23 करोड़ 90 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही लोक सेवा प्रबंधन विभाग को अग्रिम कार्यवाही तथा प्रक्रिया निर्धारण कर नियमों एवं निर्देशों को जारी कर क्रियान्वयन के लिये अधिकृत किया गया है।

छिंदवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिये स्वीकृत राशि 840 करोड़ 80 लाख रूपये के स्थान पर लगभग 969 करोड़ रूपये का विशेष पुनर्वास पैकेज स्वीकृति किया गया है। यह विशेष पैकेज त्वरित क्रियान्वयन व विस्थापितों के अपेक्षित सहयोग के लिए केन-बेतवा अन्तर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के समकक्ष प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है।

राजस्थान पुलिस तीनों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को 27 को पेश करे: हाईकोर्ट

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के एक कथित पत्र को इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट करने के मामले में मध्य प्रदेश कांग्रेस सेल के तीन कार्यकर्ताओं की अवैध रूप से गिरफ्तारी पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर भोपाल से पूछा है कि बिना ट्रांजिट रिमांड या कानूनी प्रक्रिया का पालन किए, कार्यकर्ताओं को राजस्थान पुलिस को कैसे सौंप दिया। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर भोपाल, एसएचओ साइबर क्राइम ब्रांच भोपाल, राजस्थान के ज्योतिनगर पुलिस थाने के एसएचओ सज्जन सिंह को नोटिस जारी कर इस पूरे मामले में जवाब मांगा है। कोर्ट ने राजस्थान पुलिस को तीनों कार्यकर्ताओं को अगली सुनवाई यानी 27 अप्रैल को पेश करने के निर्देश भी दिए। कोर्ट ने जहांगीराबाद, भोपाल स्थित पुलिस परिवहन व अनुसंधान संस्थान के 20 अप्रैल, 2026 को दोपहर दो बजे से 21 अप्रैल, 2026 को शाम पांच बजे तक सीसीटीवी फुटेज भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। राजधानी भोपाल निवासी खिजर खान सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता एचएस छाबड़ा ने पक्ष रखा।

विधायक लोधी को भाजपा ने थमाया नोटिस

एसडीओपी को धमकी देने के मामले में भाजपा संगठन नाराज, तीन दिन में मांगा जवाब

विशेष संवाददाता भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा ने अपने विधायक प्रीतम लोधी को पुलिस अधिकारी को धमकाने पर नोटिस थमा दिया है और उनसे तीन दिन के अंदर जवाब मांगा हैं। जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि उनका आचरण आपत्तिजनक है। गौरतलब है कि पिछले दिनों विधायक लोधी के पुत्र दिनेश लोधी द्वारा पांच लोगों को टक्कर मारने का मामला सामने आया था। जिससे उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस मामले पर विधायक प्रीतम लोधी का एक वीडियो वायरल हुआ था,जिसमें उनके द्वारा एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ को धमकी देते सुना गया था कि वे समर्थकों के साथ आकर उनके सरकारी आवास में गोबर भर देंगे और उनका बेटा करैरा आएगा और वहां से चुनाव भी लड़ेगा,तेरे डैडी में दम हो तो रोक लेना। लोधी के बयान पर मध्यप्रदेश आईपीएस एसोसिएशन ने भी आपत्ति जताई थी,तो कांग्रेस ने भी इस मामले पर सरकार पर हमला बोला था। इस पर बुधवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रीतम लोधी को नोटिस थमाते हुए 3 दिन के अंदर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। नोटिस में कहा गया कि पिछले कुछ दिनों से आपके द्वारा किया गया आचरण अत्यंत आपत्तिजनक है,जो पार्टी के अनुशासन के अनुरूप नहीं है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा के भीतर स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता है,तो उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जानकारों की मानें तो दिल्ली ने भी लोधी के बयान पर एतराज जताया है और प्रदेश नेतृत्व से जवाब मांगा गया है। पार्टी ने लोधी को दिए गए नोटिस की प्रतिलिपि राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश भाजपा प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह के अलावा वरिष्ठ नेताओं और शीर्ष पदाधिकारियों को भी भेजी है।

दिल्ली पहुंचा मामला, केंद्रीय आईपीएस एसो. ने खोला मोर्चा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। शिवपुरी जिले की पिछोर सीट से बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी द्वारा आईपीएस अधिकारी डॉ. आयुष जाखड़ के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणियों और धमकी के खिलाफ एमपी आईपीएस एसोसिएशन के बाद केंद्रीय आईपीएस एसोसिएशन ने भी मोर्चा खोल दिया है। केंद्रीय आईपीएस एसोसिएशन ने विधायक के आचरण पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि यह लोकसेवक की गरिमा पर हमला है और वह मजबूती से एमपी आईपीएस एसोसिएशन के साथ है। बुधवार को केंद्रीय एसोसिएशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सार्वजनिक जीवन में गरिमा, अखंडता और कानून का सम्मान सर्वोपरि है और इस तरह की अभद्र भाषा और व्यक्तिगत हमले न केवल अधिकारी का मनोबल गिराते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को भी कमजोर करते हैं। अब सेंट्रल एसोसिएशन के इस मामले में दखल के बाद प्रीतम लोधी परेशानियों से घिरते नजर आ रहे हैं।

10वीं के बाद ही प्रवेश लेकर बन सकेंगे आयुर्वेद डॉक्टर

संस्कृत विश्वविद्यालय ने तैयार किया नया कोर्स

जागरण, भोपाल। संस्कृत विवि को रोजगार परक शिक्षा से जोड़ने नई पहल की गई है। अभा स्तर पर नया एकीकृत कोर्स तैयार किया गया है, जिसमें कक्षा 10वीं पास विद्यार्थी आयुर्वेद चिकित्सक कोर्स में प्रवेश लेकर डाक्टर बन सकेंगे। 10वीं के विद्यार्थी सीधे साढ़े सात वर्षीय आयुर्वेद पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर चिकित्सक बनकर रोजगार पा सकेंगे। पहले चरण में यह कोर्स केंद्रीय संस्कृत विवि नई दिल्ली द्वारा शुरू किया जा रहा है, जिसमें संबद्धता प्राप्त संस्थान के जरिए भी प्रवेश दिया जाएगा। बाद में अगले शैक्षणिक सत्र से केंद्रीय संस्कृत संस्थानम् (डीम्ड विवि) भोपाल सहित देश भर के लगभग दस से अधिक विवि में भी यह कोर्स शुरू किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य संस्कृत पृष्ठभूमि वाले छात्रों को पहले 2 वर्ष का प्री-आयुर्वेद पाठ्यक्रम पढ़ाया जायेगा। फिर साढ़े पांच वर्षीय बीएएमएस डिग्री अध्यापन कार्य होगा, इसमें एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप भी शामिल रहेगी। इस प्रकार साढ़े सात वर्ष में वे आयुर्वेदिक डॉक्टर बन सकेंगे।

नीट के समकक्ष प्रवेश परीक्षा: प्रवेश के लिए 10वीं के बाद नीट के समकक्ष पीएपी नीट परीक्षा होगी। सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी ने संबद्धता के लिए पोर्टल के माध्यम से व्यवस्था की है। आगामी सत्र से यह कोर्स प्रारंभ होने जा रहा है।

संबद्धता के लिए पोर्टल सुविधा

सेंट्रल संस्कृत विवि ने कोर्स के लिये एक संबद्धता पोर्टल भी प्रारंभ किया है। इससे देशभर के अन्य संस्थान भी जुड़ सकेंगे। आयुर्वेद चिकित्सक के एकीकृत कोर्स को नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन ने ही बनाया है। एनसीआईएसएम, देशभर के आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, सोवा- रिग्पा चिकित्सा पद्धतियों के लिये मापदंड बनाने से लेकर पाठ्यक्रम, मान्यतायें प्रदान करना व विभिन्न व्यवस्थाओं का पालन कराती है।

आउटसोर्स कर्मचारी हुए लामबंद ठेका प्रथा बंद करने की उठाई मांग

श्रम विभाग के सचिव को सौंपा मांग पत्र

जागरण, भोपाल। प्रदेश के शासकीय विभागों, कार्यालयों में कार्यरत आउटसोर्स अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर लामबंद हो गए हैं। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कर्मचारी नियुक्त करने में उपयोग की जा रही ठेका प्रथा बंद करने व समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों द्वारा मंत्रालय में श्रम विभाग के संचिव को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अनेक आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित थे 7 युवा आउटसोर्सिंग सामाजिक कल्याण समिति द्वारा मंत्रालय में मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव श्रम को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित मांग पत्र दिया गया। इसमें आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। दीपक सिंह तथा आशीष सिंह के नेतृत्व में संगठन पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके पहले कर्मियों ने शांतिपूर्ण रैली निकाल कर प्रदर्शन भी किया। कर्मचारियों ने मानदेय, वेतन में असमानता, समय पर भुगतान न होना, सेवा में स्थायित्व का अभाव, बिना सूचना सेवा समाप्ति, सामाजिक सुरक्षा, काम के अनुरूप वेतन न मिलना तथा सेवा शर्तों में पारदर्शिता की कमी की ओर शासन का ध्यान आकृष्ट कराया है।

विभागों में कार्यरत संविदा कर्मियों को चाहिए स्थायित्व

प्रदेश सरकार के विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को स्थाई किए जाने की दरकार है। जुलाई 2023 में सरकार ने स्पष्ट किया था कि संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों के समकक्ष वेतन और सुविधाएं दी जाएं, लेकिन 3 साल बाद भी 10 बड़े विभागों में इसका पूरा अमल नहीं हो सका। इसका सीधा असर 1 लाख से ज्यादा कर्मचारियों पर पड़ा है। इन्हें हर महीने हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। गौरतलब है कि संविदा कर्मचारियों के पदों को नियमित पदों से समकक्षता तय करते हुए उनके वेतनमान निर्धारित किए गए थे। यह निर्णय सामान्य प्रशासन विभाग के 22 जुलाई 2023 के दिशा-निर्देशों के पालन में लिया गया है।

प्रमुख मांगें

- बिचौलिया (ठेका प्रथा) समाप्त कर कर्मचारियों को विभाग से सीधे वेतन भुगतान किया जाए।
- 10 से 15 प्रतिशत तक मानदेय में वृद्धि की जाए।
- सेवा में बार-बार रखने एवं पृथक करने की प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए तथा सेवा अवधि 62 वर्ष निर्धारत की जाए।
- आउटसोर्स कर्मचारियों को आकस्मिक अवकाश, मातृत्व एवं पितृत्व अवकाश की पात्रता प्रदान की जाए।
- स्थानांतरण के संबंध में स्पष्ट नीति बनाई जाए, जिससे कर्मचारियों की वरिष्ठता सुरक्षित रह सके ।
- आउटसोर्स कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का लाभ प्रदान किया जाए।
- काम के दौरान दुर्घटना होने की स्थिति में बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।
- आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित/संविदा कर्मचारियों के समकक्ष न्यूनतम वेतन प्रदान किया जाए।
- कार्य के दौरान मृत्यु होने की स्थिति में आश्रित को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की जाए।

द्वारका नगरी योजना से शहर होंगे विकसित

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में शहरीकरण की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार ने विशेष प्रबंध किए हैं। द्वारका नगरी योजना भी उसी दिशा में उठाया गया एक बढ़ा कदम है। द्वारका योजना शहरों के विकास की नई रुपरेखा लिखेगी। सीएम ने यह बात बुधवार को मंत्रालय में द्वारका नगरी योजना के नियमों और प्रकिया के बारे में विभागीय प्रस्तुतिकरण का अवलोकन के उपरांत कही। योजना शहरों को सुनियोजित, सुविधा सम्पन्न और भावी जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बनाने के सरकार के संकल्प की पूर्ति है। योजना से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में नियोजित विकास को नई गति मिलेगी। नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रदेश के हर नागरिक को बेहतर परिवेश, पक्के आवास, मजबूत आधारभूत संरचना और गुणवत्तापूर्ण जीवन मिले। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रदेश के शहरी स्वरूप को आधुनिक और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि योजना में प्रदेश के नगरीय निकायों से प्राप्त किये जाने वाले प्रस्तावों में शहर की प्रमुख सड़कों का विकास एवं मरम्मत, शहर की समुचित सफाई, जन-सुविधा विकास-विस्तार से संबंधित कार्यों को तवज्जो दी जाये।

जनगणना के लिए जिला स्तर पर बनेंगे कंट्रोल रूम, हर वार्डों में होगी हेल्प डेस्क

अधिकारियों से बोले संभागायुक्त- काम पारदर्शी, बिना गलती के समय पर पूरा हो

जागरण संवाददाता, भोपाल। जनगणना की गुणवत्ता और निगरानी के संभाग के हर जिले में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम तत्काल स्थापित करने होंगे। जहां से आम लोगों को टोल फ्री नंबर के जरिए जनगणना के विषय में जानकारी मिल सकेगी। इतना ही नहीं जिलों के हर वार्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित करनी होंगी। जहां प्रगणकों के नंबर साझा किए जाएंगे। यह निर्देश संभाग आयुक्त व संभागीय जनगणना अधिकारी संजीव सिंह ने बुधवार आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान दिए। जनगणना 2027 का कार्य समय सीमा में पूरा हो सके। इसके लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में हर सप्ताह समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। वहीं प्रगणकों को भी काम करने में किसी तरह की परेशानी न हो। इसके लिए स्थानीय स्तर पर संयुक्त दल का गठन किया जाएगा। बैठक में भोपाल, विदिशा और रायसेन के एडीएम सहित संभाग के सभी जिलों के जनगणना अधिकारी और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में संभाग आयुक्त ने साफ किया कि जनगणना का पहला चरण यानी मकान सूचीकरण का कार्य पूरी तरह पारदर्शी, त्रुटिरहित और समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने साफ किया कि काम में लापरवाही और ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

33 सवालों के जवाब देकर कर सकते हैं स्व-गणना

इस दौरान जनगणना निदेशालय की सहायक निदेशक एंसी रेजी ने तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण (मकान सूचीकरण) एक मई से 30 तक चलेगा। पहली बार पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी। पहली बार नागरिकों को सेल्फ एन्युमरेशन (स्व-गणना) का विकल्प दिया गया है। नागरिक 16 से 30 अप्रैल तक पोर्टल पर जाकर घर बैठे 33 सवालों के जवाब ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद 1 मई से प्रगणक घर-घर जाकर इनका सत्यापन करेंगे। बैठक में आयुक्त सिंह को बताया गया कि हाउस लिस्टिंग का काम लगभग पूरा हो चुका है। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसे 26 अप्रैल तक हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। बता दें कि यह देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना होगी, जिसका प्रबंधन सीएमएमएस पोर्टल के जरिए किया जाएगा।

बदलाव — बड़े विभागों से लेकर पीएमओ में भी संभाल रहे अहम जिम्मेदारी

केंद्र में एमपी कैडर के आईएएस का दबदबा, 8 केंद्रीय मंत्रियों के निज सचिव

मुख्य संवाददाता, भोपाल। दिल्ली के गलियारों में एमपी कैडर के आईएएस अधिकारियों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में की गई नियुक्तियों के बाद केंद्र सरकार में 8 मंत्रियों के निजी सचिव (प्राइवेट सेक्रेटरी) के तौर पर एमपी कैडर के अधिकारी कमान संभाल रहे हैं। यह किसी भी एक राज्य से केंद्र में निजी सचिव के रूप में तैनात आईएएस अफसरों की सबसे बड़ी संख्या है। 2009 बैच के डॉ. तेजस्वी एस. नायक भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी, 2011 बैच के बी. विजय दत्ता शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर, 2012 बैच के नीरज सिंह वाणिच्य एवं उद्योग राच्य मंत्री जितिन प्रसाद, 2012 बैच के डॉ. पंकज जैन कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के निजी सचिव के तौर पर पदस्थ हैं।

आठ में से 5 अफसर 2012 बैच के: 2012 बैच के ही प्रवीण अढ़ायच पूर्व मुख्यमंत्री और फिलहाल केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निजी सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसी बैच के बी कार्तिकेयन खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी के यहां अटैच हैं। इसके अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के निजी सचिव के रूप में 2013 बैच के हर्ष दीक्षित तैनात हैं, जबकि 2012 बैच के डॉ. राहुल फाटिंग हरिदास हाल ही में केंद्रीय मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्री राजीव रंजन सिंह के पीएस नियुक्त किए गए हैं। इन आठ नामों के अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में भी एमपी कैडर के 2012 बैच के आईएएस अधिकारी चंद्रमोहन ठाकुर वर्तमान में उप सचिव के पद पर काम कर रहे हैं। जानकारों के मुताबिक केंद्रीय मंत्रियों के निजी सचिव बनने की प्रक्रिया कठिन होती है, क्योंकि नियुक्ति से पहले अधिकारियों के बैकग्राउंड और उनके कामकाज के रिकॉर्ड की गहराई से पड़ताल की जाती है।

फिलहाल 46 अफसर प्रतिनियुक्ति पर तैनात

एमपी कैडर के 390 आईएएस अफसरों में से इस समय कुल 46 अफसर प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं। इनमें आधे से अधिक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में ही पदस्थ हैं। अगर संख्या के नजरिए से देखें तो इस समय एमपी कैडर के 15 प्रतिशत आईएएस प्रदेश से बाहर हैं। इनमें से कई तो लंबे समय से प्रदेश लौटे ही नहीं हैं। अगर नियमों की बात करें तो अखिल भारतीय सेवाओं के वरिष्ठ स्तर पर 40 फीसदी से अधिक पद डेपुटेशन पर नहीं होने चाहिए, लेकिन एमपी में यह आंकड़ा काफी कम है। हालांकि एमपी के अधिकांश अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर अहम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

ये सीनियर भी संभाल रहे अहम जिम्मेदारी

अलका उपाध्याय - सचिव अल्पसंख्यक कल्याण, मनोज गोविल - सचिव कैबिनेट सचिवालय, पंकज अग्रवाल - सचिव ऊर्जा, आशीष श्रीवास्तव - सचिव इंटर स्टेट काउंसिल (गृह विभाग), वी.एल. कांता राव - सचिव खनन, नीलम शमी राव - सचिव टेक्सटाइल, दीप्ति गौड़ मुखर्जी - सचिव कॉर्पोरेट अफेयर्स, विवेक अग्रवाल - सचिव संस्कृति, हरि रंजन राव - सचिव खेल, पल्लवी जैन गोविल - सचिव यूथ अफेयर्स, नितेश व्यास - डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर, फैज अहमद किदवई - महानिदेशक डीजीसीए, कौरोलिन खोंगवार देशमुख - अतिरिक्त सचिव ग्रामीण विकास, आकाश त्रिपाठी - अतिरिक्त सचिव ऊर्जा, निकुंज श्रीवास्तव - सीनियर एडवाइजर विश्व बैंक वाशिंगटन, पवन कुमार शर्मा - डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर, अजीत कुमार - संयुक्त सचिव महिला एवं बाल विकास, ज्ञानेश्वर पाटिल - विकास आयुक्त, एक्सपोर्ट एसईजेड सांताक्रूज मुंबई, राहुल जैन - संयुक्त सचिव वित्त, स्वाति मीणा नायक - संयुक्त सचिव जलशक्ति, शशांक मिश्रा - संयुक्त सचिव ऊर्जा, छवि भारद्वाज - संयुक्त सचिव डीओपीटी, जे.पी. आइरिन सिंथिया - एमडी कामराजार पोर्ट लिमिटेड, विकास अग्रवाल - उप प्रमुख कोचीन पोर्ट ट्रस्ट, वी. किरण गोपाल - संयुक्त सचिव नेशनल हेल्थ अथॉरिटी, नंदकुमारम - सीईओ एनईजीडी, एस. विश्वनाथन - उप प्रमुख चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी, प्रियंका दास - डिप्टी डायरेक्टर लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी, अविनाश लवानिया - निदेशक कृषि एवं कृषक कल्याण, तरुण कुमार पिथौड़े - सदस्य सचिव सीएक्यूएम, सूफिया फारूखी वली - महाप्रबंधक एफसीआई।

विधायक सप्रे मामले में स्पीकर के समक्ष सिंघार ने रखा पक्ष

जल्द निर्णय लेने का आग्रह, 29 को हाईकोर्ट में सुनवाई

विशेष संवाददाता, भोपाल। बीना विधायक निर्मला सप्रे के मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात की और उनके समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर उनसे जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि इस मामले पर 29 अप्रैल को हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। पक्ष रखने के उपरांत सिंघार ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बीना की जनता विधानसभा अध्यक्ष की ओर देख रही है। उन्होंने अपेक्षा जताई कि इस मामले में जल्द ही निष्पक्ष निर्णय लिया जाएगा। सिंघार ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बीना में चुनाव कराने से बच रही है,इसी कारण विधायक निर्मला सप्रे के मामले को लगातार लंबित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सभी तथ्यों और साक्ष्यों की जानकारी सार्वजनिक है,तो कार्रवाई में देरी क्यों की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार ऐसे मामलों में 90 दिनों में निर्णय लेना चाहिए, लेकिन ढाई साल बीत जाने के बाद भी कोई फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि यदि विस अध्यक्ष द्वारा शीघ्र निर्णय नहीं लिया इस मामले में हाईकोर्ट निर्णय लेगा।

सप्रे के प्रतिनिधि पहुंचे विधानसभा

जानकारी के अनुसार विधायक निर्मला सप्रे को 22 अप्रैल को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होना था,लेकिन उनकी ओर से केवल प्रतिनिधि ही विधानसभा परिसर पहुंचे। हालांकि इस मामले में किसी ने पुष्टि नहीं की हैं।

संक्षिप्त समाचार

मिर्जापुर में भीषण हादसा 11 लोगों की मौत

मिर्जापुर, जेएनएन। उप्र के मिर्जापुर के ड्रमंडगंज इलाके में बुधवार रात एक भीषण हादसे में दो ट्रकों की चपेट में आने से दो कारों पर सवार 11 लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक रजत कौशिक ने घटना के बारे में संवाददाताओं को बताया कि रात लगभग साढ़े आठ बजे पुलिस को एक सूचना मिली कि ड्रमंडगंज घाटी से नीचे उतरते वक्त एक ट्रक सम्भवत: ब्रेक फेल होने के कारण एक अन्य ट्रक से टकरा गया और उनके बीच एक कार फंस गयी। उन्होंने बताया कि ट्रक ने एक अन्य कार को भी टक्कर मारी जिससे उसमें आग लग गयी। कौशिक ने बताया कि इसकी सूचना पर तत्काल पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य तत्काल प्रभाव से शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में अभी तक 11 लोगों की मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई है।

चंडीगढ़ पुलिस के सामने पेश नहीं हुईं मधु किश्वर

चंडीगढ़/ नई दिल्ली, जेएनएन। प्रसिद्ध लेखिका मधु किश्वर बुधवार को चंडीगढ़ पुलिस के सामने पेश नहीं हुईं। पुलिस ने उन्हें एक मिसलीडिंग वीडियो केस में पूछताछ के लिए नोटिस दिया था, जो उनके दिल्ली स्थित आवास पर जाकर सौंपा गया। मधु किश्वर के मुताबिक 20 अप्रैल की रात करीब पांच पुलिसकर्मी (दो महिला कर्मी सहित) उनके घर पहुंचे। उस समय वह वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं, इसलिए पुलिस से इंतजार करने को कहा। उन्होंने कहा कि रात में पुलिस का आना उचित नहीं लगता। चंडीगढ़ में दर्ज एफआईआर में आरोप है कि एक वीडियो को गलत पहचान के साथ सोशल मीडिया पर वायरल किया। इससे एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की छवि को नुकसान पहुंचाने व समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश की गई।

पंजाब के बेअदबी कानून को हाई कोर्ट में चुनौती

चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए सख्त बेअदबी कानून जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 की कानूनी वैधता को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। जालंधर निवासी 43 वर्षीय सिमरनजीत सिंह ने व्यक्तिगत रूप से यह याचिका दायर की है। याचिका में इस नए कानून को रद्द करने की मांग की गई है, जिसमें बेअदबी के मामलों में उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। फिलहाल कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई के लिए कोई तारीख तय नहीं की है। याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि यह अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 254(2) का उल्लंघन करता है। याचिका के अनुसार, चूंकि यह कानून आपराधिक दंड (समवर्ती सूची) से संबंधित है और मौजूदा केंद्रीय कानून भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के विपरीत है।

होमस्टे में रुकी अमेरिकी महिला से रेप

बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक के कूर्ग हिल स्टेशन से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां दो युवकों पर आरोप है कि उन्होंने होमस्टे में एक अमेरिकी महिला टूरिस्ट से रेप किया। पीड़ित महिला अमेरिका की रहने वाली है और वह कट्टा गांव में स्थित एक होमस्टे में रुकी थी। पुलिस ने इस मामले में होमस्टे के मालिक और एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी की पहचान झारखंड के रहने वाले बृजेश कुमार के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने महिला के ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाया और फिर होमस्टे में ही उसके साथ रेप किया। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसे ड्रिंक में नशे की कोई चीज मिलाकर दी गई थी। जांच में पुलिस को पता चला कि इस मामले में होमस्टे का मालिक भी शामिल था। उसने पूरी घटना को दबाने की कोशिश की।

बंगाल में 478, तमिलनाडु में 4023 उम्मीदवार आजमा रहे किस्मत

बंगाल में 152 तो तमिलनाडु में सभी सीटों के लिए वोटिंग आज

पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी ने झोंकी पूरी ताकत

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में आज 16 जिलों की 152 सीटों पर विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान होगा। इस चरण में 1478 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा।

उधर, तमिलनाडु में भी गुरुवार को राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा। राज्य में 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। एक ओर तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर एक ही झटके में सत्ता का फैसला होने जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में अगले कई हफ्तों तक चलने वाली सियासी बिसात के पहले चरण में 152 सीटें के लिए वोट डाले जाएंगे।

पश्चिम बंगाल के पहले चरण का मतदान क्यों है खास?: पश्चिम बंगाल में पहले चरण के लिए वोटिंग होगी, इस मतदान से ही यह तय कर देगा कि बंगाल में किस ओर हवा बह रही है। भाजपा और टीएमसी दोनों ने ही इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पहले चरण में बंगाल की 152 सीटों पर मतदान होगा। इसमें 3.6 करोड़ वोटर्स हिस्सा लेंगे। 1478 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने के लिए 44000 से अधिक पोलिंग बूथ तैयार हैं। नंदीग्राम से लेकर दार्जिलिंग की पहाड़ियों तक, सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच बंगाल अपनी नई सरकार की पहली सीढ़ी चढ़ेगा।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले चेन्नई में एक कार की जांच करते सीआरपीएफ के जवान।

तमिलनाडु-बंगाल में 1072 करोड़ की जब्ती

चुनाव आयोग ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि 2026 के विधानसभा चुनावों और उप-चुनावों के दौरान तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अवैध नकदी, शराब, नशीले पदार्थों, सोने-चांदी सहित कुल जब्ती का आंकड़ा 1,072.13 करोड़ रुपये पहुंच गया है। चुनाव से पहले ईसीआई की कार्रवाई ताबड़तोड़ जारी है। आयोग के अनुसार, 26 फरवरी से 22 अप्रैल 2026 तक, दोनों राज्यों में कुल 1,072.13 करोड़ रुपये की जब्तियां की गई हैं। इनमें तमिलनाडु में 599.24 करोड़ रुपये और पश्चिम बंगाल में 472.89 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त हुई है। चुनावी उल्लंघनों से जुड़ी जब्तियों में दोनों राज्यों में जबरदस्त वृद्धि दर्ज हुई है।

पीएम को आतंकी कहने पर खरगे को आयोग का नोटिस

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए विवादित आतंकवादी बयान को लेकर नोटिस जारी किया है। आयोग ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए 24 घंटे के भीतर जवाब तलब किया है। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई पर कांग्रेस ने कहा कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार का संलग्न कार्यालय है।

भाजपा गुजरात से ला रही मतदाता: टीएमसी

डेरेक ओ ब्रायन

तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। टीएमसी का आरोप है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले, 48 घंटे की साइलेंस पीरियड (मौन अवधि) के दौरान भाजपा ने सूरत से बंगाल के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उतरा राफेल

सुलतानपुर, जेएनएन। यूपी के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार दोपहर 2 बजे लड़ाकू विमानों का एयर शो शुरू हुआ। करीब 3 घंटे चले एयर शो में सबसे पहले वायु सेना के सी 295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ने एक्सप्रेस-वे पर बने रनवे पर लैंडिंग की। इसके बाद जगुआर ने उड़ान भरी। राफेल, सुखोई और मिराज फाइटर जेट्स ने भी टेकऑफ और लैंडिंग की। सेना के एम 17 हेलीकॉप्टर से कमांडोज ने सैन्य ऑपरेशन की मॉक ड्रिल की। एम 32 भीष्म एयर क्राफ्ट ने भी एयर स्ट्रिप पर टच एंड गो का अभ्यास किया। आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए एक्सप्रेस-वे पर 3.2 किमी लंबी इमरजेंसी एयरस्ट्रिप बनाई गई है। इस एयर शो को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी है। 6 घंटे चलने वाले एयर शो के लिए 5 किलोमीटर का एरिया सील कर दिया गया है।

आई-पैक रेड मामले में सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

हकीकत से आंखें नहीं मूंद सकते

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आई-पैक रेड मामले में कथित हस्तक्षेप को लेकर कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि वह 'जमीनी हकीकत से आंखें नहीं मूंद सकती' और मौजूदा हालात लोकतंत्र के लिए चिंताजनक हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सुनवाई के दौरान तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी राज्य का सीएम जांच के दौरान सीधे मौके पर नहीं जा सकता। ऐसा करना 'लोकतंत्र को खतरे में डालने' जैसा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला केंद्र बनाम राज्य का विवाद नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के आचरण से जुड़ा है, जो संयोग से मुख्यमंत्री है।

कोर्ट की टिप्पणी: यह असाधारण स्थिति

बेंच में शामिल जजों ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच हालात 'असाधारण' हैं। अदालत केवल सैद्धांतिक कानूनी दलीलों पर नहीं, बल्कि जमीनी परिस्थितियों पर भी ध्यान देगी। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि पहले भी राज्य में न्यायिक अधिकारियों को घेरने जैसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जो चिंताजनक हैं।

मध्यावधि चुनाव से पहले बढ़ी रिपब्लिकन की चिंता, अधिकांश लोग ट्रंप के खिलाफ

लोकप्रियता में गिरावट: 63 फीसदी अमेरिकी ट्रंप के कामकाज से असंतुष्ट

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका में होने वाले मध्यावधि चुनावों में अब केवल छह महीने का समय शेष है, लेकिन इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बुरी खबरें सामने आ रही हैं। हालिया ओपिनियन पोल्स (मतदान सर्वेक्षण) के अनुसार, अर्थव्यवस्था, अप्रवासन और ईरान संघर्ष जैसे प्रमुख मुद्दों पर ट्रंप के प्रबंधन से जनता का भरोसा कम होता दिख रहा है। यह गिरावट न केवल ट्रंप बल्कि उनसे जुड़े रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंची अप्रूवल रेटिंग: रॉयटर्स-इप्सोस, स्ट्रेंथ और एपी-एनओआरसी द्वारा किए गए तीन अलग-अलग सर्वेक्षणों में राष्ट्रपति ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग 33 प्रतिशत से 36 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई। यह उनके कार्यकाल के सबसे निचले स्तर पर है।

एनबीसी के मुताबिक
- 29 प्रतिशत लोगों के लिए अर्थव्यवस्था सबसे बड़ा मुद्दा है।
- 24 प्रतिशत लोग लोकतंत्र के खतरों को लेकर चिंतित हैं।
- 12 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवा और 10 प्रतिशत अपराध को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अर्थव्यवस्था: एपी-एनओआरसी के सर्वे के अनुसार, 70 प्रतिशत अमेरिकियों का मानना है कि देश की आर्थिक स्थिति खराब है। ट्रंप के आर्थिक प्रबंधन को केवल 30 प्रतिशत लोगों ने सराहा है, जो मार्च में 38 प्रतिशत था।

महंगाई: जीवन यापन की बढ़ती लागत पर केवल 23 प्रतिशत जनता ने ट्रंप का समर्थन किया है, जबकि 76 प्रतिशत लोग उनके कामकाज से असंतुष्ट हैं।

प्रवासन नीति और हिंसक झड़पों का असर: रॉयटर्स-इप्सोस के पोल में पाया गया कि ट्रंप की प्रवासियों को देश निकाला देने की नीति रिपब्लिकन पार्टी को भारी पड़ सकती है। 52 प्रतिशत अमेरिकियों ने कहा कि वे उन उम्मीदवारों को वोट देने की संभावना कम रखते हैं जो ट्रंप की निर्वासन नीति का समर्थन करते हैं। जनवरी 2025 में पदभार संभालने के समय इस नीति को 50 प्रतिशत समर्थन प्राप्त था, जो अब घटकर 40 प्रतिशत रह गया है। मिनेपोलिस में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा एजेंटों के बीच हुई झड़पों में दो लोगों की मौत के बाद प्रशासन ने प्रवासियों को हिरासत में लेने की प्रक्रिया धीमी कर दी है।

दिल्ली में आईआरएस अफसर की बेटी से घर में रेप के बाद हत्या

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के कैलाश हिल्स इलाके में बुधवार सुबह एक सीनियर आईआरएस अफसर के घर में उनकी 22 साल की बेटी की रेप के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 6 बजे हुई। आईआरएस अफसर और उनकी पत्नी रोज की तरह जिम गए हुए थे। वह यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। शुरुआती जांच के अनुसार, उसके साथ पहले रेप किया गया। फिर मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर हत्या की गई। घटना के करीब 14 घंटे बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी, पूर्व नौकर 19 साल के राहुल मीणा को गिरफ्तार किया। वह द्वारका के एक होटल में छिपा हुआ था।

सरप्राइज का झांसा देकर युवती ने बॉयफ्रेंड को जिंदा जलाया

बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक के बेंगलुरु में पुलिस ने बुधवार को एक युवती को बॉयफ्रेंड की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवती ने 21 अप्रैल को सरप्राइज देने का झांसा देकर युवक की आंखों पर पट्टी बांधी। फिर कुर्सी पर बैठाकर रस्सी से हाथ-पैर बांधे और जिंदा जला दिया। युवती ने बॉयफ्रेंड की मौत का वीडियो भी बनाया। आरोपी प्रेमा और मृतक किरण, दोनों 27 साल के थे। दोनों शहर के राजाजीनगर स्थित मोबाइल स्टोर में साथ काम करते थे।

कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघ शावक की मौत

जागरण, मंडला। जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व के सरही वन क्षेत्र में एक नर बाघ शावक मृत अवस्था में मिला। सूचना के बाद एनटीसीए और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस दौरान पूरे इलाके को सुरक्षित किया और डॉग स्क्वॉड की मदद से गहन जांच कराई। दरअसल यह मामला बड़े अमाही नाला के पास बीट सरहीनकान में सामने आया, जहां गश्त के दौरान वन कर्मियों को बाघ का शावक मृत हालत में मिला। घटना के दौरान एक भावुक नजारा भी देखने को मिला, जब मृत शावक के पास उसकी मां और अन्य शावक मौजूद थे। डिप्टी डायरेक्टर अमिता केबी ने बताया कि शावक पहले से कमजोर था और पिछले दो दिनों से उसकी तलाश की जा रही थी।

क्रिकेटर हरलीन देओल के साथ फोटो डालकर फंसे युजवेंद्र!

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। वैसे तो उनकी टीम आईपीएल 2026 की पॉइंट्स टेबल में टॉप पर चल रही है, लेकिन युजी की एक नई फोटो ने इंटरनेट पर हंगामा मचा दिया है। हाल ही में चहल ने भारतीय महिला टीम की स्टार क्रिकेटर हरलीन देओल के साथ एक फोटो शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब भी हम मैदान पर कदम रखते हैं, हर बार जादू बिखेरते हैं। युजी ने तो यह फोटो एक दोस्त और साथी खिलाड़ी के नाते डाली थी, लेकिन ट्रोलर्स ने इसे तुरंत आड़े हाथों ले लिया। लोगों ने कमेंट सेक्शन में हरलीन देओल को चहल से सावधान रहने तक की सलाह दे डाली। यह सारा बवाल एक्ट्रेस और डिजिटल क्रिएटर तानिया चटर्जी (गंदी बात फेम) के एक खुलासे से शुरू हुआ है। तानिया ने हाल ही में दावा किया कि साल 2023 में युजवेंद्र चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर क्यूट लिखकर मैसेज (डीएम) किया था।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ने नए उद्देश्य और ब्रांड पहचान की घोषणा की

मुंबई। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने बुधवार को अपने नए उद्देश्य और ब्रांड पहचान का अनावरण किया। यह ग्रुप के विकासक्रम में एक निर्णायक मोड़ है, जो इसकी नई पहचान, रणनीति और महत्वाकांक्षा को भविष्य की प्रगति के साथ जोड़ता है। 129 वर्षों की सुदृढ़ विरासत और नए स्वरूप की आधुनिक ऊर्जा से प्रेरित यह पहचान ग्रुप के कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रियल एस्टेट, फाइनेंशियल सर्विसेज, एग्रीकल्चर और केमिकल्स जैसे विविध पोर्टफोलियो में एक स्पष्ट रणनीतिक तालमेल स्थापित करती है। इस ऐतिहासिक बदलाव की घोषणा मुंबई स्थित मुख्यालय, गोदरेज वन में आयोजित एक मीडिया बैठक में की गई। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के मनोनीत अध्यक्ष पिरोजशा गोदरेज ने कहा, 1897 से निरंतर निर्माण, हर आने वाले कल का हमारे उस विश्वास को दर्शाता है कि मूल्य और परिणाम सदैव साथ चलने चाहिए। अगले पाँच वर्षों में कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 5,00,000 करोड़ तक पहुँचने की उम्मीद है।

भोपाल में आज से चार डिग्री तक चढ़ेगा पारा, 17 जिलों में लू का अलर्ट जारी

अभी और सताएगी तेज गर्मी, हीट वेव से बचाव की एडवाइजरी दी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल समेत पूरे मध्य प्रदेश में अब सूरज की तपिश लोगों को बेहाल करने वाली है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, प्रदेश के ऊपर से गुजर रही ट्रफ लाइन का असर खत्म हो गया है, जिसके चलते गुरुवार से आसमान पूरी तरह साफ हो जाएगा। बादलों के छंटते ही सूरज की सीधी किरणें धरती पर पड़ेंगी, जिससे तापमान में 3 से 4 डिग्री तक का बड़ा उछाल आने की उम्मीद है। बुधवार को भोपाल में अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री और न्यूनतम 24.0 डिग्री दर्ज किया गया। बादलों की मौजूदगी और 10 से 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा के कारण थोड़ी राहत थी, लेकिन अब गुरुवार से तीखी धूप तपन बढ़ाएगी।

नर्मदापुरम और खजुराहो सबसे गर्म: प्रदेश में गर्मी के तेवर अभी से तीखे हैं। बुधवार को नर्मदापुरम और छतरपुर का खजुराहो 43.0 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहे। इसके अलावा सीधी में 42.6 , नौगांव (छतरपुर) में 42.5, रायसेन में 42.2 और रतलाम में 42.0 डिग्री अधिकतम तापमान रिकार्ड हुआ। बुधवार को प्रदेश में मौसम के अलग रंग भी देखने को मिले। सिवनी में जहां बूंदाबांदी हुई, जबकि सतना, शिवपुरी, नीमच, मंदसौर, गुना और अशोकनगर में धूल भरी आंधी चली। इसके अलावा नर्मदापुरम जिले मे स्थित प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन सबसे ठंडा रहा, यहां न्यूनतम तापमान केवल 14.8 डिग्री रहा।

लू का ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए 17 जिलों में लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें छिंदवाड़ा, रायसेन, नर्मदापुरम, आलीराजपुर, झाबुआ, धार, रतलाम, ग्वालियर, दतिया, भिंड, सतना, मंडला, बालाघाट, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और पांढुर्णा जिले शामिल हैं। इसके अलावा नर्मदापुरम में बुधवार को गर्म रात दर्ज की गई। बुधवार को छिंदवाड़ा, रायसेन और नर्मदापुरम में लू का प्रकोप रहा।

बाहर निकलने और लू से बचाव के उपाय

- हाइड्रेटेड रहें- दिनभर खूब पानी पिएं। ओआरएस , नींबू पानी, छाछ और लस्सी का सेवन करें।
- धूप से बचें- दोपहर 12 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलें। जरूरी हो तो सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।
- सही पहनावा- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- सावधानी- बच्चों या पालतू जानवरों को खड़ी गाड़ी में अकेला न छोड़ें। चक्कर आने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- इमरजेंसी किट- घर में पानी, खराब न होने वाला भोजन, दवाइयां और प्राथमिक चिकित्सा किट तैयार रखें।
- खेती- मिट्टी में नमी के लिए सुबह-शाम हल्की सिंचाई करें। मल्चिंग का प्रयोग करें और कीटनाशकों के छिड़काव से बचें। फसल पकते ही समय पर कटाई करें।
- पशुपालन- पशुओं को छायादार और हवादार जगह पर रखें। उन्हें दिन में 3-4 बार साफ पानी दें। दोपहर 12 से 4 बजे के बीच चराई पर न ले जाएं और आहार में नमक व खनिज मिलाएं।

2017-18 के मुकाबले 2025 में दोगुना हुआ आंकड़ा

भारत में बीमारी का बोझ बढ़ा: 7.5 से बढ़कर 13 प्रतिशत हुई बीमारी दर

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में स्वास्थ्य को लेकर एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। हालिया सर्वे के मुताबिक 2025 में हर 8 में से 1 भारतीय (करीब 13 फीसदी) ने पिछले 15 दिनों में बीमार होने की बात कही है, जबकि 2017-18 में यह आंकड़ा सिर्फ 7.5 फीसदी था। यानी कुछ ही वर्षों में बीमारी का बोझ लगभग दोगुना हो गया है।

सर्वे में सबसे बड़ा बदलाव लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों में देखा गया। दिल, डायबिटीज, थायरॉइड और हाइपरटेंशन जैसी बीमारियों से ग्रसित लोगों का हिस्सा अब लगभग आधी आबादी तक पहुंच गया है। 2025 में 25.6 फीसदी लोगों ने दिल की बीमारी की शिकायत की जबकि 2017-18 में यह 16.7 फीसदी था। वहीं मेटाबॉलिक और एंडोक्राइन बीमारियां 24.2 फीसदी (पहले 15 फीसदी) तक पहुंच गईं हैं। यह संकेत देता है कि बदलती जीवनशैली, खानपान और तनाव का असर स्वास्थ्य पर साफ दिख रहा है। यह सर्वे साफ दिखाता है कि भारत में बीमारियों का स्वरूप बदल रहा है—संक्रामक रोग कम हो रहे हैं, लेकिन लाइफस्टाइल बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। साथ ही इलाज का बढ़ता खर्च और बढ़ती बीमारी दर यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य व्यवस्था और नीतियों को और मजबूत करना जरूरी होगा, खासकर रोकथाम और जागरूकता पर ध्यान देने की जरूरत है।

पहल आयुर्वेदिक, होम्यो. सहित अन्य अस्पतालों में बनेंगे तंबाकू त्याग केंद्र, इलाज के साथ देंगे बेहतर संदेश

तंबाकू मुक्त होंगे आयुष अस्पताल परिसर

जागरण, भोपाल। आयुष विभाग के अधीन संचालित मेडिकल कॉलेजों में अच्छी स्वास्थ्य वर्धक पहल की गई है। भोपाल सहित मध्यप्रदेश के किसी भी आयुर्वेद, होम्योपैथिक, यूनानी जैसे कॉलेजों में तंबाकू, गुटखा का सेवन नहीं हो पाएगा। इसके लिए भारत सरकार के नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत के साथ प्रचार प्रसार किया जाएगा और तंबाकू त्याग केंद्र बनाए जाएंगे। केंद्र सरकार के आदेश के अनुसार वाराणसी उत्तरप्रदेश, रायपुर छत्तीसगढ़, आयुष केम्पस भोपाल, देहरादून उत्तराखंड, नई दिल्ली, पटना बिहार, समेत देशभर के आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, सोवा- रिग्पा आयुष मेडिकल संस्थानों में तम्बाकू त्याग केंद्र (टीसीसी) सेंटर्स स्थापित होंगे। उक्त निर्देश बोर्ड ऑफ आयुर्वेद नेशनल कमीशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन आयुष मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के सदस्य डॉ अतुल बी वार्ष्णेय ने सर्कुलर जारी कर दिये हैं। संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि इसके लिये आवश्यक संसाधन, बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षित जनशक्ति सुदृढ़ता के साथ उपलब्ध कराया जाये। चिकित्सकीय रूप में ओपीडी में भी विस्तृत रूप में तंबाकू छोड़ने संबंधित विचारों-गतिविधियों को जनमानस के लिए प्रचारित कर समझाया जाये। इसके लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता, दीवार लेखन, नुक्कड़ नाटक आदि का सहारा लिया जाए।

तंबाकू मुक्त बनाने के लिए बेहतर कदम

आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने इसे छात्र, जूनियर डॉक्टर्स, चिकित्सक, टीचिंग, नॉन टीचिंग व हॉस्पिटल स्टॉफ के हितार्थ तथा जनहितैषी बताते हुये आयुष संस्थानों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। डॉ पांडेय के अनुसार एनसीआईएसएम का उद्देश्य है कि तंबाकू मुक्त समाज बने ताकि कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों व मृत्यु दर में भी कमी आए।

संस्थाओं को भेजना होगी रिपोर्ट

एनसीआईएसएम (भारतीय चिकित्सा पद्दति राष्ट्रीय आयोग) नई दिल्ली की तरफ से डॉ अतुल बी. वार्ष्णेय ने यह भी स्पष्ट किया कि आयुष संस्थानों ने इस दिशा में जो भी कार्य किये हों तथा अभी तक की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट आयोग को भेजना होगा। डॉ वार्ष्णेय ने कहा है कि तंबाकू त्याग सेंटरों के संबंध में जो आदेश जारी किया गया है। उसका सभी को पालन करना होगा। इस प्रक्रिया की विस्तृत निगरानी भी कराई जाएगी।

200 मिलियन लोग खाते हैं तंबाकू

एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश समेत देशभर में लगभग 200 मिलियन लोग विभिन्न रूपों में तंबाकू सेवन करते हैं। इनमें 42.4 प्रतिशत पुरुष व 14.2 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। जानकारी के अनुसार प्रतिवर्ष 1.2 से 1.35 मिलियन डेथ भी इसके कारण होती हैं। आयुष संस्थानों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाए रखने से स्वस्थ समाज का निर्माण होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। जिससे लोग तंबाकू उत्पादों के त्याग के लिए प्रेरित होंगे।

छेड़छाड़ के आरोपी को पेड़ से बांध मूंछ-भौंहें काटीं

जागरण, नीमच। जिले के मांगरोल चक गांव में एक छेड़छाड़ के मामले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। दरअसल मदन बंजारा नामक युवक पर आरोप है कि उसने गांव की एक विधवा महिला के घर में घुसकर उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। महिला और उसके बेटे ने साहस दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी को पेड़ से बांध दिया। इतना ही नहीं उन्होंने आरोपी के सिर के बाल काट दिए, मूंछें-भौंहें साफ कर दीं।

बाजार पर नजर

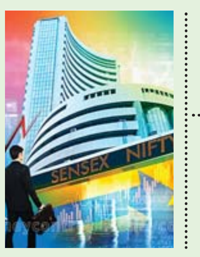

शेयर बाजार में आज

-757 78,516

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Nestle	1,396.00	7.27%
HUL	2,335.70	3.55%
Trent	4,444.50	3.48%
ICICI Bank	1,393.10	2.37%
Bajaj Finance	945.95	2.05%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
SBI Life Insura	1,891.70	-3.58%
Bharat Elec	449.45	-1.32%
Jio Financial	234.10	-1.01%
Dr Reddys Labs	1,218.40	-0.97%
Titan Company	4,465.00	-0.74%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	93,9400
€ यूरो	109.94
¥ येन	0.5872
£ पौंड	126.23

'ग्रीन रेवोल्यूशन': एविएशन फ्यूल में एथेनॉल मिलाने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने एविएशन सेक्टर में प्रदूषण कम करने और महंगे कच्चे तेल के आयात को घटाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) में एथेनॉल ब्लेंडिंग को मंजूरी दे दी है। इसके लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर एटीएफ मार्केटिंग नियमों में बदलाव किया है। इस फैसले से न केवल हवाई यात्रा क्लीन होगी, बल्कि भारत की विदेशी तेल पर निर्भरता भी कम होगी। मंत्रालय के नोटिफिकेशन के अनुसार, अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल की परिभाषा को अपडेट किया गया है। अब एटीएफ में हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ सिंथेसाइज्ड कंपोनेंट्स (जैसे एथेनॉल) को भी शामिल किया जा सकेगा। यह भारतीय मानकों के अनुरूप होगा। सरकार का यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहे एसएएफ के चलन को ध्यान में रखकर किया गया है।

कच्चे तेल पर निर्भरता होगी कम

तेल आयात और विदेशी मुद्रा की बचत होगी: भारत अपनी जरूरत का करीब 87 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण अक्सर तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहता है, जिसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। हवाई ईंधन में एथेनॉल मिलाने से कच्चे तेल की खपत कम होगी, जिससे सरकार को विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी।

100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य-नितिन गडकरी: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत को 100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखना चाहिए। हमें फॉसिल फ्यूल (जीवाश्म ईंधन) पर अपनी निर्भरता को पूरी तरह खत्म करने की जरूरत है। गडकरी लंबे समय से फ्लेक्स-फ्यूल और ग्रीन हाइड्रोजन के इस्तेमाल पर जोर दे रहे हैं। सरकार का ध्यान केवल विमानों तक ही सीमित नहीं है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अप्रैल 2027 से लागू होने वाले कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी नॉर्म्स का इलेक्ट्रिक वाहनों और फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों पर बुरा असर नहीं पड़ेगा। इसका मतलब है कि सरकार भविष्य में पर्यावरण के अनुकूल चलने वाली गाड़ियों को बढ़ावा देना जारी रखेगी। कैफ-3 नॉर्म्स वाहनों के औसत ईंधन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के मानक हैं, जो पर्यावरण सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं।

कृषि अवशेष और कचरे से बनता है एसएएफ

सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल यानि एसएएफ एक ऐसा वैकल्पिक ईंधन है जिसे कुकिंग ऑयल, कृषि अवशेष और कचरे से तैयार किया जा सकता है। इसमें एथेनॉल का मिश्रण भी अहम भूमिका निभाता है। इसकी सबसे बढ़ी खासियत यह है कि इसके इस्तेमाल के लिए विमान के इंजन या मौजूदा फ्यूल सप्लाई सिस्टम में बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। यह पारंपरिक जेट फ्यूल के मुकाबले कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम कर देता है।

कोडिंग के भविष्य को लीड करेंगे एलन मस्क

स्पेस एक्स 5,600 अरब रुपये में एआई स्टार्टअप कर्सर को खरीदेगी

नई दिल्ली, जेएनएन। अरबपति एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेस-एक्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कोडिंग स्टार्टअप कर्सर के साथ बड़े समझौते की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि वह इस साल के अंत तक कर्सर को करीब 60 अरब डॉलर (लगभग 5,600 अरब रुपये) में खरीद सकती है या फिर उसके साथ काम करने के लिए 10 अरब डॉलर का निवेश कर सकती है। इस सौदे का मकसद एआई कोडिंग के क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करना है। स्पेस-एक्स ने बताया कि दोनों कंपनियां मिलकर बेहतर एआई कोडिंग टूल बनाने पर काम करेंगी। कंपनी के मुताबिक, इसका लक्ष्य दुनिया का सबसे अच्छा कोडिंग और ज्ञान आधारित एआई तैयार करना है। हाल ही में स्पेस-एक्स, मस्क की एआई कंपनी एड एआई के साथ भी जुड़ चुकी है। मस्क ने माना था कि उनकी कंपनी कोडिंग टूल्स में पीछे है, इसलिए अब इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

कर्सर करता क्या है

कर्सर एक एआई आधारित टूल है, जिसे 2023 में लॉन्च किया गया था। यह प्रोग्रामर्स को कोड लिखने और गलतियां सुधारने में यूजर्स की मदद करता है। यह स्टार्टअप तेजी से लोकप्रिय हुआ है और डेवलपर्स के बीच इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। एआई के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ऐसे टूल्स की जरूरत भी बढ़ी है, जिससे कर्सर इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कंपनी बन गया है और निवेशकों का ध्यान खींच रहा है।

एआई कोडिंग टूल्स सेक्टर में तेजी से बढ़ रही प्रतिस्पर्धा

एआई कोडिंग टूल्स के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ रही है। कई बड़ी कंपनियां और स्टार्टअप्स इस दिशा में नए प्रोडक्ट्स ला रहे हैं। स्पेस-एक्स का यह कदम इसी प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने की कोशिश माना जा रहा है। कंपनी के पास बड़ी तकनीकी क्षमता और संसाधन हैं, जिससे वह इस क्षेत्र में तेजी से विकास कर सकती है। आने वाले समय में इस डील का असर पूरे टेक सेक्टर पर देखने को मिल सकता है।

शेयर बाजार

सेंसेक्स 757, निफ्टी 198 अंक टूटा

मुंबई, जेएनएन। पश्चिम एशिया संकट जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार में तीन दिनों से जारी तेजी बुधवार को थम गई। सेंसेक्स में करीब 757 अंकों की गिरावट रही जबकि निफ्टी 198 अंक टूट गया। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी और पश्चिम एशिया में लंबे समय तक अस्थिरता की आशंका से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 756.84 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूटकर 78,516.49 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 831.03 अंक तक लुढ़क गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 198.50 अंक यानी 0.81 प्रतिशत गिरकर 24,378.10 अंक पर बंद हुआ।

टेक महिंद्रा का लाभ 1,353.8 करोड़ हुआ

नई दिल्ली, जेएनएन। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 1,353.8 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 1,166.7 करोड़ रुपये रहा था। टेक महिंद्रा ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 12.6 प्रतिशत बढ़कर 15,076.1 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 13,384 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर लाभ एवं राजस्व में क्रमशः 20.7 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में टेक महिंद्रा का लाभ 13.15 प्रतिशत बढ़कर 4,810.9 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 में 4,251.5 करोड़ रुपये था। परिचालन आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 56,815.4 करोड़ रुपये हो गई।

वस्त्र निर्यात में 3.16 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, जेएनएन। हस्तशिल्प सहित देश का वस्त्र निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 2.1 प्रतिशत बढ़कर 3.16 लाख करोड़ रुपये हो गया। 2024-25 में यह 3.09 लाख करोड़ रुपये था। वस्त्र मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी यह जानकारी देते हुए बताया कि यह वृद्धि उस समय हुई जब समूचे वित्त वर्ष के अधिकतर समय क्षेत्र को उसके सबसे बड़े निर्यात गंतव्य अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क का सामना करना पड़ा। अमेरिका ने जवाबी शुल्क व्यवस्था दो अप्रैल 2025 को 10 प्रतिशत से लागू की और यह दर निरंतर तेजी से बढ़ती गई।

आईटी में छंटनी: ईएमआई ट्रैप के डर से कम हुई घर खरीदी

नई दिल्ली, जेएनएन। आईटी सेक्टर में छंटनी और नई भर्तियों में गिरावट का असर अब देश के रियल एस्टेट मार्केट पर दिखने लगा है। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहरों में, जहां घर खरीदने वालों का एक बड़ा हिस्सा सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स हैं, वहां बाजार की रफ्तार सुस्त पड़ रही है। आईटी सेक्टर में बढ़ती अस्थिरता ने मध्यम आय वर्ग के खरीदारों के बीच असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। ओरेकल जैसी दिग्गज कंपनियों द्वारा की गई बड़ी छंटनी नौकरियों में आई 8 प्रतिशत की गिरावट ने इस संकट को और गहरा दिया है। आईटी सेक्टर में छंटनी और एआई से हो रहे बदलावों ने खरीदारों के बीच ईएमआई ट्रैप का डर पैदा कर दिया है। 30 से 45 वर्ष की आयु के प्रोफेशनल्स अब बड़े निवेश से बच रहे हैं। नाइट फ्रैंक इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 की पहली तिमाही में आठ प्रमुख शहरों के आवासीय बाजार में सुस्ती के संकेत मिले हैं। घरों की बिक्री में सालाना आधार पर 4% की गिरावट दर्ज की गई है, जो घटकर 84,827 यूनिट रह गई है। नए प्रोजेक्ट्स की लॉन्चिंग में भी 2 प्रतिशत की कमी आई है, जिससे यह साफ होता है कि महामारी के बाद रियल एस्टेट सेक्टर में आया जबरदस्त उछाल अब धीरे-धीरे कम हो रहा है।

प्रदेश की बॉर्डर्स पर बंद की गईं सभी चैक पोस्ट खोलने के निर्देश

हाईकोर्ट ने सरकार को दी 30 दिन की मोहलत

जागरण, जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में कहा है सड़कों पर ओवरलोडिंग रोकना आवश्यक है। कोर्ट ने प्रदेश की बॉर्डर्स पर बंद की गईं सभी अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट को खोलने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने इसके लिए एक माह की मोहलत दी है। दरअसल, पूर्व में सरकार ने इस संबंध में अभिवचन दिया था। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि अदालत में दिए वचन का पालन करना जरूरी है। सतना निवासी रजनीश त्रिपाठी की ओर से अधिवक्ता जुबिन प्रसाद एवं भानु प्रकाश विश्वकर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि पूर्व में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। उसमें आरोप था कि ओवरलोडिंग ट्रकों व अन्य वाहनों के चलते सबसे ज्यादा सड़कें खराब होती हैं। इस मामले में सरकार ने हाईकोर्ट में अंडरटेकिंग दी थी कि ओवरलोडिंग रोकने हर संभव प्रयास किया जाएगा। याचिका लंबित रहने के दौरान सरकार ने 1050 करोड़ रुपए का निवेश करके विभिन्न बॉर्डर क्षेत्रों में 19 चेक पोस्ट खोली थीं। बंद चेकपोस्ट खालने की सरकार की अंडरटेकिंग पर हाईकोर्ट ने उक्त जनहित याचिका का निराकरण कर दिया था। अवमानना याचिका में आरोप लगाया गया कि अगले वर्ष यानी 2024 में ही सरकार ने उक्त सभी चेक पोस्ट को बंद कर दिया। अब बिना चेकिंग के ही ओवरलोड वाहन अन्य राच्यों से मप्र में आते हैं, जिससे सड़कें खराब होती हैं। इसके लिए विधानसभा से अनुमति नहीं ली गई और न ही कोई अधिसूचना जारी की गई। सरकारी खजाने को भी बहुत नुकसान हो रहा है।

कैट ने आइपीएस के दावे पर विचार के निर्देश दिए

जबलपुर। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, कैट की युगलपीठ ने तीन राच्य पुलिस अधिकारियों के हक में राहतकारी अंतरिम आदेश पारित किया। इसके तहत भारतीय पुलिस सेवा, आइपीएस के दावे पर विचार करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच यथास्थिति बकरार रखने की व्यवस्था दी गई है। साथ ही केंद्र व राच्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया गया है। याचिकाकर्ता जबलपुर में पदस्थ एडिशनल एसपी जितेंद्र सिंह के अलावा सत्येंद्र सिंह तोमर व महेश कुमार वैश्य की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे व अक्षय खंडेलवाल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता 1998 बैच के राच्य पुलिस अधिकारी हैं। उन्हें 56 वर्ष की आयुसीमा पार करने के कारण आइपीएस के दावे से बाहर किया जा रहा है। दरअसल, ओवरएज होने की वजह याचिकाकर्ता नहीं हैं बल्कि केंद्र व राच्य शासन ने प्रत्येक पांच वर्ष में किए जाने वाले अनिवार्य कैडर रिव्यू में विलंब किया है।

तेंदुए ने पांच पर किया हमला पकड़ने गया वनकर्मी घायल

जागरण, धार। जिले के धामनोद में एक तेंदुए ने बस्ती में घुसकर महिला समेत 4 लोगों को घायल कर दिया। वन विभाग की टीम जब तेंदुए को पकड़ने पहुंची तो वनकर्मियों पर हमला कर दिया और भाग गया। तेंदुए के हमले का एक वीडियो सामने आया है। घटना धामनोद वन परिक्षेत्र के गुजरी डेहरिया में बुधवार सुबह की है। वन रक्षक दद्दू सिंह, महेश वास्केल, ग्यारसी लाल सोलंकी, कांताबाई राठौड़ और विकास डावर घायल हैं, उन्हें धार जिला अस्पताल रेफर किया है। तेंदुए का पता लगाने के लिए वनकर्मियों को तैनात किया है। इस टीम में 30 से अधिक कर्मचारी हैं, जिनमें डीएफओ विजय टी. नथम, धामनोद के एसडीओ (वन) और मांडव रेंजर शामिल हैं। घटनास्थल पर पंद्रह पुलिसकर्मी भी तैनात हैं। ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ अचानक झाड़ियों से निकलकर बस्ती में आया और हमला कर दिया। वह आसपास ही छिपा है। इससे इलाके में दहशत है। घायल वन रक्षक दद्दू सिंह ने बताया कि वह तेंदुए की सर्चिंग के लिए गए थे।

नक्कटा तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले: धीरेंद्र

जागरण, खजुराहो। लेंसकार्ट में तिलक-मंगलसूत्र पाबंदी को लेकर कंपनी के माफी मांगने के बाद भी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस विवाद में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की एंट्री हुई है। प्रयागराज (उप्र) में धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमंत कथा के दौरान लेंसकार्ट कंपनी को चेतावनी दी। उन्होंने कहा- एक कंपनी है उसका नाम लेंसकार्ट है, उसने अपनी कंपनी के वर्करों को कहा है कि हमारे यहां कोई तिलक लगा के नहीं आ सकता, मंगलसूत्र पहन के नहीं आ सकता, सिंदूर लगा के नहीं आ सकता। पं. धीरेंद्र ने कहा- ठटरी के बरे! नक्कटा! तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है? जिनको तिलक से, चंदन से, वंदन से, राम से, श्याम से, हनुमान से, बाबा बागेश्वर से दिक्कत हो, वो पतली गली लाहौर खिसक लें। बाबा बागेश्वर की कथा 23 अप्रैल गुरुवार तक आयोजित होगी।

लेंसकार्ट में तिलक-मंगलसूत्र पाबंदी पर भड़के बागेश्वर धाम

कंपनी की सफाई- सभी धर्मों का सम्मान करते हैं : विवाद बढ़ने के बाद कंपनी के सीईओ पीयूष बंसल ने कहा कि लेंसकार्ट सभी धर्मों का सम्मान करता है। कर्मचारियों को अपने धार्मिक प्रतीक पहनने की पूरी आजादी है। हालांकि, विरोध कर रहे संगठन इस सफाई से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने आंदोलन जारी रखने के संकेत दिए हैं।

भ्रामक पोस्ट पर मंडल अध्यक्ष के बेटे पर केस

जागरण, खंडवा। सोशल मीडिया के दुरुपयोग कर फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर एक व्यक्ति और उसके परिवार की बदनामी की गई। पुलिस ने मामले में बोरगांव मंडल भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सलीम खान के बेटे आशिफ खान के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम खिराला निवासी शेख रईस एसपी ऑफिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि एक इंस्टाग्राम आईडी से उनके घर और भाई की फोटो पोस्ट कर यह गलत जानकारी फैलाई जा रही है कि उनका मकान अतिक्रमण कर बनाया गया है।

चेहरे का दर्द: ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया को समझें, इलाज संभव है

डॉ. संदीप इरटवार, डायरेक्टर, न्यूरोसर्जरी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर

नागपुर। ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया एक दुर्लभ लेकिन बहुत ही दर्दनाक नसों से जुड़ी बीमारी है, जो चेहरे को प्रभावित करती है। इसमें चेहरे पर अचानक बहुत तेज दर्द होता है, जिसे दुनिया के सबसे तीव्र दर्दों में से एक माना जाता है। अगर इस बीमारी का समय पर पता चल जाए और सही इलाज किया जाए, तो मरीज को काफी राहत मिल सकती है और उसकी जीवन गुणवत्ता बेहतर हो सकती है। इस बीमारी के बारे में जागरूकता जरूरी है, ताकि लोग समय पर इलाज ले सकें और अनावश्यक दर्द से बच सकें। डॉ.संदीप इरटवार,डायरेक्टर, न्यूरोसर्जरी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने कहा की,ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया एक पुरानी दर्द की बीमारी है, जो चेहरे की ट्राइजेमिनल नस से जुड़ी होती है। यह नस चेहरे से जुड़ी संवेदनाएं दिमाग तक पहुंचाती है। इस बीमारी में चेहरे को हल्का-सा छूना जैसे दांत ब्रश करना या मेकअप लगाना भी अचानक तेज दर्द शुरू कर सकती हैं। अगर इसका इलाज न किया जाए, तो दर्द बहुत ज्यादा बढ़ सकता है और मरीज के जीवन पर गंभीर असर डाल सकता है, यहां तक कि आत्महत्या करने जैसे विचार भी आ सकते हैं ।

ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया का इलाज थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन इसके लिए कई प्रभावी उपचार उपलब्ध हैं। सबसे पहले दवाइयों से इलाज शुरू किया जाता है। इसमें एंटी-कन्वल्सेंट दवाएं दी जाती हैं, जो नसों की असामान्य गतिविधि को कम करने में मदद करती हैं, जबकि कुछ मामलों में मसल रिलैक्सेंट भी दिए जा सकते हैं। लेकिन, सामान्य दर्द की दवाएं इस बीमारी में आमतौर पर असर नहीं करती हैं।

अगर दवाइयों से आराम नहीं मिलता, तो कुछ छोटे और कम जटिल प्रोसीजर किए जा सकते हैं। जैसे नर्व ब्लॉक, रेडियोफ्रिक्वेंसी एब्लेशन और बैलून कंप्रेशन, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं। कुछ गंभीर मामलों में सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। इसमें माइक्रोवैस्कुलर डिकंप्रेशन किया जाता है, जिसमें नस पर पड़ रहे दबाव को कम किया जाता है। इसके अलावा स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी (गामा नाइफ) भी एक विकल्प है, जो बिना ऑपरेशन के रेडिएशन के जरिए इलाज करता है। ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के साथ जीवन जीना मुश्किल हो सकता है, लेकिन अगर बीमारी की पहचान जल्दी हो जाए तो लक्षणों को बढ़ने से रोका जा सकता है। तनाव को कम करना और उन कारणों से बचना जो दर्द को बढ़ाती हैं, दौरे कम करने में मदद कर सकता है। सपोर्ट ग्रुप और काउंसलिंग भी मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया एक दुर्लभ बीमारी है, लेकिन इसका असर बहुत गंभीर होता है। इसके बारे में जागरुकता, समय पर पहचान और सही इलाज से मरीजों का जीवन बदल सकता है। किसी को भी इस दर्द को चुपचाप सहने की जरूरत नहीं है।

सिंगरौली डकैती के बाद प्रदेश के बैंकों का होगा सिक्योरिटी ऑडिट

सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी, पैनिक बटन, अलार्म सिस्टम की होगी जांच, पीएचक्यू ने जारी किए निर्देश

मुख्य संवाददाता, भोपाल। सिंगरौली में पिछले दिनों बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बैढ़न शाखा में हुई करोड़ों की सनसनीखेज डकैती की वारदात ने बैंकों के सुरक्षा तंत्र की पोल खोलकर रख दी है। इस घटना के बाद मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने पूरे प्रदेश में बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। बैंकों की सुरक्षा में सेंध न लगे, इसके लिए सभी जिलों के एसपी को अपने क्षेत्रों में बैंकों का सिक्योरिटी ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं। इस ऑडिट के जरिए बैंक शाखाओं में मौजूद सुरक्षा खामियों को चिह्नित कर उन्हें तुरंत दुरुस्त कराया जाएगा। गौरतलब है कि सिंगरौली की घटना में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यही सामने आया कि जिस ब्रांच में करोड़ों की डकैती हुई, वह बिना सुरक्षा गार्ड के संचालित हो रही थी। बता दें कि बैंक डकैती में 15 करोड़ का माल लुटेरे ले गए हैं।

कैमरों की कवरेज के साथ अलार्म सिस्टम भी होगा चेक

पीएचक्यू के निर्देशों के अनुसार बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरों को लेकर भी नई गाइडलाइन जारी की गई है। पुलिस अधिकारी अब केवल कैमरों की संख्या ही नहीं, बल्कि उनकी पि. र क्वालिटी, एंगल और रेंज को भी परखेंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कैमरे प्रवेश और निकास द्वार पर हर व्यक्ति का चेहरा स्पष्ट रूप से कैप्चर करें। इसके अलावा, बैंक के आसपास के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लगे कैमरों का डेटा भी रिकॉर्ड किया जाएगा ताकि आपात स्थिति में अपराधियों के भागने के रूट का बैकअप लिया जा सके। इस ऑडिट के दौरान बैंकों के पैनिक बटन और सुरक्षा अलार्म सिस्टम की कार्यक्षमता को लाइव चेक किया जाएगा। इसके साथ ही जिलों में नाकाबंदी के पॉइंट्स को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि इस तरह की वारदात के तत्काल बाद आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा जा सके। पीएचक्यू ने सभी एसपी को निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा मानकों में कोताही बरतने वाली शाखाओं की जानकारी बैंक प्रबंधन के साथ पीएचक्यू को भी भेजी जाए।

सुरक्षा गार्ड और हथियारों का होगा फिजिकल वेरिफिकेशन

सिंगरौली की घटना के बाद अब पुलिस हर बैंक में जाकर भौतिक सत्यापन करेगी कि वहां गार्ड तैनात है या नहीं। यदि गार्ड मौजूद है, तो पुलिस यह जांचेगी कि वह सशस्त्र है या नहीं और उसके हथियार काम करने की स्थिति में हैं या नहीं। इसके साथ ही बैंकों में तैनात निजी सुरक्षा गार्डों का पुलिस वेरिफिकेशन भी चेक किया जाएगा ताकि सुरक्षा में तैनात व्यक्ति का पिछला रिकॉर्ड और उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। पुलिस मुख्यालय ने सिंगरौली में हुई लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए बैंकों से कहा है कि अगर बैंक के पास स्वयं के स्थाई सुरक्षा गार्ड नहीं हैं, तो वे अधिकृत निजी सिक्योरिटी सर्विस की सेवा लें। पीएचक्यू ने कड़ा निर्देश दिया है कि किसी भी स्थिति में भारी नकदी और गोल्ड लोन का लेनदेन करने वाली शाखाएं बिना सुरक्षा गार्ड के संचालित नहीं होनी चाहिए। ऐसी शाखाओं पर पुलिस अब विशेष नजर रखेगी।

सिंगरौली बैंक डकैती मामले की पुलिस जांच में खुलासा

नेपाल में बैठा शख्स वारदात के दौरान पांचों आरोपियों को कर रहा था हैंडल

आरोपियों को तलाश रही पुलिस की 10 टीमें

जागरण, सिंगरौली। प्रदेश के सिंगरौली में बीती 17 अप्रैल को बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 15 करोड़ की डकैती के मामले में नेपाल कनेक्शन मिला है। पुलिस जांच में पता चला है कि नेपाल में बैठा शख्स पांचों आरोपियों को हैंडल कर रहा था। वह इंटरनेट कॉलिंग के जरिए वारदात के वक्त आरोपियों के संपर्क में था। मामले में एक आरोपी कमलेश कुमार पुलिस रिमांड पर है। वारदात का मुख्य आरोपी फंटूश उर्फ ननकी बिहार के नालंदा जिले का निवासी है। तीसरा आरोपी राजेश कुमार झारखंड के गिरिडीह और चौथा आरोपी पंकज शर्मा पश्चिमी सिंहभूम जिले का रहने वाला है। पांचवें आरोपी छोटू (19) का स्थायी पता स्पष्ट नहीं हो पाया है। चारों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 10 विशेष टीमें छापेमारी कर रही हैं। कमलेश ने पुलिस पूछताछ में बताया कि करीब एक महीने पहले तीन लोगों ने जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर मोरवा थाना क्षेत्र के बड़ी मस्जिद के पास कमरा किराए से लिया था। यहां से रोज बैढ़न आते थे। सुबह से शाम तक बैंक की रेकी के बाद वापस चले जाते थे। कमलेश ने पुलिस को बताया कि फरवरी से मार्च महीने के बीच अलग-अलग समय पर तीन लोग कमरे में ठहरते रहे। प्लान के तहत डकैती डालने की तारीख 17 अप्रैल तय की। घटना में शामिल दो अन्य लोग तीन दिन पहले ही सिंगरौली पहुंचे थे।

एक-दूसरे को करीब से नहीं जानते आरोपी

पुलिस की जांच में सामने आया है कि सभी आरोपी एक-दूसरे को बहुत करीब से नहीं जानते थे। उन्हें सिर्फ इतना बताया गया था कि नेपाल में बैठा हैंडलर ही नेटवर्क कंट्रोल कर रहा है। आरोपी सिर्फ इंटरनेट कॉलिंग के जरिए ही उसके संपर्क में रहते थे। बताया जाता है कि वारदात से पहले और उस वक्त भी हैंडलर इन पांचों के संपर्क में था। मैसेज या सोशल मीडिया के जरिए कोई बातचीत नहीं होती थी। यही वजह है कि पुलिस को आरोपी कमलेश से डिटेल पता करने में कठिनाई हो रही है।

सभी पेशेवर अपराधी, उम्र 18 से 22 साल

जांच में पता चला है कि आरोपी अपने घरों में ज्यादा समय नहीं बिताते थे। देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार वारदात को अंजाम देते रहते हैं। सभी पेशेवर अपराधी हैं। सभी आरोपियों की उम्र 18 से 22 साल है। पकड़ा गया आरोपी कमलेश भी हाल में बिहार में एक मामले में जेल से छूटकर आया था। इसके तुरंत बाद सिंगरौली में वारदात को अंजाम दे दिया। बैंक के अंदर कमलेश ही हेलमेट पहनकर घुसा था।

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजनता को मिलना आवश्यक : दिव्यराज सिंह

सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह ने की जवा में विभागीय योजनाओं की समीक्षा

जवा ब्यूरो। सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह द्वारा जनपद पंचायत जवा स्थित राज पैलेस में सभी विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक का आयोजन कर सभी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मंडल अध्यक्ष जवा अखिलेश सिंह, मंडल अध्यक्ष अतरैला सालिकराम साहू, विधायक प्रतिनिधि आनंद सिंह सहित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, तहसीलदार जवा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी जनपद पंचायत जवा, एपीओ मनरेगा, बीपीओ जवा, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, विद्युत विभाग, शिक्षा विभाग, नल-जल पीएचई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं पटवारी भी बैठक में सम्मिलित हुए। विधायक ने सीएफटी अंतर्गत ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करते हुए ग्राम स्तर की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा मौके पर उपस्थित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख रूप से हैंडपंप खराब होने, खाद्यान्न संबंधी समस्याएं, विवादित निर्माण कार्यों के लंबित प्रकरण एवं राजस्व विभाग से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए।

धान उपार्जन की समस्या पर जताई चिंता

इसी क्रम में किसानों से संबंधित मुद्दों पर विशेष ध्यान देते हुए विधायक ने धान उपार्जन में प्रति एकड़ कम धान खरीदी किए जाने की समस्या को गंभीरता से लिया तथा संबंधित अधिकारियों को इस विसंगति का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गेहूं उपार्जन व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु वर्तमान में संचालित 6 खरीदी केंद्रों की संख्या बढ़ाकर न्यूनतम 20 किए जाने के निर्देश भी प्रदान किए। बैठक दोपहर 12:00 बजे प्रारंभ होकर शाम 6:00 बजे तक चली। इस दौरान विधायक दिव्यराज सिंह ने प्रत्येक समस्या की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

योजनाओं का सख्ती से करें क्रियान्वयन

विधायक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ आमजन तक समयबद्ध एवं चरणबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा ग्राम स्तर की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया किया जाए। बैठक में अनुपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों के प्रति गंभीर रुख अपनाते हुए विधायक ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही समीक्षा के दौरान हल्का पटवारी अंतरैला दहिया के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों एवं क्षेत्रीय असंतोष को ध्यान में रखते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से संबंधित हल्के से हटाकर कार्यालय से संबद्ध किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक का समापन विकास कार्यों में गति, पारदर्शिता एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के संकल्प के साथ हुआ।

माता पीताम्बरा के नव निर्मित मंदिर का लोकार्पण व प्राण प्रतिष्ठा 24 को

उप मुख्यमंत्री, सांसद तथा सभी क्षेत्रीय विधायक होंगे शामिल दूर-दूर से पहुंचेंगे संत, देश में दतिया के बाद दूसरा मंदिर

आंचलिक डेस्क। माँ भगवती पीताम्बरा शक्ति पीठ पहड़िया द्वारा निर्मित कराए गये माता पीताम्बरा के नव निर्मित मंदिर का लोकार्पण एवं प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 1008 हरि चेतन्य ब्रह्मचारी जी महराज के कर कमलों द्वारा 24 अप्रैल को आयोजित किया जायेगा। यह मंदिर अपने आप में अनोखा है, यह दतिया के बाद देश का दूसरा मंदिर है। कार्यक्रम के आयोजक सुपुत्र पं. बालेन्द्र कुमार शुक्ला पुत्रवधु डॉ. विभा शुक्ला सुपौत्री ऋषिका शुक्ला ने जानकारी देते हुये बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राजेन्द्र शुक्ल उप मुख्यमंत्री म.प्र. शासन तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. रीता बहुगुणा जोशी पूर्व मंत्री एवं सांसद (उ.प्र.) द्वारा की जायेगी जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में राजेन्द्र कुमार कुररिया कुलगुरु अवधेश प्रताप सिंह वि. वि. रीवा, जनार्दन मिश्रा सांसद रीवा, डॉ. राजेश मिश्रा सांसद सीधी आदि लोग मौजूद रहेंगे । इसके साथ ही समस्त क्षेत्रीय विधायकों के अलावा देश के प्रख्यात संत भी मौजूद रहेंगे जिनमें प्रमुख रूप से श्री गुरु देव श्री-श्री 1008 श्री हरि चेतन ब्रह्मचारी परमहंश टीकरमाफी अमेठी, प्रमुख आचार्य अम्बिकेश मिश्रा जबलपुर आचार्य मयंक तिवारी पूज्य पिता श्री मुनि प्रसाद शुक्ला आदि प्रवुद्ध जन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। साथ ही आयोजकों ने लोगों से कार्यक्रम स्थल में पहुंच कर धार्मिक लाभ लेने तथा भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है।

युवा संगम : रोजगार मेले में 52 युवाओं को मिला रोजगार

मऊगंज। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का प्रतिमाह आयोजन किया जा रहा है। मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में सतपुड़ा आईटीआई मऊगंज में रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेले में शामिल 8 कंपनियों ने 52 युवाओं का चयन किया।उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में प्रभा बायोप्लांट्स प्रा. लि. रीवा में 8, कास्ट एनएक्स प्रा. लि. इंदौर में 2, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार (म.प्र.) में 7, एच.डी.एफ.सी. लाईफ इश्योरेन्स कम्पनी लिमि. रीवा में 6, सीआईआई एमसीसी इंदौर में 20, जेके टायर्स मुरैना में 4, बंसल वायर इन्डस्ट्रीज लि. ग्रेटर नोयडा में 3, तथा एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस रीवा में 2 युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये।

बीट गार्ड्स की लापरवाही से हो रही अवैध तेंदूपत्ता की तोड़ाई

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना रेंज अंतर्गत घोघम,पिपराही कैलाशपुर के जंगलों में इन दिनों तेंदूपत्ता तोड़ने लगभग 50 के समूह में महिलाएं प्रतिदिन आ रही हैं। जो जंगलों से हरा पत्ता बोरों में भरकर के अपने-अपने गांव बहुती, टडहर, पतुलखी, खटखरी आदि जगह में स्टॉक जमा कर रहे हैं लेकिन वनरक्षक बीट गार्ड मूक दर्शक बने रहते हैं।

महिला आरक्षण बिल पर झूठ फैला रही भाजपा सरकार : पं. सुखसागर

तत्काल बिल को लागू करने रखी मांग

गोविन्दगढ़ ब्यूरो। महिला आरक्षण बिल को लेकर देशभर में चल रही राजनीतिक बहस के बीच कांग्रेस कमेटी ग्रामीण महामंत्री पं. सुखसागर प्रसाद शुक्ला ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संवाददाता से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर जनता को गुमराह कर रही है और महिलाओं के वास्तविक सशक्तिकरण की बजाय केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। पं. शुक्ला ने अपने बयान में कहा कि महिला आरक्षण बिल को लेकर जो जानकारी जनता के बीच प्रस्तुत की जा रही है, वह पूरी तरह स्पष्ट और पारदर्शी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखने के लिए भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिलाओं के अधिकारों और उनकी भागीदारी को बढ़ाने के पक्ष में रही है। महिलाओं को संसद और विधानसभा में उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए, लेकिन इसके लिए सरकार की नीयत साफ होना जरूरी है, उन्होंने कहा। पं. शुक्ला ने आगे कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं के हित में काम करना चाहती है, तो उसे इस बिल को तत्काल प्रभाव से लागू करना चाहिए और उसमें किसी प्रकार की देरी या शर्तें नहीं जोड़नी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार महिला आरक्षण से जुड़े सभी प्रावधानों को स्पष्ट रूप से जनता के सामने रखे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की महिलाओं से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी से सतर्क रहें।

स्व. बाला प्रसाद मिश्र की स्मृति में लगवाया वाटर कूलर

डिघौल शिवमंदिर परिसर देवतालाब में श्रद्धालुओं के लिए की शीतल पेयजल व्यवस्था

मऊगंज ब्यूरो। बालाजी एसोसिएट्स के सदस्यों शांती देवी मिश्रा (पूर्व जनपद सदस्य) अरूण मिश्रा, देवेन्द्र मिश्रा (सचिव), रावेन्द्र मिश्रा व अतुल मिश्रा द्वारा स्व. बाला प्रसाद मिश्र पूर्व सरपंच डिघौल की स्मृति में शिवमंदिर परिसर देवतालाब में श्रद्धालुओं के लिये शीतल पेयजल हेतु वाटर कुलर लगवाया गया। जिसका शुभारंभ शिव मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक व एसडीएम मऊगंज एपी द्विवेदी द्वारा फीता काटकर व शीतल पेय पिलाकर किया गया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार सर्किल देवतालाब उमाकांत शर्मा, प्रबंध समिति के सदस्य दीपेश बढ़ौलिया देवतालाब, समाजसेवी शिवपूजन शुक्ला, पूर्व अधिवक्ता संघ अध्यक्ष मऊगंज संतोष मिश्रा, शैलेन्द्र मिश्रा मझिगवां, प्रमोद सिंह तड़ौरा, घनश्याम गिरि सहित कई सामाजिक सदस्यगण आयोजन में शामिल रहे। आयोजन का संचालन अधिवक्ता संतोष मिश्रा द्वारा किया जाकर बालाजी एसोशिएटस के सदस्यों का अभिनंदन एस.डी.एम. मऊगंज एपी द्विवेदी द्वारा किया गया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में वैज्ञानिक बने सौरभ द्विवेदी

चंद्रयान-2 के प्रक्षेपण के दौरान वैज्ञानिक बनने का लिया था संकल्प

आंचलिक डेस्क। रीवा जिले की तहसील जवा अंतर्गत ग्राम पुरौना निवासी शैलेन्द्र द्विवेदी एवं गीता द्विवेदी के सुपुत्र सौरभ द्विवेदी का चयन भारत की प्रतिष्ठित अंतरिक्ष संस्थान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में सांइटिस्ट पद पर हुआ है। सौरभ द्विवेदी ने अपनी स्कूली शिक्षा शासकीय मार्तण्ड उत्कृष्ट क्रमांक 1 विद्यालय से प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने बी.टेक की शिक्षा यूटीआई राजीव गांधी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय भोपाल से तथा एम.टेक की पढ़ाई प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पूर्ण की है। उनकी यह सफलता कठिन परिश्रम, लगन, निरंतरता, अनुशासन एवं प्रतिभा का परिणाम है। इस उपलब्धि से परिवार, ग्राम पुरौना, तहसील जवा एवं संपूर्ण रीवा जिले में हर्ष एवं गौरव का वातावरण व्याप्त है। सौरभ द्विवेदी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजनों सहित अपने सभी गुरुजनों को दिया, जिनका योगदान उनकी शिक्षा के दौरान अनवरत रहा है। सौरभ ने कहा कि उन्होंने इसरो में वैज्ञानिक बनने का सपना चंद्रयान-2 के प्रक्षेपण के दौरान देखा था जो आज पूरा हो गया है। अब वह इसरो का हिस्सा बनकर देश की प्रौद्योगिकीय प्रगति में अपना योगदान देंगे तथा क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। उनकी इस सफलता पर समस्त क्षेत्रवासियों, मित्रों एवं शुभचिंतकों सहित भाई मयंक द्विवेदी, गौरव मिश्रा, पंकज मिश्रा, आशुतोष तिवारी, मामा सुनील त्रिवेदी एवं जीजा सागर पाण्डेय ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं है।

राजस्व अमले की संवेदनशीलता और जवाबदेही से ही बनेगी प्रशासन की छवि : कलेक्टर

समय सीमा बैठक में कलेक्टर ने की समीक्षा

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में समय सीमा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने कहा है कि राजस्व से जुड़े मामले सीधे आमजन के जीवन से जुड़े होते हैं, इसलिए राजस्व अधिकारियों की भूमिका केवल प्रशासनिक न होकर संवेदनशील और मानवीय भी होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे राजस्व प्रकरणों के निराकरण में पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य करें, ताकि आम नागरिकों को समय पर न्यायपूर्ण समाधान मिल सके। कलेक्टर ने समय सीमा बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे बैठक में पूरी तैयारी और जानकारी के साथ आना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि सी.एम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करायें। जल संरक्षण और संवर्धन के लिए 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी इसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। जल संरक्षण और जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त करायें। उन्होंने जल जागरुकता के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा अभियान की हर गतिविधि की प्रतिदिन रिपोर्ट पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिये। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जल संरक्षणके अधूरे कार्यों को पूरा कराकर पूर्णता प्रमाण पत्र पोर्टल में अपलोड कराएं। वन मण्डलाधिकारी पौधरोपण की तैयारी के साथ-साथ वन्य जीवों के पेयजल के लिए जल संरचनाओं का निर्माण कराएं।

ये कैसी अनुकंपा नियुक्ति : ज्वॉइनिंग के समय बदल गया पिता का नाम

मृतक लाल जी श्रीवास्तव के बेटे पंकज की नियुक्ति का कलेक्टर ने दिया था आदेश, ज्वाइनिंग गोपाल श्रीवास्तव के बेटे को कराया

जागरण, मऊगंज। नवगठित जिला मऊगंज एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार मामला अनुकंपा नियुक्ति और प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर है, जिसमें दस्तावेज़ों के आधार पर गंभीर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। कलेक्टर रीवा द्वारा तत्समय अनुकंपा नियुक्ति आदेश मृतक लालजी श्रीवास्तव के पुत्र पंकज श्रीवास्तव का जारी किया लेकिन कालेज प्रबंधन ने ज्वाइनिंग गोपाल श्रीवास्तव के पुत्र पंकज को कराया। उक्त आरोप अगस्त क्रांति मंच के संयोजक कुंज बिहारी तिवारी ने लगाते हुए आयुक्त रीवा संभाग और संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा को शिकायत सौंपते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

नियुक्ति प्रक्रिया पर संदेह

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रयोगशाला परिचारक पद पर पंकज कुमार श्रीवास्तव की नियुक्ति नियमों के विपरीत हुई। उपलब्ध दस्तावेज़ों के अनुसार, नियुक्ति आदेश 14 मई को जारी हुआ और अगले ही दिन 15 मई को ज्वॉइनिंग भी करा दी गई। साथ ही आवेदन पत्र और अन्य अभिलेखों में पिता के नाम को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आने का दावा किया गया है?

राजस्व और पारिवारिक विवरण में विरोधाभास

आरोप है कि तहसीलदार द्वारा जारी प्रमाण पत्र में पारिवारिक स्थिति का उल्लेख सीमित रूप में किया गया, जबकि अन्य अभिलेखों में अलग स्थिति बताई गई है। इससे दस्तावेज़ों की सत्यता और प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं ?

भूमि और अभिलेखों पर भी आरोप

शिकायत में यह भी कहा गया है कि संबंधित व्यक्ति द्वारा राजस्व अभिलेखों में हेरफेर कर भूमि अर्जित करने जैसे गंभीर आरोप हैं, जिनकी जांच आवश्यक बताई गई है।

आंदोलन और गिरफ्तारी से बढ़ा विवाद

मामला तब और तूल पकड़ गया जब इस प्रकरण को लेकर आवाज उठाने वाले कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई। दस्तावेज़ों में दर्ज जानकारी के अनुसार, संबंधित प्रकरण में एफआईआर और गिरफ्तारी की कार्रवाई भी सामने आई है।

सोशल मीडिया पर नियंत्रण के आदेश

जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी के प्रसार को रोकने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए गए हैं।

प्रशासन पर उठ रहे सवाल

इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुरूप हुई? दस्तावेज़ों में विरोधाभास क्यों है? शिकायतों के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

पंचायत ने नहीं भरा बिजली का बिल

बिजली नहीं होने से भीषण जलसंकट झेल रही जनता

गढ़, नि.प्र.। पानी की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों का सरकारी तंत्र और जनप्रतिनिधियों से विश्वास उठता नजर आ रहा है। संवाददाता को ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत गढ़ जनपद पंचायत गंगेव में एक पूर्व लगभग 40 वर्ष से पानी की टंकी और पेयजल योजना अंतर्गत पानी की सप्लाई होती थी, वर्तमान में जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी बनी, पाइप बिछी संबंधित जिम्मेदारों की खातिरदारी, पूजा हुई और जल जीवन मिशन पंचायत को सुपुर्द कर जिम्मेवारी में दे दिया गया किंतु एक महीने से बिजली बिल जमा न होने के कारण 90प्रतिशत लोग पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। गढ़ एक बाजारू पंचायत है जहां प्रतिदिन कई हजारों हजार लोग बाजार, कार्यकाल तथा शासकीय कार्यालय पर आते है, छोटे-छोटे बच्चे पानी के लिए तड़प रहे हैं । लोगों ने संवाददाता को बताया कि आखिर पानी की टंकी का किसी भी सामाजिक संगठन द्वारा क्यों संचालित नहीं किया गया, तापमान 42 से ऊपर दिख रहा है एक 10प्रतिशत लोगों के लिए अवैध कटिया से बिजली फंसा कर लोग चला रहे हैं किंतु कुछ लोगों को ही पानी मिल रहा है। पंचायत में करोड़ों रुपये अन्य कार्यों (जैसे पेवर ब्लॉक) पर खर्च किए गए, लेकिन बिजली बिल जमा न होने से जल जीवन मिशन की योजना ठप पड़ी है। टंकी में पक्षियों की गंदगी (बीट) होने के बावजूद उसे साफ किए बिना सप्लाई की तैयारी, जो बड़ी बीमारी को न्यौता दे सकती है। पंचायत भवन के बाहर बने प्याऊ का खाली रहना केवल शो-पीस बनकर रह गया है। शिकायतों के बावजूद सरपंच और अन्य प्रतिनिधियों का मौन रहना जनता के भरोसे को तोड़ रहा है। जनता सीएम हेल्पलाइन व अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों के पास कई बार फोन पर शिकायत किया किन्तु इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया। गढ़ के लोग समाचार पत्र के माध्यम से प्रदेश के उपमुख्यमंत्री संभागीय आयुक्त जिला कलेक्टर का ध्यान आकर्षित कराया है कि पानी की समस्या से लोगों को निजात दिलाया जाए।

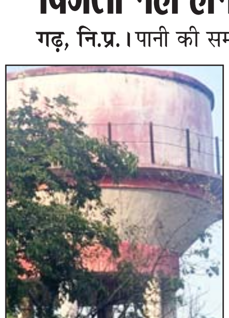

जवाहर नवोदय विद्यालय की छात्रा सौम्या तिवारी ने क्षेत्र का नाम किया रोशन

सिरमौर, नि.प्र.। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में दसवीं की छात्रा सौम्या तिवारी ने 95.6प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय तथा माता-पिता तथा क्षेत्र का मान बढ़ाया है। छात्रा सौम्या तिवारी के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है की मेहनत और लगन से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है । छात्रा ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता नेहा तिवारी, पिता संदीप तिवारी शिक्षक पीएमश्री विद्यालय, गुरुजनों और सतत परिश्रम को देतीं है । सौम्या नवोदय विद्यालय के वरिष्ठ रसायन विज्ञान शिक्षक संदीप तिवारी की पुत्री है। विद्यालय के प्राचार्य मनीष कुमार तिवारी एवं उप- प्राचार्य अजय कुमार सिंह ने सौम्या तिवारी सहित विद्यालय के सभी बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है ।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में मऊगंज जिला टॉप-05 में

मऊगंज जागरण। आमजन की शिकायतों के त्वरित और संतोषजनक निराकरण की दिशा में मऊगंज जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। सीएम हेल्पलाइन के प्रदर्शन के आधार पर सोमवार को जारी प्रदेश स्तरीय ग्रेडिंग में मऊगंज जिले ने द्वितीय समूह के 27 जिलों में टॉप-05 में शामिल होने का स्थान अर्जित किया है। कलेक्टर संजय कुमार जैन के सतत और प्रभावी मॉनिटरिंग के कारण जिले ने गत मार्च माह में प्राप्त कुल 4260 शिकायतों में से 82.45 कुल वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड हासिल कर 49.84 वेटेज स्कोर के साथ शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया।

प्रिंस यादव का सुयश

गोविन्दगढ़ ब्यूरो। पुष्पराज हायर सेकेंडरी स्कूल, गोविन्दगढ़ के मेधावी छात्र प्रिंस यादव ने कक्षा 12वीं की परीक्षा में 500 में 460 अंक (92प्रतिशत) हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रिंस ने सभी विषयों में डिस्टिंक्शन लाकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रिंस यादव, पिता महिपाल यादव, की इस शानदार सफलता से परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि मेहनत, लगन और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने प्रिंस को बधाई देते हुए बताया कि वह शुरू से ही पढ़ाई में होनहार रहे हैं और हर विषय में उनकी पकड़ मजबूत रही है। उन्होंने कहा कि प्रिंस की यह सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। प्रिंस ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और समर्थन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। भविष्य में वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं। प्रिंस की इस उपलब्धि से गांव और क्षेत्र में गर्व का माहौल है, वहीं युवा समाजसेवी नेता रामू यादव वह अन्य सामाजिक लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मां के नाम लगवा ली बगिया, मजदूरों को नहीं दिया एक भी पैसा

मजदूरी का पैसा गटक गए जिम्मेदार

त्योंथर ब्यूरो। मध्यप्रदेश शासन की योजना एक बगिया मां के चयनित हितग्राहियों को बगिया लगाने के बाद समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के बाद भी एक पैसा नहीं मिला, हितग्राही जनपदों के चक्कर काटने को अभी भी मजबूर हैं। हितग्राहियों ने संवाददाता को बताया कि जनपद पंचायत जवा अन्तर्गत संचालित समूह द्वारा शासन की योजना एक बगिया मां के नाम पर चयनित हितग्राहियों को बगिया लगाने के बाद भी एक रुपए का भुगतान आज तक नहीं किया गया, जिससे हितग्राहियों में शासन की योजनाओं के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि समाग्री और मजदूरी दोनों में एक पैसा अभी तक नहीं मिला जबकि कर्ज लेकर पौधे और फिनिशिंग का कार्य कराया गया है, बगिया भी लग गई, अधिकारियों ने निरीक्षण भी कर लिया लेकिन भुगतान एक पैसे का नहीं हुआ।

खाद, दवाई, पानी के बिना सूख रहे पौधे : हितग्राहियों का कहना है कि फिनिशिंग और पौधे रोप देने से बगिया तैयार नहीं होती, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी बेखबर है आज बगिया में जलकुंड, जैविक खाद हेतु नाडेप, दवा की कोई व्यवस्था नहीं की गई, पहले से कर्जदार लेकर पेड़,तार खंभे लगा चुके हितग्राहियों की बगिया अब सूखने लगी है। शासन और प्रशासन से मांग करते हुए जल्द भुगतान और बगिया के अन्य व्यवस्था की मांग की गई है।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

अभिषेक (हैदराबाद)	323
क्लासेन (हैदराबाद)	320
शुभमन गिल (गुजरात)	265

पर्पल कैप (गेंदबाज)

प्रिंस यादव (लखनऊ)	13
अंशुल कंबोज(चेन्नई)	13
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	12

बाउंड्री मीटर

554 छक्के
989 चौके
64 अर्धशतक

68 विकेट के साथ जोफ्रा आर्चर राजस्थान रॉयल्स के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने युजवेंद्र चहल (66) को पीछे छोड़ दिया।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	6	5	0	11	1.420
राजस्थान	7	5	2	10	0.790
बेंगलुरु	6	4	2	8	1.171
हैदराबाद	7	4	3	8	0.820
दिल्ली	6	3	3	6	-0.130
गुजरात	6	3	3	6	-0.821
मुंबई	6	2	4	4	0.067
चेन्नई	6	2	4	4	-0.780
लखनऊ	7	2	5	4	-1.277
कोलकाता	7	1	5	3	-0.879

मैच 32: राजस्थान ने एलएसजी को 40 रन से हराया, पांचवीं जीत के साथ दूसरे नंबर पर पहुंची टीम

घर में लखनऊ की लगातार सातवीं हार

जेएनएन, लखनऊ

रविंद्र जडेजा के हरफनमौला खेल और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 32वें मैच में बुधवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को 40 रन से शिकस्त दी। इसके साथ ही इस सीजन में मुंबई के बाद लगातार चार मैच हारने वाली लखनऊ दूसरी टीम बन गई। वहीं घरेलू मैदान पर यह लखनऊ की आईपीएल में लगातार सातवीं हार है। इस मामले में टीम ने डेक्कन चार्जर्स और पुणे वॉरियर्स की बराबरी कर ली। दोनों ही टीमों ने हैदराबाद और पुणे में लगातार सात मैच हारे थे। शीर्ष पर दिल्ली है, जिन्होंने अरुण जेटली स्टेडियम में 2013-15 के बीच लगातार नौ मुकाबले गंवाए। जडेजा ने 29 गेंद में नाबाद 49 रन की पारी खेलने के बाद गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 29 रन देकर एक विकेट लिया। राजस्थान ने आठ विकेट पर 159 रन का औसत स्कोर खड़ा करने के बावजूद सुपर जाएंट्स को 18 ओवर में महज 119 रन पर आउट कर 40 रन की बड़ी जीत दर्ज की। जोफ्रा आर्चर (20 रन पर तीन विकेट) और नांद्रे बर्गर (27 रन पर दो विकेट) ने सुपर जाएंट्स के शीर्ष क्रम को झकझोरा, तो वहीं बृजेश शर्मा (18 रन पर दो विकेट), जडेजा और रवि बिश्नोई (23 रन पर एक विकेट) ने मध्य और निचले क्रम को क्रीज पर जमने का मौका नहीं दिया। लखनऊ के लिए मिचेल मार्श ने 41 गेंदों में सबसे ज्यादा 55 रन का योगदान दिया। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से किसी और का साथ नहीं मिला। उनके अलावा निकोलस पूरन (22) और हिम्मत सिंह (15) ही दोहरे अंक में रन बना सके। इससे पहले जडेजा के अलावा यशस्वी जायसवाल (22), रियान पराग (20), शिमरॉन हेटमायर (22) और डोनोवन फरेरा (20) को भी अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन कोई भी बड़ा स्कोर नहीं बना सका।

रॉयल्स का लगातार तीसरे मैच में शीर्ष क्रम फेल

यह लगातार तीसरा मैच है, जब राजस्थान का शीर्ष क्रम पूरी तरह विफल रहा है, जिससे टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही है। तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर शमी ने यशस्वी जायसवाल (22) का विकेट निकालते हुए लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। अगली ही गेंद पर जुरेल गोल्डन डक पर आउट हुए और राजस्थान पर दबाव आ गया। स्टेडियम में आई भीड़ का अधिकतर हिस्सा वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखने के लिए बेकरार थी, लेकिन मोहसिन ने सूर्यवंशी को बांधकर रख दिया। चौथे ओवर में लगातार पांच डॉट गेंद डालने के बाद आखिरी गेंद पर मोहसिन ने वैभव (8) को शॉर्ट गेंद पर फंसा लिया। 32 के स्कोर पर ही तीन विकेट गिरने के बाद कप्तान पराग (20) ने पारी को थोड़ा संभालने की कोशिश की, लेकिन नौवें ओवर की आखिरी गेंद पर वह भी आउट हो गए। हेटमायर ने कुछ अच्छे शॉट्स लगाए, लेकिन 22 के स्कोर पर वह भी पवेलियन लौट गए। 77 के स्कोर पर आधी टीम आउट हो चुकी थी और इस समय अनुभवी जडेजा क्रीज पर मौजूद थे। जडेजा (43*) ने आखिरी ओवर में 20 रन बनाते हुए राजस्थान को 159 तक पहुंचाया।

लखनऊ के 11 रन पर ही गिरे 3 विकेट

जवाब में लखनऊ ने पहले ओवर में ही बदोनी का विकेट रनआउट के रूप में गंवा दिया था। दूसरे ओवर में पंत को नांद्रे बर्गर और तीसरे ओवर में एडन माक्रम को आर्चर ने अपना शिकार बना लिया। 11 के स्कोर पर तीन विकेट गिरने के बाद मार्श और निकोलस पूरन (22) के बीच चौथे विकेट के लिए 41 गेंदों में 43 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद मार्श ने हिम्मत सिंह (15) के साथ 29 गेंदों में 37 रन जोड़े। यहां तक लखनऊ मैच में पूरी तरह बनी हुई थी। हालांकि, 16वें ओवर में बर्गर ने पूरी तरह जम चुके मार्श को चलता करते हुए मैच में राजस्थान की वापसी करा दी। मुकुल से टीम को उम्मीदें थीं, लेकिन वह तीन गेंद ही खेलकर आउट हो गए।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्सः 159/6 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का. पंत बो. शमी	22	12	4	0
वैभव का. राठी बो. मोहसिन	8	11	2	0
ध्रुव जुरेल का. पंत बो. शमी	0	1	0	0
पराग का. पूरन बो. प्रिंस	20	19	2	1
हेटमायर का. प्रिंस बो. मोहसिन	22	18	2	1
रवींद्र जडेजा नाबाद	43	29	2	1
फरेरा का. मोहसिन बो. प्रिंस	20	19	2	0
शिवम दुबे नाबाद	19	11	3	0

अतिरिक्तः 5, **कुलः** 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन, **विकेट पतनः** 1-32, 2-32, 3-32, 4-62, 5-77, 6-110, **गेंदबाजीः** शमी 4-0-30-2, प्रिंस 4-0-29-2, मोहसिन खान 4-1-17-2, मयंक 4-0-56-0, दिग्वेश 4-0-26-0.

लखनऊ सुपर जाएंट्सः 119/10 (18 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
मार्श का. रियान बो. बर्गर	55	41	6	2
आयुष बदोनी रनआउट	0	1	0	0
रिषभ पंत का. जुरेल बो. बर्गर	0	3	0	0
माक्रम का. जुरेल बो. आर्चर	0	6	0	0
पूरन का. फरेरा बो. जडेजा	22	25	3	0
हिम्मत सिंह बो. बिश्नोई	15	15	0	1
मुकुल का. रियान बो. बृजेश	7	3	0	1
मोहम्मद शमी बो. बृजेश	6	4	0	1
मयंक का. जुरेल बो. आर्चर	5	5	1	0
दिग्वेश राठी नाबाद	2	2	0	0
मोहसिन खान बो. आर्चर	0	3	0	0

अतिरिक्तः 7, **कुलः** 18 ओवर में 119 रन पर सभी आउट, **विकेट पतनः** 1-9, 2-10, 3-11, 4-54, 5-91, 6-105, 7-111, 8-113, 9-119, 10-119, **गेंदबाजीः** आर्चर 4-1-20-3, बर्गर 4-0-27-2, बृजेश 3-0-18-2, जडेजा 4-0-29-1, रवि बिश्नोई 3-0-23-1.

इस सीजन खराब फॉर्म में चल रही दोनों टीमों के बीच वानखेड़े स्टेडियम में मुकाबला

एल क्लासिको: दो दिग्गज टीम सीएसके और मुंबई इंडियंस के बीच भिड़ंत आज

जेएनएन, मुंबई

आईपीएल 2026 में गुरुवार को एल-क्लासिको मुकाबले में मुंबई इंडियंस का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। इस सीजन में अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली मुंबई और सीएसके जब आमने-सामने होंगी तो वे अपने पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की संभावित वापसी पर नजर रखकर अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेंगी। रोहित (हैमस्ट्रिंग) और धोनी (पिंडली में खिंचाव) वापसी की राह पर हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या इनमें से कोई भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए मैदान पर उतरेगा। रोहित और धोनी बुधवार को अपनी-अपनी टीमों की ट्रेनिंग किट में नजर आए और बल्लेबाजी अभ्यास करते दिखे। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि अब तक पांच-पांच खिताब जीतने वाली यह दोनों टीम कई समस्याओं से जूझ रही हैं। सीएसके लगातार दो मैचों में हार के सिलसिले को तोड़ने के लिए बेताब होगा। दोनों टीम के अभी चार-चार अंक हैं। मुंबई बेहतर नेट रन रेट के कारण सीएसके से आगे है। अंक तालिका में निचले पायदानों पर चल रहीं आईपीएल की दो सबसे सफल टीमों के बीच अब तक 39 मुकाबले हुए हैं, जिसमें मुंबई को 21 और सीएसके को 18 में जीत मिली है। वानखेड़े में हुए 13 मुकाबलों में भी मुंबई की टीम 8-5 से आगे है। लेकिन 2023 से दोनों टीमों के बीच हुए पांच मुकाबलों में मुंबई सिर्फ एक ही मैच जीत पाई है।

अकील बनाम डिकॉक

डीकॉक को जब पंजाब के खिलाफ इस सीजन पहली बार मौका मिला, तो उन्होंने इसे शतक के साथ भुनाया। हालांकि अगले मैच में गुजरात के खिलाफ वह सस्ते में आउट हो गए। सीएसके को अगर उन्हें रोकना है, तो अकील हुसैन नई गेंद संभाल सकते हैं। वह डीकॉक को पांच बार टी-20 मैचों में आउट कर चुके हैं, जबकि डीकॉक उन पर सिर्फ 132 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं।

जारी रह सकती है सैमसन की कंसिस्टेंसी की खोज

सैमसन ने दिल्ली के खिलाफ सीजन का पहला शतक लगाया, अगले मैच में कोलकाता के खिलाफ भी 48 रनों की पारी खेली, लेकिन छह में से चार पारियों में वह दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाए हैं। मुंबई के खिलाफ उनका संघर्ष जारी रह सकता है। ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर और मिचेल सैंटनर उन्हें तीन-तीन बार, जबकि हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह उन्हें दो-दो बार अपना शिकार बना चुके हैं। हार्दिक के खिलाफ उनके 179 के स्ट्राइक रेट को छोड़ दिया जाए, तो अन्य गेंदबाजों के खिलाफ वह 140 से भी कम स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। सैंटनर के खिलाफ चार पारियों में तो उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 57 का है, जबकि बुमराह के खिलाफ भी वह सिर्फ 105 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। सीएसके के कप्तान गायकवाड़ भी फॉर्म से जूझ रहे हैं और छह पारियों में उनके नाम एक भी 30+ का स्कोर नहीं है। बोल्ट उन्हें परेशान कर सकते हैं, जिनके खिलाफ छह पारियों में वह तीन बार आउट हुए हैं।

अभिषेक शर्मा 2.0: भविष्य का पिंच हिंटिंग एंकर

पहली बार पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी की

जेएनएन, हैदराबाद

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अभिषेक शर्मा ने पारी की पहली और आखिरी गेंद खेली। इस समझौते का मतलब यह था कि उन्होंने कम से कम 30 रन कम बनाए, जितने वह बना सकते थे। फिर भी उन्होंने जितना बनाया, वह ज्यादातर खिलाड़ी नहीं बना पाते। साफ तौर पर कहें तो अभिषेक ने 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए, जो आईपीएल इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। इस पारी के दौरान उन्होंने गेंदबाजों को हर तरफ मारा, जैसे यह उनका रोज का काम हो। अभिषेक ने पिछले सीजन पंजाब के खिलाफ 55 गेंदों में 141 रन बनाए थे। तब उनका स्ट्राइक रेट 256.36 था, जो मंगलवार के उनके स्ट्राइक रेट से 57.84 ज्यादा था। तब हैदराबाद 246 रन का पीछा कर रही थी। इस बार उन्हें पहली पारी का स्कोर खड़ा करना था और उन्होंने 242 रन बनाए। दोनों मैचों में मैच का नतीजा लगभग एक जैसा रहा, लेकिन अलग-अलग स्ट्राइक रेट एक बड़ा सवाल उठाते हैं। अभिषेक ने दिल्ली के खिलाफ वैसी पारी क्यों खेली, जो उनकी क्षमता से धीमा है? वह उसी शीर्ष क्रम के साथ अपने घरेलू मैदान हैदराबाद में खेल रहे थे, जो टी-20 बल्लेबाजी के लिए स्वर्ग है।

विकेट धीमा था, इसलिए प्लान बदला

जिस तरह हमने शुरुआत की, हमारी योजना थी कि पावरप्ले का इस्तेमाल करें। लेकिन विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हमें योजना बदलनी पड़ी। हम पावरप्ले का इस्तेमाल करना चाहते थे, क्योंकि आपको नहीं पता होता कि पार स्कोर क्या होगा। अपने घरेलू मैदान पर बल्लेबाजी करते हुए भी वह अनिश्चितता में थे। उन्होंने खुद को थोड़ा रोका, लेकिन शायद एक और वजह थी कि उन्होंने जोखिम कम लिया। साथ ही उन्होंने एक और दिलचस्प बात कही, मेरे पास योजना था। सहायक कोच जेम्स फ्रेंकलिन चाहते थे कि मैं 20वें ओवर तक बल्लेबाजी करूं। यह पहली बार है जब मैंने आईपीएल में पूरे 20 ओवर खेले।

90 प्रतिशत कंट्रोल

दिल्ली के खिलाफ उनका कंट्रोल प्रतिशत 90 प्रतिशत के आसपास रहा। डेथ ओवर्स में कुछ शॉट्स मिस होने पर यह 85 प्रतिशत पर आ गया, जो फिर भी काफी अच्छा है। नियंत्रण में रहने के लिए उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को अपनी सबसे बड़ी ताकत पर केंद्रित किया- छक्के मारना। पिछले साल पंजाब के खिलाफ उन्होंने 10 छक्के लगाए थे। आज भी उन्होंने 10 छक्के लगाए।

- दिल्ली के खिलाफ उन्होंने 13 गेंद ज्यादा खेलीं, लेकिन चौके चार कम लगाए। टी-20 में चौका सुरक्षित माना जाता है, लेकिन अभिषेक जैसे बल्लेबाज के लिए हर वह गेंद जो बाउंड्री के अंदर गिरती है, जोखिम भरी होती है। वहां फील्डर होते हैं। इसलिए उन्होंने वही गेंदें अटैक कीं, जिन्हें वह स्टेडियम के बाहर भेज सकते थे।
- अभिषेक ने पहले कभी पूरी पारी नहीं खेली थी और यह उनके लिए नया था। वह आमतौर पर लंबी पारी के लिए नहीं, बल्कि तेज रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। भारत के लिए टी-20 में ओपनिंग करते हुए वह 10-12 गेंदों में 40 रन बनाकर आउट हो सकते हैं।

खेल एक नजर

कोच पर हमले के आरोप में पुडुचेरी के तीन क्रिकेटर निलंबित

पुडुचेरी, जेएनएन। पुडुचेरी क्रिकेट संघ (सीएपी) ने बुधवार को घोषणा की कि उसने पिछले साल आठ दिसंबर को अंडर-19 राज्य टीम के कोच वेंकटरामन पर हमला करने के आरोप में अपने प्रथम श्रेणी के तीन क्रिकेटरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ये तीनों खिलाड़ी (जे. कार्तिकेयन, ए. अरविंदराज और एस. संतोष कुमारन) हाल के वर्षों में रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पुडुचेरी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अरविंदराज ने भी पिछले घरेलू सत्र में इस केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था। सीएपी के मुताबिक, तीनों पर वेंकटरामन की हत्या के प्रयास और उन पर हमले का आरोप लगाया गया है।

सैफ चैंपियनशिप: बांग्लादेश और मालदीव के साथ ग्रुप-बी में भारत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को 25 मई से छह जून तक गोवा के मडगाव में होने वाली सैफ महिला चैंपियनशिप में बांग्लादेश और मालदीव के साथ ग्रुप-बी में रखा गया है। नेपाल, श्रीलंका और भूटान ग्रुप-ए में हैं। ढाका में बुधवार को सैफ सचिवालय में ड्रॉ डाले गए, जिसके अनुसार प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। पाकिस्तान ने अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया है। भारत दूसरी बार सैफ महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इससे पहले उसने 2016 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में इसकी मेजबानी की थी।

बांग्लादेश पर धीमी ओवर गति के लिए 10 प्रतिशत जुर्माना

ढाका, जेएनएन। आईसीसी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे पुरुष वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में धीमी ओवर गति के लिए बांग्लादेश टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया। आईसीसी मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने यह जुर्माना लगाया है, क्योंकि मेहदी हसन मिराज की टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके थे। आईसीसी ने कहा कि खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से संबंधित नियम 2.22 के अनुसार किसी टीम के निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने के लिए उसके खिलाड़ियों पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

एकल में लगातार दसवीं हार के बावजूद फ्रेंच ओपन में खेलना चाहती हैं वीनस

मैड्रिड, जेएनएन। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी वीनस विलियम्स महिला एकल में लगातार दसवां मैच हारने के बावजूद अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेलना चाहती हैं। यह 45 वर्षीय खिलाड़ी मैड्रिड ओपन में स्पेन की 20 वर्षीय खिलाड़ी कैटलिन क्वेडो से 6-2, 6-4 से हार गईं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने कहा कि मैं लंबे समय से क्ले कोर्ट पर नहीं खेली थी और मैं इसमें खेलने का अनुभव लेना चाहती थी। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से मैं इटालियन ओपन में नहीं खेल पाऊंगी, क्योंकि मेरी कुछ प्रतिबद्धताएं हैं। मेरे पति इटालियन हैं, इसलिए हमें भी दुख है कि हम वहां नहीं जा सकते। लेकिन (फ्रेंच ओपन की तैयारी के लिए) हम क्ले कोर्ट पर खेलना जारी रखना चाहेंगे। वीनस ने पांच साल से मैड्रिड में कोई मैच नहीं खेला था। क्ले कोर्ट पर उनका आखिरी टूर्नामेंट 2021 फ्रेंच ओपन था, जहां वह अपने पहले मैच में ही एकातेरिना एलेक्सांद्रोवा से हार गई थीं। उन्होंने कहा कि मैंने मियामी ओपन के कुछ हफ्ते बाद क्ले कोर्ट पर अभ्यास शुरू कर दिया था।

चार हार के बाद जीता रियाल मैड्रिड एमबाप्पे-विनीसियस ने दागे गोल

मैड्रिड, जेएनएन। काइलियन एमबाप्पे और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया, जिससे रियाल मैड्रिड ने अलावेस को 2-1 से हराकर चार मैचों के बाद पहली जीत का स्वाद चखा। इस जीत से वह स्पेनिश लीग फुटबाल टूर्नामेंट ला लीगा में शीर्ष पर मौजूद बार्सिलोना के करीब पहुंच गया है। सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में मिली जीत के बाद रियाल मैड्रिड अब बार्सिलोना से छह अंक पीछे रह गया है। बार्सिलोना के 31 मैच में 79 और रियाल मैड्रिड के 32 मैच में 73 अंक हैं। बायर्न म्यूनिख से हारने के कारण चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद रियाल मैड्रिड का यह पहला मैच था। रियाल मैड्रिड को बायर्न से अपने घरेलू मैदान पर 2-1 से और दूसरे चरण में जर्मनी में 4-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

सिटी स्पोर्ट्स

डेफ ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई कनिष्का

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश ताइक्वांडो अकादमी की खिलाड़ी कनिष्का शर्मा का चयन दूसरी एशिया पैसिफिक डेफ ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए हुआ है। यह चैंपियनशिप एक से सात जून तक कजाकिस्तान में खेली जाएगी। कनिष्का ने 17 अप्रैल को महाराष्ट्र के ठाणे में आयोजित चयन ट्रायल्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी जगह पक्की की। फाइनल मुकाबले में उन्होंने साई की खिलाड़ी को हराकर निर्णायक जीत हासिल की।

भोपाल डिवीजन की लगातार तीसरी जीत

भोपाल, खेप्र। भोपाल ने सीनियर विमेंस जेएस आनंद ट्रॉफी इंटर डिविजनल लिमिटेड ओवर क्रिकेट टूर्नामेंट में शहडोल को 71 रनों से हराया। टूर्नामेंट में भोपाल की लगातार तीसरी जीत है। भोपाल ने निर्धारित 50 ओवर में 5 विकेट पर 203 रन बनाए। निकिता ने 71 रन बनाए, जबकि सौम्या तिवारी ने 32 और श्रेया दीक्षित ने 26 रन बनाए। शहडोल की संस्कृति गुप्ता ने 4 विकेट लिए। शिवानी शुक्ला को एक विकेट मिल। जवाब में शहडोल 40.4 ओवर में 132 रन पर ऑलआउट हो गई। संस्कृति ने सर्वाधिक 72 रन बनाए।

मयंक अकादमी ने वीएस को 144 रन से हराया

भोपाल, खेप्र। मयंक चतुर्वेदी अकादमी ने शहीद अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट में वीएस अकादमी को 144 रनों से शिकस्त दी। ओल्ड कैंपियन मैदान पर मयंक अकादमी ने 40 ओवर में 232 रन बनाए। आर्यवीर ने 73 और ऋषभ पांडे ने 61 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। वीएस अकादमी के वंश बाथम ने तीन और प्रिंयाशु ने दो विकेट लिए। जवाब में वीएस अकादमी 89 रन पर सिमट गई।

मेजबान एलएनसीटी ने जीते दो रजत पदक

भोपाल। मेजबान एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जू-जित्सु प्रतियोगिता में दो रजत पदक जीते। प्रतियोगिता में फाइटिंग सिस्टम एवं फल कॉन्टैक्ट स्पर्धाएं हुईं। फुल कॉन्टैक्ट महिला-52 किग्रा में एलएनसीटी की प्रिया ठाकुर ने रजत पदक प्राप्त किया। इस वर्ग में कृष्णा कांत हांडिक्वी स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी की रिया देउरी ने स्वर्ण पदक जीता। 57 किग्रा में कुमाऊं विश्वविद्यालय की कौशल्या गुप्ता ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि एलएनसीटी की रेणु ने रजत पदक हासिल किया। फाइटिंग सिस्टम 57 किग्रा में राजीव गांधी यूनिवर्सिटी की दुगी लुलु ने स्वर्ण पदक जीता।

भाऊ साहेब निंबालकर ट्रॉफी: भोपाल ने रेस्ट ऑफ एमपी-बी को 284 रन से हराकर जीता खिताब

भोपाल, खेप्र। भोपाल डिवीजन ने रेस्ट ऑफ एमपी-बी टीम को 284 रनों के बड़े अंतर से हराकर अंडर-18 बॉयज भाऊ साहेब निंबालकर ट्रॉफी (चार दिवसीय) का खिताब अपने नाम किया। जबलपुर के नीमखेड़ा मैदान पर अंतिम दिन कल के स्कोर 3/22 रन से आगे खेलते हुए रेस्ट ऑफ एमपी बी 47.4 ओवर में 122 रन पर सिमट गई। शिखर देशमुख ने 31 और शिवम पटेल ने 29 रन बनाए।

भोपाल के ओजस शुक्ला ने 3, जबकि रबजीत सिंह मल्ही और नैतिक जैन ने 2-2 विकेट लिए। भोपाल ने पहली पारी में 270 रन बनाए। इसके जवाब में रेस्ट ऑफ एमपी-बी 156 रन बना पाई। इस तरह भोपाल डिवीजन ने पहली पारी में 114 रन की बढ़त ली। दूसरी पारी में भोपाल ने 292/9 रन पर पारी घोषित कर दी और रेस्ट ऑफ एमपी को 407 रन का बड़ा लक्ष्य दिया।

लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को

रीवा। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा- 2026 आगामी 26 अप्रैल को रीवा शहर के 12 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित होगी। प्रथम पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली में अपरान्ह 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी।

दिव्यांग मेडिकल बोर्ड आज आयोजित नहीं होगा

रीवा। जिला पुर्नवास केन्द्र में प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले दिव्यांग मेडिकल बोर्ड के आयोजन के क्रम में 24 अप्रैल को होने वाला मेडिकल बोर्ड आयोजित नहीं होगा। सचिव रेडक्रास सोसायटी ने बताया कि 8 मई को दिव्यांग मेडिकल बोर्ड यथावत आयोजित होगा।

1 करोड़ रुपए के अवैध गांजा और स्मैक को पुलिस ने कराया नष्ट

प्रिज्म फैक्ट्री में की गई विनष्टीकरण की कार्रवाई

जागरण, रीवा

रीवा संभाग में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध की गई कार्रवाई में जब्त गांजा और स्मैक का बुधवार को विनिष्टीकरण किया गया। करीब एक करोड़ रुपए के गांजा और स्मैक को पुलिस अधिकारियों ने प्रिज्म फैक्ट्री में नष्ट कराया गया है। आईजी गौरव सिंह राजपूत के निर्देशन यह कार्रवाई की गई। सतना स्थित प्रिज्म फैक्ट्री परिसर में जब्त किए गए अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं स्मैक का विधिवत विनष्टीकरण (नष्टिकरण) किया गया। उक्त विनष्टीकरण कार्यवाही के अंतर्गत सीधी, सतना, सिंगरौली, रीवा एवं मऊगंज जिलों में 84 प्रकरणों में जब्त किए गए कुल 10 क्विंटल 18 किलोग्राम अवैध गांजा एवं 20 ग्राम स्मैक, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये है, को नियमानुसार नष्ट किया गया। कार्यवाही शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं न्यायालयीन दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गई। विनष्टीकरण प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा एवं पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा गया। इस दौरान डीआईजी रीवा हेमंत सिंह चौहान पुलिस अधीक्षक रीवा शैलेंद्र सिंह चौहान, पुलिस अधीक्षक सतना हंसराज सिंह सहित संबंधित जिलों के राजपत्रित अधिकारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

चोरी गई पल्सर बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

जागरण, रीवा। शहर के अमहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पीके स्कूल के पीछे से चोरी गई पल्सर बाइक को पुलिस ने बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है। अमहिया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बाइक चोरी की शिकायत अनुज सिंह निवासी द्वारिका नगर ने अमहिया थाना में दर्ज कराई थी। पी.के. स्कूल के पीछे से उनकी मोटरसाइकिल बजाज पल्सर को 14 अप्रैल को अज्ञात चोर चुरा ले गया था। शिकायत के बाद पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी की तलाश शुरू की जिसके बाद आरोपी मोहित सोधिया पिता जगदीश सोधिया 18 वर्ष निवासी कटरा मोहल्ला पुलिस के हाथ लगा जिसके कब्जे से चोरी की गई पल्सर बाइक बरामद की गयी है। आरोपी को गिरफ्तार कर अमहिया पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है।

पेड़ काटने के विवाद में चाकू से वृद्ध की हत्या का आरोपी पकड़ाया

नौवस्ता में सामने आई थी वारदात, चोरहटा पुलिस कर रही थी आरोपी की तलाश

जागरण, रीवा। शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र के नौवस्ता में 19 अप्रैल की सुबह एक आरोपी ने 62 साल के वृद्ध की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई थी। आरोपी के खिलाफ मृतक ने चंदन पेड़ की चोरी करने की शिकायत नौवस्ता चौकी में पूर्व में दर्ज कराई थी, जिसके बाद से उनके बीच विवाद चल रहा था। घटना के बाद से आरोपी फरार था, जिसकी तलाश में चोरहटा और नौवस्ता चौकी पुलिस लगी हुई थी। बुधवार को आरोपी पुलिस के हाथ लग गया जिसे गिरफ्तार किया गया है। घटना के संबंध में चोरहटा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस घटना उमाकांत मिश्रा की मौत हो गई थी जबकि चाकू से वार कर हत्या करने वाले आरोपी राहुल पाठक को अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चोरहटा थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने बताया कि फरियादी अरुण कुमार मिश्रा पिता स्व. रामराज मिश्रा ने घटना की सूचना दी थी। पीड़ित ने बताया था कि 19 अप्रैल की सुबह करीब 08.20 बजे आरोपी राहुल पाठक पिता रामनारायण पाठक निवासी नौवस्ता का उसके परिवार से पूर्व में लकड़ी काटने के विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर आरोपी राहुल ने शिवम गुप्ता की किराना दुकान के सामने ग्राम नौवस्ता में उमाकांत मिश्रा का रास्ता रोककर जान से मारने की नीयत से चाकू से पेट एवं पीठ में कई बार वार किये जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। घायल को संजय गाँधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उपचार के दौरान उमाकांत मिश्रा की मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपी राहुल पाठक के विरुद्ध हत्या का मामला पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया। घटना के बाद से आरोपी राहुल पाठक फरार था जिसकी सक्रियता के साथ तलाश करते हुये पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी को पुलिस आज न्यायालय में पेश करेगी।

रीवा से ब्योहारी जा रही स्कॉर्पियो में भड़की आग

स्कार्पियो सहित सामान जला, बालं-बाल बचे सवार

जागरण, रीवा। सड़क पर दौड़ रही स्कॉर्पियो में अचानक आग लग गई। वाहन सवार रीवा से ब्योहारी जा रहे थे। आगजनी से स्कॉर्पियो व उसमे लोड सामान जलकर खाक हो गया। घटना शहडोल जिले के देवलौंद थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह हुई। बताया जा रहा है कि चलती स्कॉर्पियो में अचानक से आग लग गई। वाहन में एक ही परिवार के लोग सवार थे जो रीवा से ब्योहारी के लिए निकले थे। हालांकि परिवार के सभी सदस्य समय रहते वाहन से बाहर निकल आए जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। बताया गया की वाहन जैसे ही देवलौंद नगर पहुंचा तभी गाड़ी के अंदर से अचानक से धुआं भरने लगा, ऐसे में स्थिति को भांपते हुए वाहन में सवार रोहणी प्रसाद गुप्ता ने तुरंत गाड़ी सड़क के किनारे रोकी और परिवार सहित बाहर निकल आए, वहीं कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी स्कॉर्पियो को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। बताया गया कि वाहन में आग इतनी तेजी के साथ फैली कि पीड़ित परिवार को वाहन में रखे सामान तक निकालने की मोहलत नहीं मिली और देखते ही देखते वाहन के साथ-साथ उसमें रखा सामान भी जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना सूचना दमकल विभाग को दी गई, जहां मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो चुका था। फिलहाल स्कॉर्पियो में आग किन कारणों से लगी, इसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

जिले में अब तक समर्थन मूल्य पर 5769.35 मीट्रिक टन हुई गेहूं की खरीद

कलेक्टर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से उपार्जन की समीक्षा की

जागरण, रीवा। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। अब तक 1904 किसानों से 5769.35 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन केन्द्रों का सतत निरीक्षण व निगरानी करें। उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही व शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दिशा निर्देशानुसार निर्धारित गेहूं की मात्रा बोरे में भरी जाय तथा गुणवत्ता पूर्ण गेहूं का उपार्जन किया जाय। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिये कि सीमावर्ती राज्य से किसी भी स्थिति में उपार्जन के लिए गेहूं की आवक न हो इस पर कड़ी निगरानी रखी जाय। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ-सफाई के लिए पंखा, छन्ना तथा किसानों के लिए स्वच्छ पेयजल एवं छाया की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने उपार्जित गेहूं के समुचित भण्डारण व परिवहन के भी निर्देश वीडियो कान्फ्रेंसिंग में दिये। कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम सहित राजस्व विभाग का अमला व उपार्जन कार्य में संलग्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी पूरी सजगकता के साथ उपार्जन कार्य संपादित करायें। जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि गेहूं उपार्जन के लिए अब तक 12616 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं।सभी खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध करा दिए गए हैं। जिले में 76 खरीदी केन्द्रों में गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है।

सम्मान केवल एक रस्म नहीं संस्कार है: विजय मोहन

रीवा। परशुराम जयंती के अवसर पर स्वामी विवेकानंद पार्क से शोभायात्रा निकालने पश्चात संत-महात्माओं एवं विशिष्टजनों का सम्मान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय मोहन तिवारी ने संतजनों से चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री तिवारी ने कहा कि सम्मान केवल एक रस्म नहीं, एक संस्कार है। आयोजन में जिला अध्यक्ष पंडित दलवीर द्विवेदी, पंडित रमेश द्विवेदी, पूनम मिश्रा, डॉ. सविता मिश्रा सुनीति व्यास प्रभास शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इस आयोजन ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि हमारी संस्कृति वह है, जहाँ संत को देवता से भी अधिक सम्मान दिया जाता है। जहाँ विशिष्टजन केवल प्रतीक नहीं, बल्कि प्रेरणा होते हैं। न केवल परशुराम की जयंती मनाई गई- आज उस परंपरा को प्रणाम किया गया, जिसने हमें यह सिखाया कि सम्मान ही संस्कार है, और संस्कार ही समाज है।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com